राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 85 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,28 सितम्बर 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

नीट-एसएस में अंतिम मिनट बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने पोस्ट ग्रेजुएट नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट-सुपर स्पेशियलिटी 2021 के परीक्षा पैटर्न में अंतिम समय में बदलाव करने के लिए केंद्र, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की खिंचाई की।

शीर्ष अदालत ने कहा, युवा डॉक्टर असंवेदनशील नौकरशाहों की दया पर नहीं हो सकते हैं और उनके साथ फुटबॉल जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने एनबीई और एनएमसी को अगले साल से बदलावों को लागू करने का सुझाव दिया है। मामले को अगले सप्ताह आगे के विचार के लिए पेश किया जाएगा।

वरुण की गन्ने का मूल्य 400 रुपए करने की मांग

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से भाजपा के लोकसभा सांसद वरुण गांधी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 400 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग की है। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि राज्य में गन्ना किसानों की हालत बहुत खराब है। मुख्यमंत्री ने गन्ने की कीमत में जो 25 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ोतरी की घोषणा की है उसके लिए मैं उनका आभार जताता हूं, लेकिन यह नाकाफी है।

अयोध्या में 'दीपोत्सव' में होगा मेगा ड्रोन शो

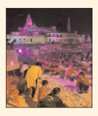

अयोध्या। 'दीपोत्सव' के चलते इस साल अयोध्या में एक शानदार एयर शो होगा, जिसमें सैकड़ों ड्रोन आसमान में चमकदार आकृतियां बनाएंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, 800-1,000 ड्रोन एक साथ 'त्रेता युग' की जादुई आभा पैदा करने के लिए उड़ान भरेंगे, जो 14 साल के वनवास के बाद सीता के साथ भगवान राम की घर वापसी का प्रतीक है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और दीपोत्सव की तैयारियों के नोडल अधिकारी विशाल सिंह ने कहा कि परियोजना के सरकार के सामने प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है ताकि उसे मंजूरी मिल सके।

कोविड पीड़ित परिवारों को जल्द दी जाएगी अनुग्रह राशि

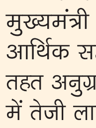

नई दिल्ली। दिल्ली के राजस्व मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा सरकार सभी कोविड प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द अनुग्रह राशि देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। गहलोत ने मुख्यमंत्री कोविड-19 परिवार आर्थिक सहायता योजना के तहत अनुग्रह राशि के वितरण में तेजी लाने के लिए संभागीय आयुक्तों और डीएम के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सभी प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द अनुग्रह राशि देने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रही है। साथ ही, हम अत्यंत सावधानी और संवेदनशीलता बरत रहे हैं कि पीड़ित परिवारों को कोई परेशानी न हो।

■ किसानों ने पूरे देश में किए धरने प्रदर्शन ■ यातायात रहा बाधित, जगह-जगह लगा जाम

किसानों के 'भारत बंद' का दिखा व्यापक असर

तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने बुलंद की आवाज

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित भारत बंद को पूरे देश में भरपूर समर्थन मिला। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने अपनी आवाज बुलंद की। किसानों ने जगह-जगह धरने प्रदर्शन किए। कई राजनैतिक दलों ने भी इसका समर्थन किया। आंदोलन में शामिल स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि आज के भारत बंद को अधिकांश राज्यों से अभूतपूर्व समर्थन मिला है।

श्री यादव ने कहा कि किसानों ने जगह-जगह शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन कर अपनी आवाज बुलंद की। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, केरल, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, राजस्थान तमिलनाडु तथा महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में किसानों का अभूतपूर्व समर्थन मिला है। विभिन्न राज्यों के किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मेरठ के भाटीपुरा चौराहा पर शांतिपूर्ण तरीके से किसानों ने चक्का जाम किया।

राजनैतिक दलों का भी मिला समर्थन

भारत बंद का समर्थन कई विपक्षी दलों ने भी किया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा- संयुक्त किसान मोर्चा के भारत बंद को सपा का पूर्ण समर्थन है। वहीं अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि किसान आंदोलन भाजपा के अंदर टूट का कारण बनने लगा है। वहीं बिहार में पटना समेत कुछ जिलों में आरजेडी के कार्यकर्ता प्रदर्शन करते नजर आए। बिहार में महागठबंधन की पार्टियां राजद, कांग्रेस और वामदलों ने भी इस बंद को समर्थन दिया था। तेजस्वी यादव ने कहा है कि इस आंदोलन में हम लोग किसानों के साथ हैं।

भारत बंद सरकार को किसानों की आवाज सुनने के लिए मजबूर करेगा : **राकेश टिकैत**

भारत बंद को अधिकांश राज्यों से अभूतपूर्व समर्थन मिला है : **योगेंद्र यादव**

किसानों का अहिंसक सत्याग्रह आज भी पूरी तरह से अखंड है : **राहुल गांधी**

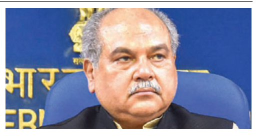

सरकार किसानों की आपत्तियों पर विचार करने के लिए तैयार है : **नरेंद्र सिंह तोमर**

हरियाणा, पंजाब में ट्रेनें ठहरीं

एनसीआर में सड़क यातायात प्रभावित

पंजाब और हरियाणा में विभिन्न स्थानों पर दो दर्जन से अधिक ट्रेनों को रोक दिया गया है और सोमवार को किसान संघों के भारत बंद के आह्वान के कारण दिल्ली की ओर सड़क यातायात बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने पंडित श्री राम मेट्रो स्टेशन को बंद कर दिया है जो पश्चिमी दिल्ली में टिकरी सीमा के करीब है। हालांकि, अन्य जगहों पर मेट्रो बिना किसी देरी के संचालित है। टिकरी सीमा पर, किसानों ने बहादुरगढ़ रेलवे स्टेशन पर लगभग कब्जा कर लिया है और रेलवे लाइन पर बैठ रहे हैं। दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे पर यात्रियों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा, क्योंकि दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने वाले किसानों पर नजर रखने के लिए दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर बैरियर लगा दिए थे।

आंदोलनकारी किसान की दिल का दौरा पड़ने से मौत

भारत बंद के दौरान राजधानी दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर सोमवार को आंदोलनकारी एक किसान की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। मृतक का नाम बघेल राम (55) है। वह पंजाब में जालंधर का निवासी था। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया पीड़ित की मृत्यु का कारण हृदय गति रुकना माना जा रहा है।

दक्षिण के राज्यों में भी बंद का दिखा असर

बेंगलुरु के टाउन हाल में कई संगठनों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और भारत बंद का समर्थन किया। भारत बंद का असर केरल में भी देखने को मिला। एलडीएफ और यूडीएफ से जुड़े व्यापार संगठनों ने तीनों कृषि कानूनों के खिलाफ बुलाए गए भारत बंद का समर्थन किया था। इस वजह से तिरुवनंतपुरम में दुकानें बंद रहीं और सड़कों पर रोजाना के मुकाबले कम भीड़ रही। हालांकि दोपहर बाद स्थिति सामान्य होने लगी थी।

पीएम मोदी ने किया आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ, अब हर नागरिक का होगा डिजिटल हेल्थकार्ड

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब आधार कार्ड की तरह सबकी यूनिक हेल्थ आईडी होगी।

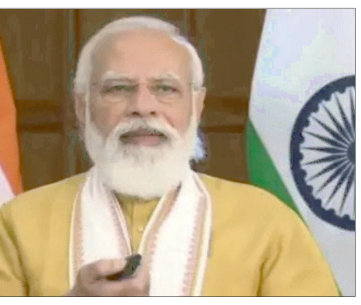

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। पिछले 7 सालों में देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने का अभियान आज एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। यह कोई सामान्य चरण नहीं है। यह एक असाधारण चरण है।

उन्होंने कहा, बीते सात वर्षों में, देश की स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने का जो अभियान चल रहा है, वो आज से एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। आज एक ऐसे मिशन की शुरुआत हो रही है, जिसमें भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने की ताकत है। मुझे खुशी है कि आज से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन भी पूरे देश में शुरू किया जा रहा है। ये मिशन देश के गरीब और मध्यम वर्ग के इलाज़ में होने वाली दिक्कतों को दूर करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज से एक मिशन की शुरुआत हो रही है, जिसमें भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाने की शक्ति है। 3 साल पहले पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयुष्मान भारत योजना लागू की गई थी। खुशी है कि आज से देशभर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन शुरू हो रहा है

उन्‍होंने कहा, मुफ्त वैक्सीन मूवमेंट के साथ भारत ने वैक्सीन की लगभग 90 करोड़ खुराक दी है, इसलिए एक रिकॉर्ड बनाया है। इसके लिए सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया है। इस उपलब्धि के लिए ष्टश्ङ्खढ्ढठ्ठ को भी श्रेय दिया जाना चाहिए।

पीएम ने कहा, 130 करोड़ आधार नंबर, 118 करोड़ मोबाइल सब्सक्राइबर, लगभग 80 करोड़ इंटरनेट यूजर्स, करीब 43 करोड़ जनधन बैंक खाते इतना बड़ा कनेक्टेड इंफ्रास्ट्रक्चर दुनिया में कहीं नहीं है। ये डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर राशन से लेकर प्रशासन तक को तेज, पारदर्शी तरीके से सामान्य भारतीय तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा, कोरोना काल में टेलिमेडिसिन का भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। ई-संजीवनी के माध्यम से अब तक लगभग सवा करोड़ रिमोट कंसल्टेशन पूरे हो चुके हैं। ये सुविधा हर रोज़ देश के दूर-सुदूर में रहने वाले हजारों देशवासियों को घर बैठे ही शहरों के बड़े अस्पतालों के डॉक्टरों से कनेक्ट कर रही है। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 15 अगस्त 2020 को पीएम ने लाल किले की प्राचीर से मिशन (आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन) की घोषणा की थी। मुझे खुशी है कि वह आज इसे लॉन्च कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि इससे स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आएगा

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सेना को साइबर क्षेत्रों में वर्चस्व जमाने के लिए किया सर्तक, कहा- रोबोटिक्स के बढ़ते प्रयोग के लिए भी करें तैयारी

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को कहा कि देश की सेनाएं सूचना और साइबर युद्ध जैसे नए क्षेत्रों में भी बढ़त बनाए रखने के लिए तैयार रहें. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सेनाओं ने देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाली हर ताकत को मुंह तोड़ जवाब दिया है. नायडू ने सीमावर्ती जैसलमेर में भारतीय सेना के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात के दौरान यह बात कही. आधिकारिक बयान के अनुसार, इस दौरान नायडू ने कहा, ''देश के आसपास की 'भू-राजनीतिक' स्थिति तेजी से अनिश्चितता में बदल रही है और हम अंदर और बाहर दोनों तरफ से प्रकट और छद्म खतरों का सामना कर रहे हैं.''

उन्होंने सशस्त्र बलों से कहा कि वे न केवल पारंपरिक युद्ध की तैयारी में अपनी बढ़त बनाए रखें, बल्कि युद्ध के नए क्षेत्रों जैसे सूचना और साइबर क्षेत्र में भी अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए तैयार रहें और युद्ध क्षेत्र में रोबोटिक्स और ड्रोन के बढ़ते प्रयोग के लिए भी तैयारी करें. उपराष्ट्रपति ने शांति को विकास के लिए आवश्यक शर्त बताया और

कहा, ''हमारी सेनाओं पर देश की सीमाओं पर और देश के अंदर भी, शांति और स्थिरता बनाए रखने की महती जिम्मेदारी है.''

उपराष्ट्रपति राजस्थान की पांच दिवसीय यात्रा पर- भारतीय सेना के शौर्य की प्रशंसा करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, ''देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाली किसी भी ताकत को हमारी सेनाओं ने मुंहतोड़ जवाब दिया है.'' उपराष्ट्रपति राजस्थान की पांच दिवसीय यात्रा पर हैं. आज उन्होंने जैसलमेर युद्ध संग्रहालय देखा, जहां उनका स्वागत मेजर जनरल अजीत सिंह गहलोत ने किया.उपराष्ट्रपति ने थार रेगिस्तान की गर्म और कठिन परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं की सुरक्षा करने के लिए भारतीय सेना की सराहना की. उन्होंने सैनिकों से कहा कि देश आश्वस्त रहता है कि दुश्मन के किसी भी दुस्साहस का भारतीय सेना द्वारा मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा.

जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि अनुच्छेद 370, जो वैसे भी एक अस्थायी प्रावधान ही था, उसे समाप्त करके भारतीय संसद ने जम्मू कश्मीर की जनता और शेष भारत के बीच एक बड़ी बाधा को दूर कर दिया है.स्वर्ण नगरी जैसलमेर की अपनी यात्रा पर हर्ष जताते हुए नायडू ने कहा कि यह शहर अपनी समृद्ध संस्कृति और सैन्य विरासतों के लिए प्रसिद्ध है.

एक दिन पहले लोंगेवाला युद्ध स्थल की अपनी यात्रा को अविस्मरणीय बताते हुए नायडू ने कहा कि लोंगेवाला के ऐतिहासिक युद्ध में मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी और उनके साथी सैनिकों के शौर्य की प्रेरक गाथा सुनकर उनको भारतीय सेना पर बहुत गर्व होता है. उन्होंने युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वह उस स्थान को जाकर अवश्य देखे कि किन कठिन परिस्थितियों में बहादुर सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं. वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की निर्णायक विजय के 'स्वर्णिम विजय वर्ष' के अवसर पर उपराष्ट्रपति ने सभी सैनिकों को बधाई दी और क्षेत्र में तैनात सभी रैंकों के सैनिकों को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं.

फेसबुक पोस्ट में युद्ध संग्रहालय देखना का आग्रह

बाद में, एक फेसबुक पोस्ट में नायडू ने लोगों से निकटस्थ युद्ध संग्रहालय जाकर इसे देखने का आग्रह किया. अपनी यात्रा के दौरान नायडू ने स्मारक पर पुष्प चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और अपने पोस्ट में लिखा, ' जब जब देश की संप्रभुता की रक्षा और देश की सुरक्षा की बात उठती है, हमारी सशस्त्र सेनाओं ने बार-बार अपना और अपनी शक्ति का लोहा मनवाया है.' सीमा पर स्थित जैसलमेर की अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति ने आज सीमा सुरक्षा बल की टुकड़ी के मुख्यालय में आयोजित सैनिक सम्‍मेलन को संबोधित किया और क्षेत्र में तैनात बीएसएफ के सैनिकों से बातचीत की. उन्होंने दुर्गम इलाकों में भी देश की सीमाओं की रक्षा में तत्पर बीएसएफ के सैनिकों की सराहना की.

पर्यटन को वापस पटरी पर लाने के लिए कोरोना वैक्सीनेशन काफी जरूरी- जी किशन रेड्डी

नई दिल्ली,एजेंसी । केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को कहा कि उनका मंत्रालय कोविड -19 महामारी से प्रभावित पर्यटन क्षेत्र को वापस पटरी पर लाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है. उन्होंने कहा कि टीकाकरण इसके पुनरुद्धार के लिए महत्वपूर्ण है. विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटन मंत्रालय ने ÷समावेशी विकास के लिए पर्यटन÷ पर एक सम्मेलन का आयोजन किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला थे. यह देखते हुए कि पर्यटन क्षेत्र महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित था, रेड्डी ने कहा, ÷सरकार ने इसके पुनरुद्धार और रिकवरी के लिए कई उपाय किए हैं, जिसमें विदेशी पर्यटकों के लिए पांच लाख मुफ्त वीजा शामिल हैं.÷ मंत्री ने कहा कि केंद्र ने महामारी के बाद पर्यटन क्षेत्र के लिए विभिन्न पैकेजों और छूटों की भी घोषणा की है.

इस क्षेत्र के सभी हितधारकों से महामारी के मद्देनजर स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहते हुए, रेड्डी ने कहा, ÷पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण है और भारत पहले ही 85 करोड़ से अधिक लोगों को टीकाकरण कर चुका है.÷ यह कहते हुए कि देश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, रेड्डी ने कहा कि उनका मंत्रालय देश के दूर-दराज और बेरोज़गार क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है. उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी इसी तरह का कार्यक्रम आयोजित किया गया था.

ओम बिरला ने क्या कहा?

वहीं ओम बिरला ने कहा कि पर्यटन अर्थव्यवस्था का विकास इंजन है और देश में इस क्षेत्र में बहुत बड़ी संभावनाएं हैं क्योंकि यह समुद्र तटों से लेकर रेगिस्तान तक कई तरह के डेस्टिनेशन देता है. उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य भारत को नंबर एक पर्यटन स्थल बनाना होना चाहिए.

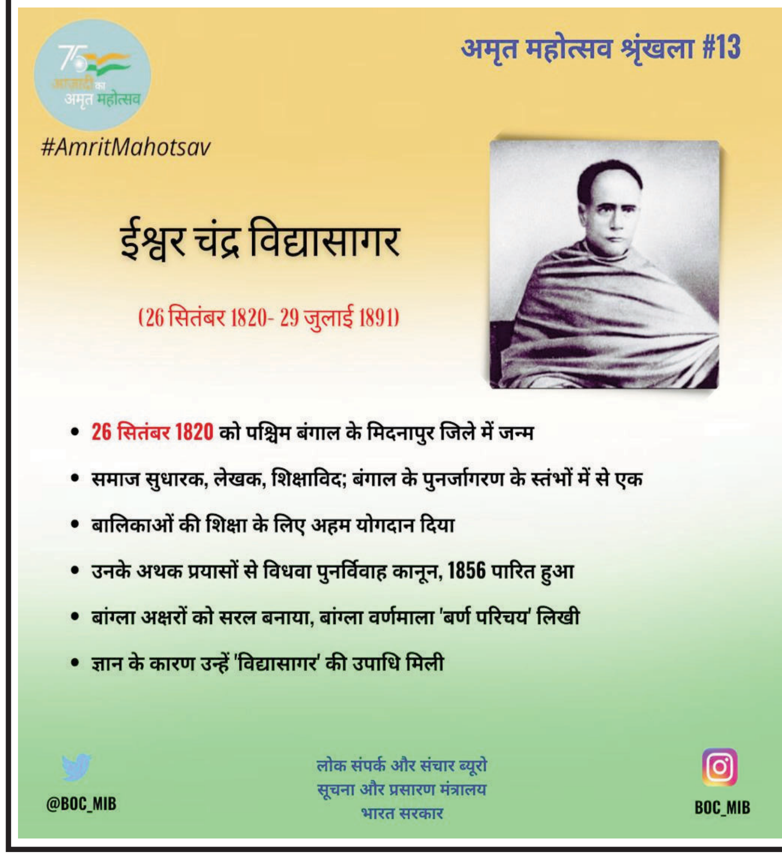

बंगाल के पुनर्जागरण के प्रमुख स्तंभ रहे ईश्वर चंद्र विद्यासागर को आज उनकी जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि। उन्होंने महिलाओं खासकर बालिकाओं की शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा किसानों का किया सम्मान, सरकार बातचीत के लिए हमेशा तैयार- संबित पात्रा

नई दिल्ली,एजेंसी। किसानों की तरफ से सोमवार को बुलाए गए भारत बंद पर बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा किसानों का सम्मान किया है और उन्हें अन्नदाता कहा है. संबित पात्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों के लिए जो भी किया है वो ऐतिहासिक है, जिसमें एमएसपी बढ़ाने से लेकर बीमा योजना और फसल खरीद शामिल है.

साथ ही कहा कि आज कुछ राजनीतिक दल जिस प्रकार से दूसरों के कंधों पर रखकर अपनी राजनीतिक मंशा को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, वो आज पूरा हिंदुस्तान देख रहा है. संबित पात्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री ने कहा है कि सरकार बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप बातचीत के जरिए इस मुद्दे को सुलझाया जाना चाहिए.

देश में भारत बंद का दिखा मिलाजुला असर

वहीं केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ विभिन्न किसान यूनियन के भारत बंद के कारण देश के कई हिस्सों में, विशेष रूप से हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जनजीवन सोमवार को बाधित हो गया. विभिन्न जगहों पर प्रदर्शनकारियों ने राजमार्गों और प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध कर दिया. कई स्थानों पर वो रेल की पटरियों पर भी बैठ गए, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ. कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 40 से अधिक किसान यूनियन का नेतृत्व कर रहे संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान विरोध के 10 महीने पूरे होने और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के तीनों कानून पर मोहर लगाने का एक साल पूरा होने पर सोमवार को बंद का आह्वान किया था.

हालांकि देश का ज्यादा हिस्सा इससे प्रभावित नहीं दिखा, उत्तर भारत में ट्रेनों के रद्द होने या देरी से चलने और सीमा पार आवाजाही को रोकने से बड़े पैमाने पर यातायात जाम के कारण लोगों को दिक्कत हुई.

सार समाचार

पाकिस्तान के फादर ऑफ नेशन मुहम्मद अली जिन्ना की मूर्ति को विस्फोट से उड़ाया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के फादर ऑफ नेशन कहलाने वाले मुहम्मद अली जिन्ना की प्रतिमा को बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने रविवार को नष्ट कर दिया है। बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने एक अधिकारिक बयान में बताया कि, उनके कुछ कार्यकर्ताओं ने ग्वादर में मरीन ड्राइव पर जिन्ना की मूर्ति को विस्फोटकों से नष्ट कर दिया है। पाकिस्तान मीडिया चैनल डॉन के खबर के मुताबिक, बलूच रिपब्लिकन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। खबर में बताया कि, यह प्रतिमा इस साल की शुरुआत में मरीन ड्राइव पर लगाई गई थी जिसे सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि कुछ आतंकवादियों ने प्रतिमा के नीचे एक विस्फोटक उपकरण रखा और उसे उड़ा दिया। वहीं बलूच कार्यकर्ताओं ने मुहम्मद अली जिन्ना को हीरो के रूप में चित्रित करने के लिए पाकिस्तान पर भी निशाना साधा है। ग्वादर के उपायुक्त मेजर अब्दुल कबीर ने बताया कि, जिन्ना की प्रतिमा को विस्फोट से उड़ाने वाले बलूच कार्यकर्ता पर्यटक के भेष में आए थे। जानकारी के मुताबिक, हमला रविवार सुबह करीब 9.20 बजे हुआ था। कबीर ने आगे बताया कि, अधिकारियों ने हमले की जांच शुरू कर दी है लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

इजरायल के साथ सामान्यीकरण कॉल पर 3 इराकियों के लिए गिरफ्तारी वारंट

बगदाद। बगदाद की एक अदालत ने इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के लिए एक बैठक में तीन प्रतिभागियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, एक प्रस्ताव जिसे ट्राकी सरकार ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने एक बयान में कहा कि अदालत ने रविवार को कबायली नेता विसम अल-हरदान, पूर्व विधायक मितल अल-अलौसी और इराकी संस्कृति मंत्रालय के एक कर्मचारी सहार करीम अल-ताई के खिलाफ वारंट जारी किया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, कुर्दिस्तान के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र की राजधानी एरबिल में कुछ आदिवासी हस्तियों और व्यक्तियों द्वारा दो दिन पहले आयोजित एक अवैध बैठक में इराकी सरकार ने भाग लिया। बयान में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायिक परिषद एरबिल बैठक में अन्य प्रतिभागियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी, जब अधिकारियों को उनका पूरा नाम मिल जाएगा। एरबिल बैठक में इजरायल के साथ संबंधों को सामान्य करने के आह्वान की सरकार और लोगों दोनों ने निंदा की और इसे खारिज कर दिया।

अफगान एयरलाइन ने विस्थापितों की जगह रिश्तेदारों को देश से बाहर निकाला: रिपोर्ट

काबुल। एक निजी अफगान एयरलाइन ने विस्थापित या शरणार्थियों के बजाय कंपनी के नेतृत्व के कम से कम 155 परिवार के सदस्यों को लेकर अबू धाबी के लिए उड़ान भरी, जिसमें पत्रकार भी शामिल थे। सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, टोलो न्यूज ने कहा कि काम एयर की उड़ान का उद्देश्य तालिबान के अधिग्रहण के बाद पत्रकारों और अन्य योग्य व्यक्तियों को देश से बाहर निकालना था, लेकिन एयरलाइन के नेतृत्व के परिवार अंतिम समय में आधे-खाली विमान में घुस गए। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी में उड़ान के उतरने के बाद, अमेरिकी विदेश विभाग को पता चला कि विस्थापित तो इस सूची में हैं ही नहीं। हालांकि, काम एयर के अधिकारियों ने दावों का खंडन करते हुए कहा कि कंपनी निकासी में शामिल नहीं थी और वह तो केवल उन्हें स्थानांतरित करने के लिए जिम्मेदार थी।

चेकपोस्ट पर हमले में पाकिस्तानी सैनिक की मौत

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों की एक चौकी को आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाकर किए गए हमले में एक पाकिस्तानी सैनिक की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह 24 सितंबर के बाद प्रांत में तीसरा आतंकी हमला है। सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बयान में कहा कि हमला रविवार को माख इलाके में अर्धसैनिक बलों के फ्रंटियर कोर की चौकी पर हुआ। समाचार एजेंसी ने सेना के हवाले से बताया कि सैनिकों ने तुरंत जवाब दिया और गोलीबारी के दौरान एक सैनिक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। आईएसपीआर ने कहा, पाकिस्तानी सेना बाहरी प्रायोजित आतंकवादी तत्वों द्वारा इस तरह की कायराना हरकतों को हराने के लिए प्रतिबद्ध है। 24 सितंबर को आवारन जिले में हुए एक हमले में दो सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हो गए थे। अगले दिन, हरनाई जिले में अर्धसैनिक बलों के फ्रंटियर कोर के एक वाहन ने सड़क के किनारे लगाए गए विस्फोटकों को टक्कर मार दी, जिससे चार सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। प्रतिबंधित बलूच लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

सूडान के प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा विवाद सेना, नागरिकों के बीच नहीं

खार्तूम। सूडान के प्रधान मंत्री अब्दुल्ला हमदोक ने कहा कि देश में मौजूदा विवाद सेना और नागरिकों के बीच नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के बीच है जो लोकतांत्रिक परिवर्तन का समर्थन करते हैं और जो इसे अवरुद्ध करना चाहते हैं। सूडान के आधिकारिक टीवी पर रविवार को प्रसारित एक भाषण में हमदोक ने कहा कि क्रांति में बलों की एकता अपने रास्ते में आने वाले सभी खतरों से बचाने की गारंटी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सभी दलों से संवैधानिक दस्तावेज के लिए खुद को सख्ती से प्रतिबद्ध करने, एकतरफा पदों से दूर रहने और अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से निभाने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि सशक्तिकरण निष्कासन समिति क्रांति के लाभों में से एक है जिसका बचाव और संरक्षण किया जाना चाहिए।

विवादास्पद साउथ कोरियाई मीडिया विधेयक पर तनातनी

सियोल (एजेंसी)।

प्रेस की स्वतंत्रता को संभावित रूप से कमजोर करने के लिए आलोचना के तहत विवादास्पद मीडिया बिल के भाग्य का फैसला करने के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी दलों ने सोमवार को आखिरी मिनट की बातचीत की।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी (डीपी) और मुख्य विपक्षी पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के फ्लोर लीडर्स और उनके छह अन्य सांसदों ने बिल पर द्विदलीय वार्ता के अंतिम दौर के लिए सुबह मुलाकात की। मीडिया मध्यस्थता अधिनियम में सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा प्रस्तावित संशोधन, फर्जी खबरों के खिलाफ दंडात्मक नुकसान को मजबूत करने पर केंद्रित है, डीपी द्वारा अगस्त के अंत में एक पूर्ण संसदीय बैठक के माध्यम से इसे आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रारंभिक योजना से पीछे हटने के बाद लगभग एक महीने से द्विदलीय बातचीत चल रही है। सत्तारूढ़ पार्टी ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि संशोधन, मीडिया आउटलेट्स को झूठी या हेरफेर की गई समाचार रिपोर्ट प्रकाशित करने के दोषी पाए गए लोगों पर सामान्य से पांच गुना अधिक दंडात्मक हर्जाना लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं की आलोचना के तहत आया, यह संभावित रूप से प्रेस अधिकारों को कमजोर कर सकता है।

विवादित संशोधन प्रस्ताव को सुचारू करने के लिए गठित एक आठ-व्यक्ति द्विदलीय सलाहकार निकाय, रविवार सहित पिछले महीने के दौरान 10 से अधिक मौकों पर मिल चुका है, लेकिन परिणाम देने में विफल रहा है। विवाद में बिल के तहत दंडनीय दुष्प्रचार की परिभाषा के साथ-साथ पांच गुना दंडात्मक नुकसान की परिभाषा तय करने वाले कुछ खंड हैं, जिन पर स्थानीय और वैश्विक मीडिया संघों ने मीडिया की स्वतंत्रता को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। डीपी ने पिछले हफ्ते चेतावनी दी थी कि वह सोमवार को एक पूर्ण नेशनल असेंबली सत्र के माध्यम से बिल को आगे बढ़ाने की अपनी योजना के साथ आगे बढ़ेगी। एक सदनीय 300 सदस्यीय विधानसभा की 169 सीटों को नियंत्रित करते हुए, डीपी के पास अपने दम पर एक विधेयक पारित करने की शक्ति है। इस बीच, पीपीपी ने चेतावनी दी है कि अगर डीपी ने एकतरफा मतदान के लिए इसे रखा तो वह बिल को अवरुद्ध करने के लिए एक फाइलबस्टर शुरू करेगी।

जर्मनी चुनाव: सोशल डेमोक्रेट पार्टी ने हासिल किया मत, एंजेला की पार्टी को हराया

बर्लिन। जर्मनी के आम चुनाव में मध्यमार्गी वामपंथी सोशल डेमोक्रेट पार्टी ने सर्वाधिक मत हासिल किए हैं और बेहद करीबी मुकाबले में निर्वतमान चांसलर एंजेला मर्केल की मध्यमार्गी दक्षिणपंथी पार्टी यूनियन ब्लॉक को हरा दिया। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि सोमवार सुबह सभी 299 सीटों की मतगणना में सोशल डेमोक्रेट ने 25.9 प्रतिशत वोट प्राप्त किए जबकि यूनियन ब्लॉक को 24.1 प्रतिशत वोट मिले। पर्यावरणविदों की ग्रीन्स पार्टी 14.8 प्रतिशत वोट के साथ तीसरी बड़ी पार्टी बनकर उभरी। इसके बाद कारोबार सुगमता की पक्षधर फ्री डेमोक्रेट्स को 11.5 प्रतिशत वोट मिले। दोनों दल पहले ही इस बात के संकेत दे चुके हैं कि वे नयी सरकार के गठन में सहयोग कर सकते हैं। रविवार को हुई मतगणना में धुर दक्षिणपंथी अल्टर्नेटिव फॉर जर्मनी 10.3 प्रतिशत वोट के साथ चौथे स्थान पर रही जबकि वाम दल को 4.9 प्रतिशत वोट मिले। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 1949 के बाद यह पहली बार है जब डैनिश अल्पसंख्यक पार्टी एसएसडब्ल्यू संसद में एक सीट जीत पाई है। नतीजों से ऐसा प्रतीत होता है कि यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को नयी सरकार के गठन में काफी जोड़ तोड़ करना होगा जबकि नए चांसलर के शपथ लेने तक मर्केल कार्यवाहक चांसलर की भूमिका में रहेंगी।

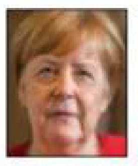

जापान में दो महिलाओं समेत चार उम्मीदवार प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल

तोयो। (एजेंसी)।

जापान का अगला प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों में से दो महिलाओं का होना लैंगिक भेदभाव के कारण कुख्यात देश की राजनीति के लिए एक बड़ा कदम होगा। साने ताकाइची और सेको नोडा पिछले 13 साल में देश की पहली महिलाएं हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद के चुनाव में सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। यह चुनाव बुधवार को होगा। विजेता का अगला प्रधानमंत्री बनना निश्चित है, क्योंकि एलडीपी और इसके गठबंधन साझेदारों के पास संसदीय बहुमत है। भले ही ये दोनों महिला नेता एलडीपी सदस्य हैं, लेकिन वे कई तरीकों से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं।

अति-रूढ़िवादी ताकाइची एक तरह के पितृसत्तात्मक राष्ट्रवाद और एक मजबूत सेना की वकालत करती हैं, जबकि उदारवादी नोडा महिलाओं की उन्नति और लैंगिक विविधता की समर्थक हैं। ओसाका यूनिवर्सिटी ऑफ आर्ट्स में समाज एवं राजनीति में महिलाओं की भूमिकाओं के विषय की विशेषज्ञ मायूमी तानिगुची ने कहा, ''जापान की राजनीति में महिलाओं की संख्या बहुत कम है। उनके पास राजनीति में बने रहने और सफल होने के तरीकों के सीमित विकल्प हैं। वे पुरुषों के समूह की राजनीति का मुकाबला कर सकती हैं या वे उनके प्रति वफादार रह सकती हैं।'' उन्होंने कहा कि ताकाइची ने स्पष्ट रूप से पुरुषों के प्रति वफादारी को चुना, जबकि नोडा मुख्यधारा से परे जाकर किंतु टकराव के बिना काम करती प्रतीत होती हैं और ''वे दोनों एक दूसरे से काफी अलग हैं''। निवर्तमान प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा का उत्तराधिकारी बनने के लिए इन महिलाओं के सामने टीकाकरण मंत्री तारो कोनो और पूर्व विदेश मंत्री फुमिओ किशिदा की चुनौती है।

कोनो और किशिदा को दमदार उम्मीदवार माना जा रहा है। ये दोनों ही जाने-माने राजनीतिक परिवारों से संबंध रखते हैं और पार्टी के शक्तिशाली धड़ों से संबंधित हैं, लेकिन कुछ लोग ताकाइची को तेजी से उभरती उम्मीदवार के तौर पर देख रहे हैं, जिन्हें पूर्व नेता शिंजो आबे का समर्थन प्राप्त है। पार्टी सांसदों को लेकर किया गया मीडिया का ताजा सर्वेक्षण दर्शाता है कि उन्हें पार्टी के रूढ़िवादियों का समर्थन मिलना आरंभ हो गया है, जबकि नोडा चौथे स्थान पर हैं। इससे पहले जापान में एकमात्र महिला उम्मीदवार युरिको कोइके थीं, जो 2008 के चुनाव में उम्मीदवार थीं। वह इस समय तोक्यो की गवर्नर हैं। हालांकि ताकाइची या नोडा के प्रधानमंत्री बनने की संभावना कम है, लेकिन शीर्ष पद के लिए दो महिलाओं का यह प्रयास सत्तारूढ़ दल के लिए प्रगति माना जा रहा है। कुछ विशेषज्ञों ने ताकाइची की लैंगिक भेदभाव वाली नीतियों की आलोचना की है।

सोफिया विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान की प्रोफेसर मारी मिउरा ने कहा, ''अगर वह जीत जाती हैं तो वह महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा नहीं देंगी।'' विश्व आर्थिक मंच द्वारा लैंगिक भेदभाव को लेकर 2021 में किए गए 156 देशों के सर्वेक्षण में जापान उन्नत देशों के समूह 'ग्रुप ऑफ सेवन्स' में सबसे निचले स्थान पर रहा है। जापान की संसद में महिलाओं की संख्या केवल 10 प्रतिशत है और विश्लेषकों का कहना है कि कई महिलाएं लैंगिक समानता की वकालत करने के बजाय पार्टी के प्रति वफादारी दिखाकर आगे बढ़ने की कोशिश करती हैं।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद भोजन और दवाओं की मार झेल रहे अफगानी

काबूल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में जब से तालिबान का कब्जा हुआ है तभी से आम लोगों पर कई बंदिशे लगा दी गई है। तालिबान की सत्ता में अफगानिस्तान के हालात और भी खराब होते जा रहे हैं। हिंदी अखबार हक्क्ष में छपी एक खबर के मुताबिक, सूखा और पैसे की तंगी से जूझ रहे अफगानी अब दाने-दाने के मोहताज हो गए है। भोजन की कमी से जूझ रहे अफगानियों को न केवल खाने की कमी सता रही है बल्कि अब उनके सामने दवाइयों का संकट भी आ गया है। तास की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान में इस समय न केवल पेट्रोल-डीजल बल्कि खाद्य सामग्री और दवाइयों की कमी देखने को मिल रही है और साथ ही इनकी कीमतें आसमान को छू रही है।

वहीं तालिबानी हुकुमत के बीच कई अफगानी ऐसे भी है जो अपने पारिवार का पेट पालने के लिए मजबुर हो रहे है। कामकाज न होने के कारण अफगानिस्तान की आवाम काफी समस्याओं का सामना कर रही हैं। अफगानिस्तान के बस और टैक्सी चालक के मुताबिक, तालिबान ने जब से अपनी सत्ता जमाई है उसके बाद से ही तेल की कीमतों में करीब 40 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई हैं।बढ़ते तेल के दामों के कारण गुजारा करना काफी मुश्किल हो रहा है।वहीं, काबुल के निवासियों ने कहा कि, आटे से लेकर सब्जियों तक के दाम ऊपर पहुंच गए है। जहां आटे के दाम में 30 फीसदी की तेजी दिखाई दी है वहीं सब्जियों के दामों में 50 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि अफगानियों को अपने बैंक से पैसे तक निकालने में दिक्कतें आ रही है क्योंकि बैंक से धन निकासी में इस समय वहां पाबंदी लगी हुई है।

जयशंकर ने यूएनजीए के इतर कई देशों के विदेश मंत्रियों से की वार्ता, अमेरिका से मेक्सिको जाएंगे

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर रविवार को मेक्सिको के अपने समकक्ष मार्सेलो एब्रार्ड कैसाबोन के आमंत्रण पर मेक्सिको के लिए रवाना होंगे। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जयशंकर 26-28 सितंबर तक मेक्सिको की आधिकारिक यात्रा करेंगे। विदेश मंत्री के रूप में मेक्सिको की अपनी पहली यात्रा के दौरान जयशंकर मेक्सिको की आजादी की 200 वीं वर्षगांठ के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

कैसाबोन के साथ अपनी बैठक के अलावा वह मेक्सिको के राष्ट्रपति मैनुअल लोपेज ओब्रेडोर से भी मुलाकात करेंगे और मेक्सिको में प्रमुख सीईओ और व्यापारिक समुदाय के साथ बातचीत करेंगे, जो वर्तमान में लातिन अमेरिका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है। मेक्सिको रवाना होने के पहले जयशंकर ने कई देशों के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें की। जयशंकर ने नेपाल के विदेश मंत्री नारायण खड़का से भी बातचीत की। जयशंकर ने इथियोपिया के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मेकोनेन हसन के साथ भी वार्ता की। इसके अलावा वेनेजुएला और निकारागुआ के विदेश मंत्रियों से भी चर्चा की। जयशंकर ने केन्या के विदेश मंत्री रेशेल ओमामो से भी दोनों देशों के संबंधों पर चर्चा की। जयशंकर ने यमन के विदेश मंत्री डॉ. अहमद अवाद बिन मुबारक से भी वार्ता की।

ड्यूटी के दौरान अमरिकी सिख नौसैनिक पहन सकेगा पगड़ी, 246 साल के इतिहास में ऐसा करने वाला बना पहला व्यक्ति

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

अमेरिका के एक 26 वर्षीय सिख-अमेरिकी नौसैनिक अधिकारी को कुछ सीमाओं के साथ पगड़ी पहनने की इजाजत दी गई है। मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। वह इस प्रतिष्ठित बल के 246 साल के इतिहास में ऐसा करने की अनुमति पाने वाला वह पहला व्यक्ति है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया है, लगभग पांच साल से हर सुबह लेफ्टिनेंट सुखबीर तूर अमेरिकी नौसैनिक कोर की वर्दी धारण करते आए हैं और बृहस्पतिवार को, सिर पर सिख पगड़ी पहनने की उनकी तमन्ना भी पूरी हो गई। खबर में कहा गया है कि मरीन कोर के 246 साल के इतिहास में तूर पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें पगड़ी पहनने की अनुमति मिली है।

तूर ने एक साक्षात्कार में कहा, आखिरकार मुझे मेरे विश्वास और देश में से किसी एक को चुनने की नौबत नहीं आई। मैं जैसा हूं, वैसा ही रहते हुए दोनों का सम्मान करता हूं। तूर ने इस अधिकार को प्राप्त करने के लिये संघर्ष किया है। इस साल जब वह पदोन्नति पाकर कैप्टन बने तो उन्होंने अपील का फैसला किया। खबर के अनुसार यह इतने लंबे समय तक चला इस तरह का पहला मामला था। वाशिंगटन और ओहायो में पले-बढ़े भारतीय प्रवासी के बेटे तूर को कुछ सीमाओं के साथ ड्यूटी पर पगड़ी पहनने की अनुमति मिली है। वह सामान्य ड्यूटी के दौरान पगड़ी पहन सकते हैं, लेकिन युद्ध क्षेत्र में तैनात होने पर वह ऐसा नहीं कर सकते। एनवाईटी की खबर में कहा गया है कि तूर ने मरीन कोर कमांडेंट के प्रतिबंधात्मक निर्णय के खिलाफ अपील की है, और उनका कहना है कि अगर उन्हें सभी जगह पगड़ी पहनने की अनुमति नहीं मिलती है तो वह कोर के विरुद्ध मुकदमा करेंगे।

ऑकस समझौता: न्यूजीलैंड को परमाणु-निरोध कूटनीति तेज करनी होगी

हैमिल्टन। (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया (ऑकस) के बीच हाल ही में सामने आए सुरक्षा समझौते का न्यूजीलैंड भले हिस्सा न हो, लेकिन यह निश्चित रूप से इसके राजनयिक और रणनीतिक प्रभावों एवं घटनाक्रम से बच नहीं सकता है। अमेरिका और ब्रिटेन इस साझेदारी के तहत ऑस्ट्रेलिया को परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बी क्षमता प्रदान करेंगे। अमेरिका क्षेत्र में सैन्य ठिकानों संबंधी अधिक अधिकार प्राप्त करना चाह रहा है। उन्हें क्षेत्र के परमाणुकरण को ले कर आसियान देशों की आशंकाओं को भी दूर करना है। ऑकस समझौते को लेकर चीन और रूस दोनों ने ही नकारात्मक प्रतिक्रिया की है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के साथ पनडुब्बी समझौता रद्द होने के कारण फ्रांस भी खुद को ठगा पा रहा और आहत है।

नए समझौते में रणनीतिक प्राथमिकताएं बदलने के पीछे मुख्य बात है परमाणु खतरे की जो कि बढ़ता जा रहा है। इसका उद्देश्य चीन को रोकने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने पर है। चीन पहले ही चेतावनी दे चुका है कि ऑकस के कारण ऑस्ट्रेलिया परमाणु संघर्ष की स्थिति में निशाने पर आ सकता है। न्यूजीलैंड का परमाणु मुक्त दर्जा इसे संभावित लक्ष्य बनाने से बचाता है। वह फाइव आइज इंटेलिजेंस नेटवर्क का अभिन्न हिस्सा है। लेकिन यह बात उसे परमाणु संघर्ष में संभावित निशाना बना सकती है या नहीं, यह बात केवल उसके संभावित शत्रु ही बता सकते हैं। परमाणु विनाश की आशंका सच्चाई के बेहद करीब है। डूम्सडे क्लॉक के अनुसार दुनिया में 13,100 परमाणु हथियार हैं, इनमें से 1,550 अमेरिका और रूस द्वारा हाई अलर्ट पर रखे गए हैं जिसका मतलब है कि आदेश पर 15 मिनट में दागे जा सकते हैं। इनके अलावा उनके पास हजारों अन्य परमाणु हथियार भी हैं।

परमाणु हथियार सम्पन्न अन्य देश हैं फ्रांस, ब्रिटेन, इजराइल, भारत, उत्तर कोरिया, पाकिस्तान और चीन और अनुमान है कि उनके पास करीब 1000 परमाणु हथियार हैं। इनमें से ज्यादातर परमाणु हथियार उस अमेरिकी बम से कहीं अधिक प्रभावशाली हैं जिसने 1945 में हिरोशिमा को तबाह कर दिया था। अमेरिका, रूस और चीन द्वारा नई पीढ़ी की हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में निवेश करने से हथियार प्राप्त करने की नई दौड़ शुरू होने का भय भी है। न्यूजीलैंड 1980 के दशक में परमाणु मुक्त हो गया था और उसने इस नीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत मेहनत की तथा निरस्त्रीकरण के प्रयास किए। 2017 में 122 देशों ने परमाणु हथियार पर रोक संबंधी संयुक्त राष्ट्र की संधि पर हस्ताक्षर किए थे लेकिन परमाणु सम्पन्न नौ देशों ने इसे खारिज कर दिया।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने हस्ताक्षर करने वाले देशों से यहां तक कहा कि उन्होंने 'एक रणनीतिक गलती' की है। न्यूजीलैंड को अपनी परमाणु-मुक्त नीति को बनाए रखने और बढ़ावा देने के साथ-साथ विशेष रूप से अपने क्षेत्र में तनाव और जोखिम को कम करने के बारे में भी व्यावहारिक होना चाहिए। ऑकस समझौते से बाहर होना और चीन के साथ उसके अच्छे संबंध होना एक अच्छी शुरुआत है। 2019 के आतंकवादी हमले के बाद जेसिंडा अर्डन और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 'क्राइस्टचर्च कॉल' पहल शुरू की थी जिसने दिखाया कि न्यूजीलैंड और फ्रांस अच्छी तरह से सहयोग कर सकते हैं।

ऐप पर मिलेगी दिल्ली के सभी पर्यटन स्थलों की पूरी जानकारी, सीएम अरविंद केजरीवाल ने किया लान्च

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

- मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यटन दिवस पर 'देखो मेरी दिल्ली' मोबाइल ऐप किया लांच
- पर्यटकों के साथ-साथ दिल्ली वालों के लिए भी बहुत उपयोगी होगा ऐप : केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सोमवार को देश का पहला मोबाइल एप लांच किया, जहां दिल्ली के पर्यटन से संबंधित सारी जानकारी मिल सकेगी। एप लांच करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दिल्ली दुनिया के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो गया है, जहां पर्यटन से संबंधित एक एप बनाया गया है। इसकी मदद से आप अपने आसपास स्थित ऐतिहासिक और मनोरंजन स्थलों आदि की जानकारी लेकर वहां जा सकते हैं। साथ ही, टूरिज्म का सभी सेक्टर पर असर पड़ता है और इससे दिल्ली की अर्थ व्यवस्था भी मजबूत होगी। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर नौकरियां भी पैदा हो सकती हैं। मुख्यमंत्री ने सभी से एप डाउनलोड करने की अपील करते हुए कहा कि इसमें आपको इतनी चीजें मिलेंगी, जिन्हें आप दिल्ली में रह कर भी अभी तक नहीं देख पाए होंगे। एप को और अच्छा बनाने के लिए अपना सुझाव दें, ताकि दिल्ली के अंदर हर पर्यटक का अनुभव और बेहतर हो सके। वहीं, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हमारे लिए यह सिर्फ एक एप नहीं है, बल्कि हमारी तरफ से यह निमंत्रण है कि आइए और हमारी दिल्ली को देखिए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सोमवार को दिल्ली सचिवालय के सभागार में दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा विकसित 'देखो मेरी दिल्ली' एप लांच किया। इस दौरान दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम, मुख्य सचिव विजय देव और पर्यटन विभाग के सचिव समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में पर्यटन विभाग के सचिव ने 'देखो मेरी दिल्ली' एप के फीचर्स के बारे में विस्तार से जानकारी दी कि कैसे यह एप दिल्ली में घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए उपयोगी साबित होगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस एप को बहुत ही अच्छे और यूजर फ्रैंडली तरीके से डिजाइन किया गया है। इस एप में यह है कि आप दिल्ली में जहां बैठे हैं और अगर आपको अपने 5 किलोमीटर के दायरे के अंदर यह देखना है कि कौन-कौन सी ऐतिहासिक स्थल हैं, कौन-कौन से मनोरंज स्थल हैं, कौन-कौन से पार्क हैं, उसे आप अभी तुरंत इस एप पर देख सकते हैं।

मैं समझता हूं कि पर्यटकों के लिए यह उपयोगी तो होगा ही, यह दिल्ली वालों के लिए भी बहुत ज्यादा उपयोगी होगा। हम दिल्ली में कहीं जाते हैं और हमारी मीटिंग दो घंटे बाद है। हम दो घंटे खाली रहते हैं, तो कई बार यह समझ नहीं आता है कि यह दो घंटे का समय कैसे बिताएं। अब आप यह एप खोल कर देख सकते हैं और आपको इस एप से पता चल जाएगा कि आपके आसपास क्या-क्या चीजें हैं? कौन-कौन अच्छी खाने की चीजें हैं, कौन-कौन से मनोरंज के स्थल आदि हैं।

खुशहाली से जुड़ा हुआ है पर्यटन का फ्लेवर : सिसोदिया

उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री मनीष सिसोदिया ने सभी को विश्व पर्यटन दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दुनिया भर में टूरिज्म का एक अलग फ्लेवर है। मेरा मानना है कि टूरिज्म का फ्लेवर खुशहाली से जुड़ा हुआ है। टूरिज्म अच्छा चलता है, तो खुशहाली है और खुशहाली है तो टूरिज्म अच्छा चलता है। दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं। जब हम विश्व पर्यटन दिवस मनाते हैं, तो एक तरह से खुशहाली का दिवस मनाते हैं। डिप्टी सीएम ने पर्यटन विभाग की पूरी टीम को एप को तैयार करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन विभाग की पूरी टीम ने एप को सफल बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। जब इस एप को 'देखो मेरी दिल्ली' नाम दिया गया, तो ऐसा लगा जैसे हम पूरे देश और पूरी दुनिया के लिए एक निमंत्रण पत्र बना रहे हैं। एप को विकसित करने के दौरान हम सबके मन में हमेशा यह भाव रहा है कि हम, दिल्ली सरकार, अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पर्यटन विभाग की तरफ से अपने देश को और पूरी दुनिया को दिल्ली आने का निमंत्रण दे रहे हैं, हम अपनी दिल्ली को देखने के लिए आपको निमंत्रित कर रहे हैं। हमारे लिए यह एप नहीं है, हमारी तरफ से यह एक निमंत्रण है।

नवरात्र से भाजपा यमुना सफाई कार्यक्रम की करेगी शुरुआत- आदेश गुप्ता

नई दिल्ली । नवरात्र से प्रदेश भाजपा यमुना के प्रत्येक घाट की सफाई का अभियान शुरू करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने वजीराबाद के सूर घाट पर यमुना आरती में हिस्सा लेते हुए यह घोषणा की। वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि दिल्ली के लोगों को जीवन देने वाली मां यमुना का जल हमेशा स्वच्छ रहे।

गुप्ता ने कहा कि यमुना जब दिल्ली में प्रवेश करती है तो उसे सीवर का गंदा पानी दिया जाता है। जबकि कारखानों और सीवर का पानी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट(एसटीपी) से शोधित होकर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार यमुना को केवल चुनाव के समय साफ करने का ढोंग करती है। इसलिए यमुना की सफाई की जिम्मेदारी भाजपा ही लेगी। यमुना आरती में अधिवक्ता प्रकोष्ठ के सह-संयोजक राजकुमार, प्रदेश प्रवक्ता बृजेश राय, कार्यक्रम संयोजक कपिल गर्ग आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे सफाई कर्मी- वहीं, दिल्ली नगर निगम मजदूर फेडरेशन ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। फेडरेशन की मांग है कि कोरोना में जान गवांने वालों के आश्रितों को जल्द नौकरी व एक करोड़ की आर्थिक मदद दी जाए। फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष रणधीर गागट ने कहा कि जो कर्मचारी कई वर्ष पहले सेवानिवृत्त हो गए हैं उन्हें अभी तक बकाया नहीं मिला है।

20 साल से सफाई कर्मी अस्थाई तौर पर कार्य कर रहे हैं। ऐसे में सभी का एक मुश्त भुगतान के साथ कर्मचारियों को नियमित करने के लिए प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं, आठ अक्टूबर से सिविक सेंटर पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी।

संक्षिप्त खबर

संतुलित आहार इम्युनिटी व सेहत बनने में करता है मदद : रितिका

नई दिल्ली। सितम्बर का महीना देश भर में पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। इसी अवसर पर पॉल्ट्री ढाबा द्वारा संचालित और यूएसएसईसी द्वारा समर्थित एक पहल में भारत के हर राज्य से 28 स्वादिष्ट और संपूर्ण पोषण देने वाली क्षेत्रीय थालियों का एक बेहतरीन संकलन प्रस्तुत किया है। हर थाली संतुलित आहार की पूरक है। इन थालियों ने संतुलित आहार के महत्व को सामने लाने में मदद की। यह एक ऐसी डाइट है जिसमें पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्व शामिल होते हैं, खासतौर से प्रोटीन्स जोकि इम्युमनिटी और सेहत बनाने में मदद करता है और हमें तंदुरुस्त बनाता है। इस पहल के बारे में रितिका समद्दार, चीफ डाईटीशियन, मैक्सा हेल्थाकेयर साकेत ने कहा कि, भारतीय होने के नाते हमें मात्रा एवं गुणवत्ता दोनों के लिहाज से प्रोटीन्सि पर ध्यान देने की जरूरत है। हमारे देश में प्रोटीन का सेवन आमतौर पर कम है। इस महामारी ने हमें अच्छी? डाइट के महत्व का अहसास कराया है। हमारी डाइट में प्रोटीन शामिल करने से हम सेहतमंद होते हैं और हमारी इम्युनिटी बेहतर होती है। थाली का कॉन्सेपप्ट खान-पान की पोषक पद्धति को सामने लाने के लिए था। पूरी दुनिया में लोग फ्राइज और कुकीज और पता नहीं क्या-क्या खाते रहते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर जीवन शैली अपनाने की जरूरत : जैन

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतर जीवन शैली अपनाने की जरूरत है और अगर जीवन में कुछ हासिल करना है तो शारीरिक संतुष्टि की वजाय मानसिक संतुष्टि के लिए करना चाहिए। जैन ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) द्वारा आयोजित दूसरे ऑनलाइन वेलनेस समेल्लन में कहा कि स्वास्थ्य हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है और इसे बनाए रखने के लिए हमें लगातार प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए हमें बेहतर जीवन शैली अपनाने की जरूरत और अगर जीवन में कुछ हासिल करना है तो उसे अपने की शारीरिक संतुष्टि की वजाय मानसिक संतुष्टि के लिए करना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें यह समझना होगा की स्वास्थ्य हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

इंटरनेट कॉलिंग के जरिए रची गई गैंगस्टर गोगी की हत्या की साजिश, पुलिस की जांच में खुलासा

नई दिल्ली। रोहिणी कोर्ट के शूटआउट मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है. दिल्ली पुलिस के सूत्रों की माने तो इस पूरे शूटआउट की साजिश तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर सुनील उर्फ टिल्लू ताजपुरिया ने जेल से बैठकर ही रची थी. पुलिस के सूत्रों की माने तो गैंगस्टर टिल्लू शूटआउट के पहले और शूटआउट के बाद लगातार सभी बदमाशों के संपर्क में था. सूत्रों की माने तो वो इंटरनेट कालिंग के जरिए हमलावरों के संपर्क में था. जेल के अंदर से ही वो लगातार हमलावरों से पूछ रहा था कि कितनी देर में कोर्ट में पहुंच जाओगे इतना ही नहीं वो उनकी लाइव लोकेशन भी ले रहा था. गिरफ्तार हुए उमंग और विनय से भी इंटरनेट कॉलिंग के जरिये संपर्क में था.

पुलिस के सूत्रों का कहना है कि जब टिल्लू को कॉलिंग के दौरान ये पता चला कि दोनों हमलावर कोर्ट रूम के अंदर ही हैं तो उसे इस बात का अंदेशा हो गया था कि अगर गोगी को मारने में हमलावर सफल रहे तो उनका बचना मुश्किल है. इसी वजह से उसने उमंग और विनय को इंटरनेट कॉलिंग के जरिए संपर्क कर ये पूछा कि तुम कहां हो तो उन्होंने बताया कि हम पार्किंग में खड़े हैं, तभी टिल्लू बोला कि तुम दोनों वहां से तुरंत निकल जाओ और गोली चलने के बाद दोनों फरार हो गए.

जांच के दौरान पुलिस को एक फोटो भी मिली जिसमें टिल्लू वीडियो कॉल पर उस शूटर के साथ बात कर रहा है, जो इस शूटआउट में पुलिस की गोली से मारा गया.

इस पूरे शूटआउट के बाद एक बात तो साफ है कि सुरक्षा में एक बड़ी चूक हुई. एक गैंगस्टर आसानी से तिहाड़ में बैठकर पूरा शूटआउट ना सिर्फ प्लान करता है, बल्कि उसे अंजाम भी देता है. ऐसा नहीं है कि ये तिहाड़ से कोई पहला मामला सामने आया है, जिसमें गैंगस्टर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं इससे पहले भी मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन जेल प्रशासन इसपर लगाम लगाने में क्यों नाकाम है ये कोई नहीं जानता.

ट्रैक पर प्रदर्शनकारियों ने किया कब्जा, करीब 30 ट्रेनों का परिचालन बाधित

नई दिल्ली/सोनीपत/गाजियाबाद । संयुक्त किसान मोर्चा के भारत बंद का असर सोमवार को सड़क यातायात के साथ रेल परिचालन पर भी पड़ा है। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल, अंबाला मंडल और फिरोजपुर मंडल में लगभग 20 स्थानों पर प्रदर्शनकारी ट्रैक पर कब्जा करके धरना पर बैठ गए, जिससे 30 के करीब ट्रेनों की आवाजाही बाधित हुई। चंडीगढ़-नई दिल्ली शताब्दी सहित 12 ट्रेनें सोमवार को रद कर दी गईं। लोकल ट्रेनें रद होने से लोगों को कार्य स्थल पर पहुंचने में दिक्कत हुई।

वहीं, दिल्ली से सटे हरियाणा के बहादुरगढ़, सोनीपत सहित अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारी ट्रैक पर धरना दे रहे थे, जिससे रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रैक खाली नहीं होने से कई ट्रेनों को रद करने का फैसला करना पड़ा। वहीं, कई ट्रेनों का सफर गंतव्य से पहले समाप्त कर दिया गया। इसके साथ ही कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव करना पड़ा। इस वजह से यात्रियों को परेशानी हुई। जरूरी काम से सफर करने वाले यात्री परेशान दिखे।

भारत बंद का समर्थन कर रही कांग्रेस अपमानित, दिल्ली के अध्यक्ष अनिल चौधरी को प्रदर्शन स्थल से बाहर किया

नई दिल्ली । तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ सोमवार को भारत बंद का समर्थन कर रही कांग्रेस पार्टी के एक दिग्गज नेता को दिल्ली के गाजीपुर बार्डर पर अपमानित होना पड़ा। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी भारत बंद का समर्थन करने की कड़ी में सोमवार दोपहर गाजीपुर सीमा पर पहुंचे। इस दौरान वह प्रदर्शन स्थन पर मंच के सामने बैठ गए। कुछ देर बाद वहां पर आंदोलनकारी किसानों ने दिल्ली कांग्रेस प्रमुख अनिल चौधरी को उनके विरोध स्थल से जाने के लिए कहा। बता दें कि किसान संगठनों ने तीन कृषि कानूनों को लेकर सोमवार को भारत बंद का आह्वान किया है, जिसे कांग्रेस समर्थन कर रही है।

इस पर प्रतिक्रिया में अनिल चौधरी ने कहा कि वह उनकी स्थिति समझ सकते हैं। यह किसानों का मसला है, कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी। अगर किसान हमें यहां से जाने को कहेंगे तो हम वापस चले जाएंगे। हम यहां किसानों के लिए आए हैं, कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है। गाजीपुर पर मौजूद किसानों ने अनिल चौधरी से कहा कि क्या आप इसे कांग्रेस का आंदोलन बनाना चाहते हैं

गौरतलब है कि कानूनों के विरोध में प्रदर्शनकारियों द्वारा सोमवार किए जाने वाले भारत बंद का दिल्ली कांग्रेस ने समर्थन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा पारित तीनों कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर करीब 300 दिनों से दिल्ली की सीमा पर धरना चल रहा है। धरने के दौरान सैकड़ों किसानों की मौत हो गई है, लेकिन मोदी सरकार ने इस मामले पर किसानों के साथ चर्चा करने की भी जहमत नहीं उठाई और न ही उनकी दुर्दशा पर दया की।

अनिल चौधरी ने कहा कि हम किसानों के अधिकारों में विश्वास करते हैं और कृषि कानूनों के खिलाफ उनकी लड़ाई में उनके साथ खड़े रहेंगे।

उन्होंने कहा कि वे खुद गाजीपुर बार्डर पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं व नेताओं के साथ प्रदर्शनकारियों के समर्थन में शांतिपूर्ण तरीके से शामिल होंगे। उन्होंने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से अपील की कि दिल्ली के अन्य बार्डरों पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें।

वहीं दूसरी ओर अनिल चौधरी ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव वाले राज्यों का दौरा करने तथा मुफ्त बिजली और बेरोजगारी भत्ता देने जैसे झूठे वादों के प्रचार करने से फुर्सत ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के पास इतना भी समय नहीं कि वे राजधानी में बढ़ते अपराधों के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर इस गंभीर विषय को उठा सकें।

भारत बंद का समर्थन करने पहुंचे दिल्ली पीसीसी अध्यक्ष अनिल चौधरी का विरोध, किसान बोले- यहां से उठो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के नये तीन कृषि कानूनों के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा के भारत बंद से न सिर्फ दिल्ली-एनसीआर की ट्रैफिक व्यवस्था चौपट हो गयी है बल्कि रेलवे ट्रैक पर कब्जा करने के साथ दिल्ली-अंबाला रूट की कई ट्रेनें कैंसिल हो गयी है. वहीं, किसानों ने उत्तर प्रदेश को दिल्ली से जोड़ने वाले यूपी-गाजीपुर बॉर्डर पर नेशनल हाईवे-9 और नेशनल हाईवे-24 पर कब्जा कर लिया है. इस दौरान भारत बंद का समर्थन करने पहुंचे दिल्ली पीसीसी अध्यक्ष अनिल चौधरी को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा. यही नहीं, भारतीय किसान यूनियन के नेता प्रवीण मिलक ने उन्हें अपने घर जाने के लिए तक कह दिया. भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने धरने पर बैठे चौधरी से कहा कि आप इस कांग्रेस का आंदोलन बनाना चाहते हैं, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे. अगर आपको भारत बंद करना था, तो दिल्ली में करते. यहां से आप उठ जाइए. हम अपने आंदोलने को हाईजैक नहीं होने देंगे. वहीं, प्रवीण मलिक ने चौधरी से कहा कि आप यहां से उठ जाइए. इसके बाद वह और उनके समर्थक वहां से उठकर चले गए.

अनिल चौधरी ने कही ये बात- कांग्रेस नेता और डीपीसीसी अध्यक्ष अनिल चौधरी ने इस घटना के बाद कहा कि मैं किसानों की परेशानी समझ सकता हूं. कांग्रेस पार्टी सड़क पर अपना विरोध करेगी. किसान कहेंगे हमें यहां से जाना है, हम चले जाएंगे. हम यहां किसानों के लिए आए हैं. हमारा कोई राजनीतिक एजेंडा नहीं है. वहीं, भारतीय किसान यूनियन के नेता प्रवीण मलिक कहा, ' हमने उनसे कहा कि हम उन्हें भारत बंद के दौरान उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं, लेकिन हमारा एक गैर-राजनीतिक विरोध और मंच है. हमने पहले घोषणा की थी कि हम अपने मंच पर राजनीतिक दलों को अनुमति नहीं देंगे, इसलिए हमने उनसे अनुरोध किया कि वे हमारी साइट से थोड़ी दूर पर विरोध करें.हरियाणा के सुल्तान झोटे की मौत, राजस्थान में पशु मेले में 21 करोड़ रुपये लगी थी कीमत

कांग्रेस समेत कई दल कर रहे भारत बंद का समर्थन- बता दें कि आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, आरजेडी, सपा, बीएसपी और लेफ्ट समेत तमाम बड़े दलों ने किसानों के 'भारत बंद' का समर्थन किया है. जबकि यह बंद शाम चार बजे तक जारी रहेगा. इससे पहले भारत बंद को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों से अपील की थी कि वे लोकतंत्र और संघवाद के सिद्धांतों को बचाए रखने की उनकी लड़ाई में हिस्सा लें.

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने जाएंगे ग्रेटर नोएडा के फ्लैट बायर्स, जानिए वजह

नोएडा । ईकोटेक, एलिगेट विले और मेफेयर रेजीडेंसी सोसाइटी. भले ही यह तीन नाम अलग-अलग सोसाइटी के हैं. लेकिन परेशानी तीनों की एक जैसी ही है. गाढ़ी कमाई की जमा पूंजी बिल्डर्स को देने के 8 से 10 साल बाद भी फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं मिली है. इतना ही नहीं सुविधाओं के अभाव में भारी-भरकम मेंटीनेंस चार्ज वसूला जा रहा है सो अलग. इसी से परेशान होकर मेफेयर रेजिडेंसी के फ्लैट मालिकों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन और धरने का ऐलान किया है. प्रदर्शन और धरने की अनुमति के लिए दिल्ली पुलिस को प्रार्थना पत्र भेजा गया है. 10 अक्टूबर को दिए जाने वाले धरना-प्रदर्शन की तैयारियां शुरु हो गई हैं. बीते 15 दिन से मेफेयर रेजिडेंसी के लोग ग्रेटर नोएडा में प्रदर्शन कर रहे हैं. ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी पर बिल्डर से मिलीभगत के आरोप लगाए हैं.

नोएडा हो या फिर ग्रेटर नोएडा पूरा पैसा लेने के बाद भी फ्लैट की रजिस्ट्री न करने जैसे आरोप अब आम हो चले हैं. हजारों फ्लैट खरीदार इस परेशानी का सामना कर रहे हैं. मेफेयर रेजिडेंसी के निवासियों का आरोप है कि हर साल बढ़ने वाले मेंटीनेंस चार्ज देने के बाद भी पीने का साफ पानी तक नहीं मिलता है.

बिजली कटौती ने जीना मुहाल कर दिया है. कब बिजली चली जाए और कब आएगी कोई पता नहीं होता है. कुछ दिन पहले ही बिल्डर से परेशान महिलाओं ने नजदीक के पुलिस स्टेशन का घेराव किया था. लेकिन वहां भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई.

केजरीवाल ने किसानों की मांग को बताया जायज, कहा- केन्द्र सरकार इसपर करे विचार

नई दिल्ली. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्र सरकार से तीन कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों की मांगों पर विचार करने का अनुरोध किया. साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वह ऐसा करती है तो यह किसी के सामने ''झुकना'' नहीं होगा. उन्होंने सचिवालय में दिल्ली के लिए एक पर्यटन ऐप लॉन्च करने के एक कार्यक्रम के इतर कहा, ''हम भगत सिंह की जयंती मना रहे हैं. उन्होंने देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया. उन्होंने इस दिन के लिये आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी थी कि किसानों को अपनी मांगों को मनवाने के लिये सड़कों पर बैठकर एक साल तक विरोध करना पड़े.'' संयुक्त किसान मोर्चा ने सोमवार को भारत बंद का आह्वान किया, जिसमें चालीस किसान यूनियन शामिल हैं. केजरीवाल ने कहा, '(केंद्र) सरकार को उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए. किसानों की मांगों पर विचार करना किसी के सामने झुकने जैसा नहीं होगा क्योंकि किसान भी हमारे देश के लोग हैं.' मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान नवंबर 2020 से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अपनी मांगों को उठाने के लिए बार-बार विरोध करने और भारत बंद का आह्वान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि उनकी मांगें जायज हैं और केंद्र को उन पर विचार करना चाहिए.

भारत बंद के आह्वान का समर्थन किया है- एक अन्य कार्यक्रम में केजरीवाल ने कहा कि यह 'दुखद' है कि किसानों को अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए भगत सिंह की जयंती पर भारत बंद का आह्वान करना पड़ रहा है. दिल्ली विधानसभा में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करने के बाद उन्होंने कहा, 'अगर स्वतंत्र भारत में किसानों की नहीं सुनी जाएगी, तो उनकी कहां सुनी जाएगी? मैं केंद्र सरकार से उनकी मांगों पर जल्द से जल्द विचार करने की अपील करता हूं.' केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने भी भारत बंद के आह्वान का समर्थन किया है.

मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए केंद्र सरकार ने दी मंजूरी, 15 हजार करोड़ का होगा निवेश

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा स्थित यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-28 में मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापना का रास्ता साफ हो गया। इसके लिए केंद्र सरकार की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। औषध, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजा और 90 दिन के भीतर डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजक्ट रिपोर्ट) भेजने के निर्देश दिए हैं। इस पार्क में देश में ही मेडिकल उपकरण निर्माण किए जा सकेंगे और विदेश से आयात की निर्भरता कम होगी।

भारत में अभी 70 फीसदी से अधिक मेडिकल उपकरण विदेश से आयात किए जाते हैं। मेडिकल डिवाइस पार्क में विश्वस्तरीय कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी स्थापित किया जाएगा जिसमें टेस्टिंग, क्वालिटी चेकिंग आदि की भी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें लगभग 15000 करोड़ रुपये का निवेश होगा और हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि 60 से 70 प्रतिशत की मेडिकल डिवाइस की ग्लोबल मार्केट 20 कंपनियां संचालित करती हैं। इनमें प्रमुख हैं जॉनसन एण्ड जॉनसन, जनरल इलेक्ट्रिक कम्पनी, सिमेन्स एजी, मेडट्रोनिक्स आदि शामिल हैं।

भारत में मिलेंगे सस्ते मेडिकल उपकरण

मेडिकल डिवाइस पार्क में उपकरण के निर्माण की लागत कम आएगी जिससे भारत में मेडिकल उपकरण सस्ते मिलेंगे तथा निकट भविष्य में यहां पर उत्पादित उपकरणों को विदेशों में भी निर्यात किया जा सकता है। एक सर्वे के अनुसार उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 46 मेडिकल कॉलेज हैं तथा 130 फार्मास्युटिकल कॉलेज हैं। केंद्र सरकार की मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापना योजना के अंतर्गत 16 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपने-अपने राज्यों में पार्क विकसित करने हेतु प्रस्ताव केमिकल मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किए थे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 04 अगस्त, 2020 को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना हेतु केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था। यमुना प्राधिकरण को एसआईए (स्टेट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी) नामित किया था।

वहीं, यीडा को निश्चित समय में किसी उपयुक्त एक्सपर्ट एजेंसी के माध्यम से अपने क्षेत्र में उपलब्ध भूमि के संबंध में कार्यवाही कराकर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने तथा उत्तर प्रदेश शासन से परीक्षण कराकर रिपोर्ट भारत सरकार के केमिकल मंत्रालय में जमा कराने के निर्देष दिए गए। इस पर अमल करते हुए मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना हेतु प्राधिकरण ने डॉ. कलाम इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद को सलाहकार नियुक्त करते हुए एक डीपीआर तैयार करवाकर उत्तर प्रदेश शासन से परीक्षणोपरान्त भारत सरकार को प्रेषित की थी।

एयरपोर्ट से तीन किमी दूरी पर होगा स्थापित- डीपीआर के मुताबिक, मेडिकल डिवाइस पार्क 0.25 एकड़, 0.50 एकड़ व 01 एकड़ के भूखंडों तथा विभिन्न सुविधाओं का नियोजन यीडा के सेक्टर-28 में 350 एकड़ क्षेत्रफल में करने का प्रस्ताव दिया गया। इस सम्बंध में आईआईटी कानपुर और नोएडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ने प्राधिकरण का भागीदार बनने पर सहमति प्रदान की। यीडा क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे स्थापित होने वाला मेडिकल डिवाइस पार्क निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से करीब तीन किलोमीटर तथा दादरी ड्राई पोर्ट से करीब 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित होगा।

प्रथम चरण में 90 एकड़ में होगा निर्माण

कोविड महामारी एवं मेडिकल सुविधा के मद्देनजर दृष्टिगत अपने मेडिकल पार्क स्थापित करने हेतु दिनांक 14 सितंबर को आयोजित बोर्ड बैठक में फेज-01 में लगभग 90 एकड़ में 1000 वर्गमीटर, 2500 वर्गमीटर, 4000 वर्गमीटर व 10000 वर्गमीटर के लगभग 89 भूखंडों एवं विभिन्न फैसिलिटीज, पार्क व कॉमर्शियल क्षेत्र को नियोजित करने का निर्णय लिया गया था। महत्वकांक्षी योजना के लिए ब्रोशर के नियम व शर्तें कलमा इन्सटीट्यूट ऑफ हेल्थ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद द्वारा तैयार की गई हैं।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए राहत की खबर, बारिश, सर्दी और गर्मी की मिलेगी सटीक जानकारी

नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर के लिए आने वाले दिनों में मौसम पूर्वानुमान और भी सटीक एवं प्रामाणिक होंगे। इसके लिए एक और राडार आरंभ होने वाला है। देश की राजधानी दिल्ली में ही लगे इस नए राडार की फिलहाल टेस्टिंग चल रही है, जल्द ही यह अपनी पूर्ण क्षमता से काम करना शुरू कर देगा। ऐसा होने पर बारिश, सर्दी, गर्मी, शीतलहर और लू सभी का पूर्वानुमान अधिक प्रामाणिक ढंग से तैयार हो सकेगा। गौरतलब है कि फिलहाल दिल्ली और एनसीआर के दर्जनभर शहरों का मौसम पूर्वानुमान जारी करने के लिए लोधी रोड और पालम में मौसम विभाग के दो राडार लगे हुए हैं। ये दोनों ही राडार काफी पहले से हैं और 300-300 किमी तक की रेंज तक मौसमी गतिविधियों को रिकार्ड करते हैं। अब एक नया राडार आया नगर में लगाया गया है।

इसमें ताजा अपडेट यह है कि राडार स्थापित हो गया है और अब इसकी टेस्टिंग चल रही है। मौसम विभाग के मुताबिक नया राडार एक्स बैंड-वेब लिंक फ्रीक्रेंसी सुविधा वाला है। इस राडार की रेंज हालांकि एक सौ किमी तक ही है, लेकिन मौसमी गतिविधियों की रिकार्डिंग क्षमता अत्याधुनिक है। ऐसे में तीन तीन राडारों की मदद से दिल्ली एनसीआर के सभी क्षेत्रों के लिए अधिक माइक्रो लेवल तक पूर्वानुमान जारी किया जा सकेगा। मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) के महानिदेशक डा. एम महापात्रा ने बताया कि मौसम पूर्वानुमान पहले की तुलना में अब 80 फीसद तक सटीक होने लगे हैं।

राकेश टिकैत ने एक बार फिर सरकार को धमकाया बोले आंख खोलकर देख लें

नई दिल्ली । भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने एक बार फिर सरकार को धमकाया है। अपने ट्विटर हैंडल पर उन्होंने लिखा कि सरकार आंख खोलकर देख लें, जब तक कृषि कानूनों की वापसी नहीं होगी और एमएसपी की गारंटी नहीं मिलेगी तब तक किसानों की घर वापसी नहीं होगी। उन्होंने ट्वीट किया है कि मुठ्ठी भर किसान, कुछ राज्यों का आन्दोलन बताने वाले आंख खोलकर देख ले कि किसानो के आव्हान पर आज पूरा देश ञभारतङ्बंद का समर्थन कर रहा है, बिना किसी दबाव व हिंसा के ऐतिहासिक #BharatBand जारी है। एक दूसरे ट्वीट में उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के आवाहन पर देशभर में भारत बंद को मिला अभूतपूर्व समर्थन। इसी के साथ उन्होंने नागरिकों को हो रही परेशानी के लिए क्षमा भी मांगी और लिखा कि किसान भी 10 महीने से झेल रहे हैं तमाम परेशानियां, किसानों द्वारा आक्समिक वाहनों को निकलवाने व यात्रियों हेतु पानी चाय दूध के बेहतर इंतजाम किए गए हैं।

अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष अशोक धवले ने भी ट्वीट करके कहा कि भारत बंद को पिछले कई सालों में इतना समर्थन कभी नहीं मिला था, 25 से ज़्यादा राज्यों में बंद कामयाब हुआ है। जब तक किसान विरोधी कानून वापस नहीं लिए जाते और MSP की गारंटी देने वाला केंद्रीय कानून न हो, हम तब तक संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। भारत बंद को लेकर पूरे दिन इसी तरह से किसान संगठन और उनके नेता बंद को कामयाब और ऐतिहासिक बताते रहे।

राकेश टिकैत गाजीपुर बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन को शुरू से ही समर्थन कर रहे हैं। 26 जनवरी की घटना के बाद गाजीपुर बॉर्डर पर भी किसानों के आंदोलन पर असर पड़ा था मगर धीरे-धीरे चीजें सामान्य हो गई। वैसे शुरू में किसानों के धरना स्थल पर जितनी भीड़ थी वो अब दिखाई नहीं देती है। धरना स्थलों पर तमाम तरह के इंतजाम भी कम हो चुके हैं पहले जहां खाने और अन्य चीजों की वीआइपी व्यवस्था की गई थी, वो सब अब नहीं देखने को मिलती है। किसानों की संख्या भी कम हो गई है सो अलग।

संपादकीय

पहले छोटे बच्चे क्यों जाएं स्कूल

भारत दुनिया के उन चंद देशों में शुमार है, जहां कोविड-19 महामारी के दौरान सबसे लंबे समय के लिए स्कूल-कॉलेज बंद रहे हैं और सबसे अंत में स्कूलों को खोलने की कवायद की जा रही है। हालांकि, काफी जद्दोजहद के बाद बेशक कुछ राज्यों ने स्कूल खोलने की शुरुआत की है, लेकिन यह प्रक्रिया काफी धीमी नजर आ रही है और इसमें कई किंतु-परंतु हैं। राज्यों के स्कूल खोलने संबंधी फैसले महामारी विज्ञान से मिली सीख के बजाय, व्यक्तिगत राय और 'व्यावहारिक बुद्धि' से कहीं अधिक प्रभावित नजर आते हैं। मसलन, वैज्ञानिक साक्ष्य बता रहे हैं कि प्राथमिक विद्यालय सबसे पहले खोले जाने चाहिए, जबकि अपने यहां कमोबेश सभी राज्य इसके उलट रास्ते पर चल रहे हैं। वे बड़ी कक्षाओं को पहले शुरू कर रहे हैं, और प्राथमिक कक्षाएं सबसे अंत में। आइए समझते हैं कि आखिर क्यों प्राइमरी स्कूलों को सबसे पहले खोलना चाहिए? दुनिया भर से उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि सभी आयु समूहों के लिए स्कूल खोल देने चाहिए, क्योंकि बच्चों में कोरोना का जोखिम भले ही वयस्कों के समान होता है, लेकिन वयस्कों की तुलना में उनमें मध्यम से गंभीर बीमारी का खतरा नगण्य होता है। इसकी वैज्ञानिक वजह यह है कि बच्चों में एसीई-2 रिसेप्टर्स (कोरोना वायरस के फेफड़ों में प्रवेश करने में मददगार) पूरी तरह से विकसित नहीं होता। अतः बच्चे संक्रमित होने के बावजूद गंभीर रूप से बीमार नहीं पड़ते। इसके अलावा, तमाम तरह के ऐसे सुबूत भी मौजूद हैं, जो बताते हैं कि स्कूलों के खुलने से बच्चों में संक्रमण का खतरा नहीं बढ़ता। स्कूल 'सुपर-स्प्रेडिंग' (जहां से अप्रत्याशित रूप से अत्यधिक आबादी के संक्रमित होने का खतरा हो) नहीं होते, और व्यक्तिगत रूप से सीखने के लाभ भी कहीं अधिक हैं, इसीलिए जुलाई 2021 तक दुनिया के 175 से भी अधिक देशों में स्कूल खुल गए थे। और, ये स्कूल तब खुले, जब 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए दुनिया में कहीं भी टीकाकरण की शुरुआत नहीं हुई है।

इसके उलट, अपने यहां कई लोग यह तर्क दे रहे हैं कि बच्चों को स्कूल तभी भेजना चाहिए, जब उनको टीका लग जाए। जबकि विश्व के तमाम विशेषज्ञ यही बताते हैं कि स्कूल खोलने के लिए टीकाकरण कोई शर्त नहीं होनी चाहिए। 12 से 17 वर्ष के बच्चों को अगर कुछ देशों में टीके दिए भी जा रहे हैं, तो उनके जोखिम और दूसरी अन्य बीमारियों से उनके ग्रसित होनेके कारण। वास्तव में, बच्चों में कोरोना का खतरा स्वाभाविक रूप से कम होता है। वैश्विक आयुवार डाटा के मुताबिक, मध्यम से गंभीर बीमारी की आशंका और मृत्यु दर अंग्रेजी वर्णमाला के 'जे' जैसा घुमावदार होती है। इस वक्र में जन्म से 18 वर्ष के सभी बच्चों में वयस्कों की तुलना में काफी कम खतरा होता है। साथ ही, 10 साल के बच्चे 'जे' का सबसे निचला हिस्सा बनाते हैं, जिन पर खतरा सभी आयु समूहों में सबसे कम होता है। इसके बाद, हर बदलते साल में जोखिम दोनों दिशाओं में बढ़ती जाती है- नौ साल से नीचे नवजात तक, साथ-साथ 11 साल से ऊपर जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है। इस तरह, जो बच्चे प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में हैं, यानी छह से 14 आयु वर्ग के बच्चे 'जे' वक्र के आधार के आसपास के हैं, उन्हें कोरोना का खतरा सबसे कम है।

फिर, हमें बच्चों की पठन-पाठन की जरूरतों का भी ख्याल रखना चाहिए। जो बच्चे प्राथमिक स्कूलों, खासतौर से पहली या दूसरी कक्षा में हैं, अभी-अभी स्कूली शिक्षा में शामिल हुए हैं और वर्णमाला या अंक सीख रहे हैं, उन्हें कहीं अधिक व्यक्तिगत मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। इन बच्चों को बहुत सीमित समय तक कंप्यूटर अथवा मोबाइल स्क्रीन पर काम करने की सलाह भी विशेषज्ञ देते हैं। हां, सीनियर क्लास के बच्चों में पढ़ने-सीखने की क्षमता इतनी होती है कि वे खुद से अध्ययन कर सकें और उनका 'स्क्रीन टाइम' भी ज्यादा रखा जा सकता है। हमें समझना होगा कि शुरुआती वर्षों में ही यदि शिक्षा में कोई रुकावट आ जाए, तो उसका असर लंबे समय तक बना रहता है। इन वर्षों में 'लॉस ऑफ लर्निंग' यानी सीखने के नुकसान का मतलब है, बाद की कक्षाओं में बच्चों में उस स्तर की समझ का न बनना, जितनी उन्हें जरूरत होती है। नतीजतन, वे समझ के स्तर पर पिछड़ सकते हैं और पढ़ाई-लिखाई से तौबा कर सकते हैं। इसलिए आरंभिक कक्षाओं के बच्चों की स्कूल में वापसी को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अगर इस पर अब भी ध्यान नहीं दिया गया, तो जेंडर, सामाजिक-आर्थिक हैसियत और भौगोलिक क्षेत्रों के कारण पहले से मौजूद शैक्षणिक असमानता इस 'लर्निंग लॉस' से कहीं अधिक गहरी हो जाएगी।

शिक्षा के निजी और सामाजिक, दोनों तरह के फायदे हैं। अच्छी नौकरी और पारिवारिक आय में वृद्धि जैसे इसके निजी लाभ हैं, तो कार्य-कुशल श्रम-बल, कार्य उत्पादकता में वृद्धि और राष्ट्र की आर्थिक प्रगति में योगदान जैसे इसके सामाजिक लाभ भी हैं। महामारी के दौरान स्कूलों के बंद होने का असर तो आने वाले वर्षों में पता चलेगा, लेकिन यदि इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया, तो लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और जीडीपी विकास में तेजी लाने के भारत के प्रयासों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। जाहिर है, स्वास्थ्य और शिक्षा, दोनों नजरिए से देखें, तो महामारी का सबसे ज्यादा नुकसान उन्हें (बच्चों को, विशेषकर प्राथमिक स्कूल के विद्यार्थियों को) होने जा रहा है, जिन पर महामारी का खतरा सबसे कम है। भारत ने कोविड-19 से संबंधित फैसले लेने में डाटा, विज्ञान और महामारी विज्ञान के अनुभवों के इस्तेमाल के कई मौके गंवाए हैं। मगर हमारे नीति-नियंता चाहें, तो स्कूलों को खोलने के फैसले में इनका सार्थक उपयोग कर सकते हैं। क्या वे इसके लिए तैयार हैं?

प्रवीण कुमार सिंह

सवालों के घेरे में प्रतियोगी परीक्षाएं, कोचिंग और ट्यूशन संस्कृति पर लगनी चाहिए लगाम

शिक्षा बोर्डो यानी सरकारों के लिए ऐसे आनलाइन पोर्टल खड़ा करना कोई बड़ी बात नहीं। सरकारों को उन शिक्षकों पर पाबंदी भी लगानी चाहिए, जो प्राइवेट कोचिंग या ट्यूशन देते हैं। वास्तव में शिक्षकों पर ही यह दारोमदार डाला जाना चाहिए कि वे कमजोर छात्रों को स्कूलों में ही कोचिंग पढ़ाएं। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि शिक्षा संस्थानों में इंजीनियरिंग, मेडिकल और एमबीए की सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि एक तो छात्र उच्च शिक्षा पाने के लिए विदेश जाने को मजबूर न हों और दूसरे आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को बराबर अवसर मिल सके।

पिछले दिनों तमिलनाडु विधानसभा ने इस आशय का प्रस्ताव पारित किया कि राज्य मेडिकल और डेंटल कालेजों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली परीक्षा नीट से बाहर हो जाएगा। तमिलनाडु सरकार ने यह कह कर नीट का विरोध किया कि इस परीक्षा में बैठने वाले अधिकतर छात्र शहरी क्षेत्रों से आते हैं और जब वे डाक्टर बनते हैं तो ग्रामीण क्षेत्रों में जाने में आनाकानी करते हैं। तमिलनाडु में नीट के असर का अध्ययन करने के लिए एक कमेटी भी बनी थी, जिसने यह इंगित किया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में डाक्टरों की संख्या गिर रही है। इस कमेटी का यह भी कहना था कि अगर कुछ साल और नीट की व्यवस्था लागू रही तो राज्य में स्वास्थ्य ढांचा चरमरा जाएगा और ग्रामीण इलाकों के सरकारी अस्पतालों के लिए डाक्टर कम पड़ने लगेंगे।

नीट के मामले में यह भी सामने आया कि इस परीक्षा में बैठने वाले कुछ छात्रों की जगह कोई और परीक्षा दे रहे थे। ऐसे मामले अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी देखने को मिलते रहे हैं। जब ऐसा होता है तो परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजित होने के पक्ष में तमाम तर्क हैं। सबसे बड़ा यह है कि एक ही परीक्षा के जरिये छात्रों को देश भर के कालेजों में दाखिला मिल जाता है और उन्हें अलग-अलग परीक्षा देकर समय और संसाधन नहीं जाया करना पड़ता, लेकिन इन परीक्षाओं में जिस तरह अनुचित साधनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है अथवा प्रश्न पत्र लीक कराए जा रहे हैं, वह ठीक नहीं।

अपने देश में इंजीनियरिंग हो या मेडिकल या फिर एमबीए, इनकी सीटें 10वीं-12वीं में पढ़ने वाले छात्रों की तुलना में बहुत कम हैं। यही स्थिति विश्वविद्यालयों की सीटों की भी है। दिल्ली सरीखे विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने के लिए कटआफ अंक

100 प्रतिशत तक पहुंच रहे हैं। यह एक बहुत बड़ी विडंबना है। उच्च शिक्षा के लिए बेहतर कालेजों में दाखिला पाने के लिए छात्र जी जान लगा देते हैं। वे अपने अभिभावकों के मार्गदर्शन में बचपन में ही यह ठान लेते हैं कि आगे चलकर उन्हें क्या बनना है। इनमें से जिन छात्रों को बेहतर कालेजों में दाखिला नहीं मिल पाता, उनमें से कई विदेश के विश्वविद्यालयों में दाखिला ले लेते हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की हानि होती है, बल्कि तमाम मेधावी छात्र वापस लौट कर नहीं आते। वे विदेश में ही नौकरियां या बिजनेस करने लगते हैं। यह स्थिति हाल-फिलहाल बदलती हुई नहीं दिखती।

विश्वविद्यालयों या फिर मेडिकल, इंजीनियरिंग और प्रबंधन के शिक्षण संस्थानों में दाखिला पाने की होड़ छात्रों के लिए तनाव का भी कारण बनती है। वे एक मशीन की तरह प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने के लिए जी जान से जुटे रहते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने की जो होड़ है, वह छात्रों पर अत्यधिक मानसिक दबाव बना रही है। कई छात्र इस दबाव को सहन नहीं कर पाते और कुछ तो आत्महत्या तक कर लेते हैं। यह स्थिति भारत के भविष्य के लिए ठीक नहीं है।

अपने देश में तमाम छात्र कोचिंग का सहारा लेते हैं। इसके चलते देश में एक कोचिंग उद्योग खड़ा हो गया है। यह उद्योग इसलिए भी खड़ा हो गया है, क्योंकि 10वीं-12वीं की पढ़ाई का स्तर ऐसा नहीं कि छात्र बिना कोचिंग का सहारा लिए प्रतियोगी परीक्षाएं पास कर सकें। आखिर 10वीं-12वीं की पढ़ाई का स्तर ऐसा क्यों नहीं हो पा रहा है कि छात्रों को कोचिंग का सहारा न लेना पड़े? हालांकि नई शिक्षा नीति में कोचिंग संस्कृति को हानिकारक बताते हुए उसे हतोत्साहित करने पर बल दिया गया है, लेकिन देखना है कि ऐसा हो पाता है या नहीं?

तकनीक के चलन के साथ देश में ट्यूशन या कोचिंग को और सुगम बनाने के लिए अब आनलाइन कोर्स का एक बड़ा बाजार तैयार हो गया है। इन आनलाइन एजुकेशन कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन अरबों रुपये में है। हालांकि आनलाइन कोर्स ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी पढ़ सकते हैं, पर वे सबकी पहुंच में नहीं हैं, क्योंकि उन्हें पढ़ने के लिए इंटरनेट तथा ब्राडबैंड की आवश्यकता पड़ती है। स्पष्ट है कि समर्थ अभिभावक ही अपने बच्चों को आनलाइन कोर्स करवा पाते हैं। कोविड के इस दौर में यह बात सामने आई कि सरकारी स्कूलों और यूनिवर्सिटी की आनलाइन पढ़ाई में गरीब और ग्रामीण छात्र पिछड़ गए।

तमिलनाडु सरकार ने नीट के मामले में जो तर्क दिए, वे अन्य प्रदेश भी दे सकते हैं। भारत में निजी कालेजों में मेडिकल की पढ़ाई करने में करोड़ों रुपये लग जाते हैं। इतना पैसा व्यय करने के बाद डाक्टरों में समाज सेवा का भाव कम हो जाता है। वे पैसा कमाने की होड़ में लग जाते हैं। इन सबको देखते हुए कोचिंग और ट्यूशन संस्कृति पर लगाम लगनी चाहिए। आखिर ऐसा क्यों नहीं हो सकता कि प्रत्येक बोर्ड के स्कूल पठन-पाठन के साथ परीक्षा की गुणवत्ता का स्तर बढ़ाएं, ताकि 12वीं के अंकों के आधार पर ही छात्रों को आगे की कक्षाओं में प्रवेश मिल सके। क्या नई शिक्षा नीति उस चलन पर रोक लगाने में सक्षम होगी, जिसके कारण 10वीं-12वीं में छात्र 100 में 98-99 अंक लाने में समर्थ हो जा रहे हैं? स्कूलों को यह भी देखना होगा कि वे हर छात्र की मेधा का सही आकलन करने में समर्थ रहें। शिक्षकों पर यह दारोमदार होना चाहिए कि वे हर छात्र की मेधा तराशें। नई शिक्षा नीति से ऐसा होने की उम्मीद तो है, लेकिन वह पूरी होगी या नहीं, यह कहना कठिन है।

सरकारों को इससे चिंतित होना चाहिए कि आनलाइन कोचिंग का बाजार न केवल बढ़ रहा है, बल्कि महंगा होता जा रहा है। यदि हर शिक्षा बोर्ड स्वयं के आनलाइन पोर्टल चलाएं और वे सहज सुलभ हों तो छात्रों को प्राइवेट ट्यूशन-कोचिंग की जरूरत ही न पड़े। शिक्षा बोर्डो यानी सरकारों के लिए ऐसे आनलाइन पोर्टल खड़ा करना कोई बड़ी बात नहीं। सरकारों को उन शिक्षकों पर पाबंदी भी लगानी चाहिए, जो प्राइवेट कोचिंग या ट्यूशन देते हैं। वास्तव में शिक्षकों पर ही यह दारोमदार डाला जाना चाहिए कि वे कमजोर छात्रों को स्कूलों में ही कोचिंग पढ़ाएं। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि शिक्षा संस्थानों में इंजीनिरिंग, मेडिकल और एमबीए की सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि एक तो छात्र उच्च शिक्षा पाने के लिए विदेश जाने को मजबूर न हों और दूसरे आर्थिक रूप से कमजोर एवं ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को बराबर अवसर मिल सके।

राजनीति को साधने का फार्मूला, पॉलिटिक्स से संन्यास लेकर उसे त्याग पाना दुष्कर

छक्कन गुरु राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी रहे हैं। कहते हैं, समय किसी को भी क्षमा नहीं करता। एक दिन छक्कन गुरु को भी ढक्कन होना पड़ गया। एक लंबी राजनीतिक पारी खेलने के बाद जब छक्कन गुरु घिसने लग गए और उनके कारनामों के बरतन की कलई खुलने लग गई, तब उन्होंने अचानक एक दिन संन्यास लेने की घोषणा कर दी। वह राजनीति को पूर्णरूपेण 'छोड़ने' की घोषणा भी कर सकते थे, लेकिन यह उनके स्वभाव के सर्वथा प्रतिकूल होता। छक्कन गुरु ने अपने राजनीतिक करियर में 'लेना' और 'ग्रहण करना' ही सीखा था। लेने के नाम पर सरकारी सुविधाएं और ग्रहण करने के नाम पर शपथ-ग्रहण उन्हें ताउम्र प्रिय रहे। कहा जाता है कि संन्यास लेकर राजनीति में आना संभव है, किंतु राजनीति से संन्यास लेकर उसे त्याग पाना दुष्कर ही नहीं, असाध्य भी है जिस प्रकार क्रिकेट से संन्यास के बाद कुछ खिलाड़ी कोच, कमेंट्रेटर, अंपायर वगैरह बन लेते हैं, उसी प्रकार राजनीति का त्याग करने की घोषणा के बावजूद कुछ नेता अपने मूल चरित्र से चाहकर भी मुंह नहीं मोड़ पाते और कुछ न बन पाएं तो दूसरों के खेल को बिगाड़ने में लगे रहते हैं।

छक्कन गुरु ने भले ही घोषित तौर पर राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा कर दी हो, लेकिन परदे के पीछे से रणनीति बनाने में अब भी उनका कोई तोड़ नहीं है। हां, उनके लिए यह एक बात अच्छी हो गई है कि अब वह पार्टीलाइन से हटकर दूसरे राजनीतिक दलों को भी यदा-कदा अपने अनुभव के पुण्य प्रसाद से लाभान्वित करते देखे जा सकते हैं। उन्हें इसका प्रत्यक्ष लाभ यह हुआ है कि सरकार किसी भी दल की हो, छक्कन गुरु का कोई काम कभी भी नहीं अटकता। वसुधैव कुटुंबकम की तर्ज पर उनके उदार चित्त के अनंत आकाश में 'सर्वदल कुटुंबकम' के भाव सदैव मेघों की मानिंद उमड़ते-घुमड़ते रहते हैं और उनकी बूंदों से राजनीति के खेतों में नई संभावनाएं फसल बनकर अंकुरित होती रहती हैं।

जब अयोध्या में राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन हुआ और उसका सारा श्रेय एक पार्टी के खाते में जाता दिखलाई पड़ा तो कई दलों को अपने जनाधार की नींव साक्षात खुदती हुई दिखलाई पड़ने लग गई। वे सब छक्कन गुरु के पास भागते हुए पहुंचे। छक्कन गुरु ने कोरोना का बहाना बनाते हुए उन सबसे मिलने से इन्कार कर दिया। समझदार व्यक्ति की यही पहचान हुआ करती है। जब भी कोई अपने काम से मिलने आए, उसको 'अभी घर पर नहीं हैं' का बहाना बनाकर चार चक्कर लगवाने से स्वयं का महत्व स्थापित होता है। कुछ आला अफसर भी इसमें निपुण हुआ करते हैं।

छक्कन गुरु जब सक्रिय राजनीति में थे, तब की बात और थी। जो कोई भी उनके दरवाजे पर आ जाता, उससे तुरंत भेंट किया करते थे। काम पूछते थे। कागज लेते थे और आश्वासन देते थे। कभी-कभार किसी का काम भी करा दिया करते थे। छक्कन गुरु ने अमोघ फार्मूला निकाला। उनके पास विपक्षी दलों की चिंता की काट मिल चुकी थी। उन्हें पता था कि आज की राजनीति में कोई भी दल अपने को जातिवादी नहीं कहता है, लेकिन सभी जाति की राजनीति करते हैं। छक्कन गुरु ने एक-एक कर सभी छोटे-बड़े दलों के नेताओं को फोन किया। उनसे सदेह न मिल पाने के लिए क्षमा मांगी और उनके आने का मंतव्य पूछा, जिसका समाधान वह पहले से ही सोचे पड़े थे। उन्होंने एक पार्टी को मूर्ति की स्थापना की घोषणा करने की सलाह दी तो दूसरी पार्टी को पहली से भी ऊंचे कद की प्रतिमा लगाने की घोषणा के लिए राजी किया। उन्होंने तीसरे दल को इन दोनों में संतुलन बनाने के लिए कहा। साथ में यह भी समझा दिया कि लोकतंत्र में वोटबैंक को साधना ही सच्ची साधना होती है। बैंक से लोन लेकर मौज-मस्ती करनी हो तो विदेश भागना पड़ता है, लेकिन वोटबैंक के जरिये अर्जित संपत्ति से देश में रहकर ही सारे सुख लूटे जा सकते हैं। जब तक छक्कन गुरु जैसे घाघ रणनीतिकार रहेंगे, राजनीति के गर्भ से एक से बढ़कर एक प्रतीक पुरुष बाहर आते रहेंगे।

कितनी शुद्ध हो हवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी एयर क्वॉलिटी गाइडलाइंस में बदलाव लाते हुए हवा की शुद्धता के मानकों को और सख्त बना दिया है। डब्ल्यूएचओ के पुराने मानक 2005 में तय हुए थे। निश्चित रूप से इन 16 वर्षों में दुनिया ने काफी बदलाव देखे, लेकिन जहां तक डब्ल्यूएचओ के मानकों को लागू किए जाने का सवाल है, तो उस मोर्चे पर हालात संतोषजनक नहीं रहे। खुद डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के मुताबिक, 2019 में दुनिया की 90 फीसदी आबादी ऐसी हवा में सांस ले रही थी, जो इसके 2005 के मानकों के मुताबिक हानिकारक थी।

ऐसे में यह सवाल पूछा जा सकता है कि जब पिछले मानक ही ढंग से लागू नहीं हो पाए हैं तो उन्हें अच्छी तरह लागू करने के बजाय मौजूदा मानकों को और कड़ा बनाने का भला क्या मतलब? क्या इससे यह खतरा नहीं है कि कुछ देश इतना पीछे छूट जाएं कि उनमें इन मानकों को लागू करने का संकल्प ही कमजोर पड़ने लगे? ऐसी आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन यह समझना होगा कि पर्यावरण की लगातार बिगड़ती दशा एक ऐसी चुनौती बन गई है, जिससे पूरी ताकत से निपटने के सवाल पर किसी भी तरह के किंतु-परंतु के लिए कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। चाहे जैसे भी हो, पर्यावरण को बेहतर बनाने वाले कदम हमें उठाने ही होंगे।

डब्ल्यूएचओ द्वारा एयर क्वॉलिटी गाइडलाइंस में किए गए ताजा बदलाव भी कानूनी तौर पर बाध्यकारी नहीं हैं, लेकिन इनसे सभी देशों को यह संदेश जरूर जाएगा कि हवा में प्रदूषण कम करने के लिए सख्त कदम उठाना उनके लिए कितना जरूरी हो गया है। आज भी दुनिया में हर साल करीब 70 लाख मौतें खराब हवा में सांस लेने की वजह से हो रही हैं। मगर सवाल सिर्फ इन मौतों का या इस वजह से होने वाली बीमारियों का नहीं है। डब्ल्यूएचओ ने हवा में जिन पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे खतरनाक अवयवों को कम करने का आग्रह नए मानकों के जरिए किया है, उनका मुख्य स्रोत कोयला, पेट्रोल जैसे खनिज ईंधन का उपयोग है। इन ईंधनों के उपयोग में कमी से से जहां हवा का प्रदूषण कम होगा, वहीं जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर भी राहत मिलेगी। यानी ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन से ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते विनाशकारी गतिविधियों का जो चक्र घूमना शुरू हो चुका है, उसकी गति भी कुछ नियंत्रित हो सकती है। मगर यह सब निर्भर करता है इस बात पर कि डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों को विभिन्न देश कितनी गंभीरता से लेते हैं। भारत भी उन देशों की सूची में है, जो इन सिफारिशों को लागू करने में बहुत पीछे है। ऐसे में इन मानकों को रातोंरात लागू करने की खुशफहमी पालने के बजाय हमें अपने मानकों को जल्द से जल्द लागू करने और उन्हें बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

जेएनयू में आतंकवाद पाठ्यक्रम का विरोध कर रहा वामपंथी झुकाव वाला तबका

जेएनयू में स्कूल आफ मेडिसिन के तहत भविष्य के लिए ऐसी संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं जहां आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और प्राचीन उपचार पद्धतियों का एकीकरण किया जा सके। साथ ही आइसीएमआर और एम्स के सहयोग से दुर्लभ बीमारियों से जुड़े उत्कृष्ट शोध संस्थान स्थापित करने की भी तैयारी है। स्पष्ट है कि जेएनयू का नया अकादमिक विस्तार जारी है, जो वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई सोच के अनुरूप ही है। ऐसे में अकादमिक स्तर पर देश के अन्य शिक्षण संस्थानों को प्रेरित करने के लिए जेएनयू के पास काफी कुछ है और आतंक विरोधी पाठ्यक्रम निश्चित तौर पर उनमें से एक है। वास्तव में यह जेएनयू का अनुसरण करने का समय है।

भारत पूरे विश्व में आतंकवाद का बड़ा भुक्तभोगी रहा है। ऐसे में यदि कोई भारतीय विश्वविद्यालय अपने छात्रों को आतंकवाद जैसे विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना चाहता हो, तो भला इसमें क्या हर्ज हो सकता है? आतंकवाद इस दौर की ऐसी चुनौती है, जिससे विश्व के सभी लोकतंत्र जूझ रहे हैं। यह चुनौती बहुत जटिल भी है, क्योंकि इससे निपटने के लिए लोकतांत्रिक देशों को संवैधानिक दायरे में बड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इसकी गंभीरता को देखते हुए ही जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की अकादमिक परिषद ने तीन नए पाठ्यक्रम आरंभ करने का निर्णय लिया है। काउंटर टेररिज्म यानी आतंक विरोधी, प्रमुख शक्तियों के बीच सहयोग के लिए असममित संघर्ष एवं रणनीतियांः 21वीं सदी में भारत का उभरता वैश्विक दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सूचना एवं प्रौद्योगिकी की महत्ता जैसे ये पाठ्यक्रम स्कूल आफ इंजीनियरिंग के पांच वर्षीय डुअल कार्यक्रम के अंतिम और पांचवें वर्ष में पढ़ाए जाएंगे। ये तीनों विषय बहुत महत्वपूर्ण हैं। चार वर्षीय बी टेक पाठ्यक्रम के बाद ये छात्र एक वर्षीय एमएस पाठ्यक्रम में इंजीनियरिंग के अलावा सामाजिक विज्ञान, भाषाएं, अंतरराष्ट्रीय संबंध और प्रबंधन विज्ञान का अध्ययन करेंगे। इतनी अच्छी पहल के बावजूद काउंटर टेररिज्म पाठ्यक्रम का विरोध किया जा रहा है।

विरोध वही जाना-पहचाना वामपंथी झुकाव वाला तबका कर रहा है। वे नहीं चाहते कि जेएनयू उच्च शिक्षा में नवोन्मेषी केंद्र के रूप में उभरे और न ही नए भारत की आवश्यकता के अनुरूप नवीन पाठ्यक्रम बनाए। जबकि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के

अनुरूप ही है, जिसमें अंतर-अनुशासन और समग्र शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर है। वस्तुतः छात्रों को अपने मूल विषय में रुचि बनाए रखते हुए अन्य विषयों में भी महारत हासिल करने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे में इन तीन कल्पनाशील पाठ्यक्रमों के रूप में जेएनयू ने एक बहुत सराहनीय पहल की है। इससे मानविकी और विज्ञान के बीच लंबे अरसे से बनी दीवार भी ध्वस्त हो जाएगी। वहीं छात्रों को व्यापक विकल्प मिलेंगे और वे अपनी डिग्री को और उपयोगी बना सकेंगे।

जिस काउंटर टेररिज्म पाठ्यक्रम को लेकर कुछ तबकों द्वारा विरोध किया जा रहा है वह विषय तो वास्तव में देश के अन्य विश्वविद्यालयों में भी पढ़ाया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि वैश्विक ढांचे में भारत की बड़ी विशिष्ट स्थिति है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने और अपनी विविधता पर गर्व करने वाले भारत पर यह विशेष दायित्व है कि देश में लोकतंत्र एवं विविधता खूब फले-फूले। यह तभी संभव है जब युवाओं को उन विचारधाराओं के प्रतिकार के लिए प्रशिक्षित किया जाए, जो देश की लोकतांत्रिक परंपराओं पर आघात करने में सक्षम हैं। इन पाठ्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जेएनयू के कुलपति डा. जगदीश कुमार ने बताया कि आतंकवाद के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न हो रही चुनौतियों और भारत के पड़ोस में बदल रही परिस्थितियों को देखते हुए जेएनयू जैसे संस्थान के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह आतंक विरोधी विशेषज्ञों की खेप तैयार करने में पहल करे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न आतंकी नेटवर्कों से जुड़ी गहन जानकारियां प्रदान करना है, ताकि उनके अनुसार, उनकी काट की जा सके। जेएनयू के कुलपति का नजरिया स्पष्ट है कि देश के पड़ोस में विरूपित विचारधारा के माध्यम से बढ़ती कट्टरता भारत के लिए बड़ी चिंता है, जिससे निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई केवल सुरक्षा एजेंसियों की ही नहीं है। दुनिया भर में आतंकी नेटवर्क नए लोगों को लुभाने के लिए जिस प्रकार तकनीक का सहारा ले रहे हैं, उसे देखते हुए विशिष्ट प्रकार के पाठ्यक्रमों की आवश्यकता है। इससे तकनीकी पृष्ठभूमि वाले छात्रों के लिए आतंक की राजनीति एवं समाजशास्त्र की समझ के साथ ही खुफिया जानकारियां इकट्ठा करने जैसे तमाम कौशल सीखने जरूरी हैं।

ऐसे में यह पहल पथ-प्रदर्शक है। यह बात और सुकून देने वाली है कि जो जेएनयू परिसर राष्ट्र विरोधी नारों के लिए बदनाम हुआ था वही अब समकालीन भारत के लिए प्रासंगिक पाठ्यकमों की शुरुआत कर रहा है। विभिन्न संस्थानों के माध्यम से जेएनयू तमाम पाठ्यक्रम संचालित करता आया है, लेकिन पिछले कई वर्षो से वहां मानविकी पर विशेष जोर रहा है। ऐसे में स्कूल आफ इंजीनियरिंग की स्थापना के रूप में एक बड़े बदलाव की शुरुआत हुई है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और मानविकी का मिश्रण बहुत बढ़िया है। साथ ही कौशल विकास पर विशेष ध्यान भी उल्लेखनीय है। उच्च शिक्षा को सार्थक बनाने की दिशा में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस आशय की अहम अनुशंसा की गई है। स्पष्ट है कि नए पाठ्यक्रमों का विरोध करने वाला वामपंथी तबका नई नीति के निहितार्थो को समझने में नाकाम रहा है। कई दशकों से यह तबका जेएनयू को अपनी थाती समझता आया है, किंतु अब उसकी पकड़ ढीली पड़ रही है। यही कारण है कि वह 2016 में जगदीश कुमार की नियुक्ति के समय से ही उन्हें निशाना बनाता आया है। चरमपंथी इस्लाम से वामपंथियों के जुड़ाव को देखते हुए आतंक विरोधी पाठ्यक्रम को लेकर उनके विरोध पर कोई हैरानी नहीं होती।

तमाम हमलों से विचलित हुए बिना डा. कुमार ने जेएनयू में सुधारों का सिलसिला जारी रखा है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय कंप्यूटर साइंस एवं समाजशास्त्र और आयुर्वेद एवं जीव विज्ञान के बीच कड़ियां जोड़ रहा है। आपदा प्रबंधन को समर्पित एक विशेष केंद्र बनाने की भी योजना है, जहां इंजीनियरिंग, मेडिसिन और अन्य संबंधित विधाओं के छात्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जेएनयू में स्कूल आफ मेडिसिन के तहत भविष्य के लिए ऐसी संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं जहां आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और प्राचीन उपचार पद्धतियों का एकीकरण किया जा सके। साथ ही आइसीएमआर और एम्स के सहयोग से दुर्लभ बीमारियों से जुड़े उत्कृष्ट शोध संस्थान स्थापित करने की भी तैयारी है। स्पष्ट है कि जेएनयू का नया अकादमिक विस्तार जारी है, जो वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई सोच के अनुरूप ही है। ऐसे में अकादमिक स्तर पर देश के अन्य शिक्षण संस्थानों को प्रेरित करने के लिए जेएनयू के पास काफी कुछ है और आतंक विरोधी पाठ्यक्रम निश्चित तौर पर उनमें से एक है। वास्तव में यह जेएनयू का अनुसरण करने का समय है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने गन्ना समर्थन मूल्य बढ़ाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताने के साथ रखी मांग

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी एक बार फिर किसानों के समर्थन में खड़े हो गए हैं। मुजफ्फरनगर में बीती पांच सितंबर को किसानों की महापंचायत में उमड़े लोगों को देखकर उन्होंने सरकार से किसानों की मांग पर ध्यान देने की सलाह देने के साथ सोमवार को फिर किसानों के हित की बात की। भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी किसानों के हित में सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र भी उसी समय लिख रहे हैं, जब किसानों की बड़ी सभा या फिर आंदोलन होता है। पांच सितंबर को मुजफ्फरनगर में किसानों की महापंचायत थी तो सोमवार को किसानों ने तीन कृषि कानूनों के विरोध में भारत बंद का आह्वान किया है। पीलीभीत से सांसद वरुण गांधी ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर गन्ना का समर्थन मूल्य बढ़ाने के साथ ही उनके सामने बड़ी मांग भी रख दी है। उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को दो पन्ने का पत्र भी लिखा है। इस बाबत उन्होंने एक ट्वीट भी किया। उन्होंने ट्वीट में लिखा की उत्तर प्रदेश में आगामी पेराई सत्र में गन्ने का रेट 350 प्रति क्विंटल घोषित करने के लिए योगी जी का आभार। आगे लिखा कि मेरा निवेदन है कि कृपया इस पर पुनर्विचार कर बढ़ती लागत व महंगाई के अनुरूप 400 रुपए प्रति क्विंटल का रेट घोषित करें। इसके साथ ही सरकार की ओर से 50 रुपया प्रति क्विंटल का बोनस घोषित रेट के ऊपर अलग से देने की कृपा करें। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने साथ ही लिखा कि इसका दाम 400 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए, इसलिए किसानों की मांग देखते हुए और बढोतरी की जाए। किन्हीं कारणों से यदि ऐसा न हो सके तो प्रति क्विंटल 50 रुपये की दर से बोनस देने की व्यवस्था करा दें। खाद, बीज, डीजल, बिजली आदि महंगी होने से लागत ज्यादा हो गई है। किसानों की स्थिति दयनीय बताते हुए उनके हित में विचार करने का आग्रह किया।

आरा में दिनदहाड़े अपराधियों ने व्यवसायी और वकील को मारी गोली, बाल-बाल बचा ठीकेदार

आरा । बिहार के आरा में बेखौफ अपराधियों ने वर्दीवालों की खुली चुनौती दी है। आरा में अपराधियों ने दिनदहाड़े दो लोगों की गोली मार दी है। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा-बड़हरा पथ पर बिराहिमपुर-करजा पुल के समीप सोमवार की दोपहर बाइक सवार हथियारबंद अपराधियों ने मछली व्यवसायी समेत दो को गोली मार दी। जिसमें मछली व्यवसायी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, उसका एक दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके अलावा बाइक चला रहा दोस्त बाल-बाल बच गया। हमलावर एक बाइक पर दो की संख्या थे। मृतक 35 वर्षीय किसान बिंद आरा टाउन थाना क्षेत्र के बिंद टोली मोहल्ला निवासी रामदेव बिंद का पुत्र बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक घायल युवक टाउन थाना क्षेत्र के बिंद टोली मुहल्ला निवासी रामनारायण यादव का पुत्र है। घायल पेशे से वकील बताया जाता है। इलाज शहर के बाबूबाजार स्थित निजी अस्ताल में चल रहा है। हमले में बाल-बाल बचा विनोद कुमार उजियार टोला मुहल्ला निवासी रामाधार का पुत्र है और पेशे से ठीकेदार है।

दिनदहाड़े अपराधियों ने मारी गोली -इधर, जख्मी मुन्ना यादव ने बताया कि वह अपने दोस्त किसान बिंद एवं विनोद ठीकेदार के साथ कोईलवर थाना क्षेत्र के गीधा ओपी अंतर्गत बीरमपुर (कृतपुरा) गांव में विनोद ठीकेदार की साइड पर गए थे।इसके बाद वे तीनों बाइक से मछली लेने बड़हरा थाना क्षेत्र के केशोपुर घाट पर गए। जब वे लोग मछली लेकर बाइक से वापस घर लौट रहे थे कि उसी दौरान बिराहिमपुर -करजा पुल के समीप दो बाइक पर सवार छह की संख्या में हथियारबंद बदमाश वहां आ धमके और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जिसमे गोली लगने से किसान बिंद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि विनोद ठेकेदार एवं मुन्ना यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गए।दोनों के इलाज के लिए शहर के बाजार स्थित निजी अस्पताल में ले गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है।हालांकि अपराधियों ने उन्हें गोली क्यों मारी इसका कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना की सूचना मिलते ही एएसपी सह सदर एसडीपीओ हिमांशु कुमार का कहना है कि मोटिव की तलाश की जा रही है। वैसे मछली व्यवसाय को लेकर विवाद की बात सामने आ रही है, लेकिन पुलिस हर बिन्दु पर जांच कर रही है।

अश्लील हरकतें करते पकड़े महिला और युवकों का पुलिस ने किया चालान

लक्सर (हरिद्वार)। नगर में एक लाज के निकट अश्लील हरकतें कर रहे दो युवक और एक महिला व लड़की को पुलिस ने पकड़ा। लड़की के नाबालिग होने पर उसे स्वजन के सुपुर्द कर दिया, जबकि दोनों युवक व महिला का चालान किया गया। कोतवाल प्रदीप चौहान ने बताया कि नगर के कोतवाली मोड़ के निकट स्थित एक लाज की दीवार के निकट महिला और पुरुषों के अश्लील हरकतें करने की सूचना मिली थी। सूचना पर एसआइ तनुजा शर्मा, कांस्टेबल अनुपमा, मनदीप नेगी और गौरव के साथ मौके पर पहुंची। मौके से एक लड़की, एक महिला और दो युवकों को पकड़ लिया। लड़की के नाबालिग होने पर उसे स्वजन को कोतवाली बुलाकर उनके सुपुर्द कर दिया गया, जबकि आरोपित महिला के अलावा दोनों युवक विक्रांत निवासी अकौढा और शिवम निवासी भट्टीपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनका चालान कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने तीन व्यक्तियों पर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास करने का आरोप लगाया। बताया कि उसके पड़ोसी सुमित, अंकित और अनिल उससे रंजिश रखते हैं। उसका मकान खाली करवाने के फिराक में रहते हैं। 11 सितंबर की शाम को वह बेटी के साथ घर पर थी, जबकि पति बाहर काम पर गए हुए थे। तभी तीनों आरोपित उसके घर में घुस आए। विरोध किया तो सुमित एवं अनिल ने उसके कपड़े फाड़ डाले। जबरन उसको एक कमरे में खींच ले गए। यहां पर अंकित ने दुष्कर्म का प्रयास किया। उसके लगातार शोर मचाने पर पड़ोसी मौके की ओर दौड़ पड़े। इसके बाद आरोपित मारपीट करते हुए उसको जान से मारने की धमकी देकर मौके से भागने में कामयाब रहे। 12 सितंबर को उसने पुलिस को सूचना दी। लेकिन, पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अदालत के आदेश पर पुलिस ने सुमित, अंकित और अनिल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पिथौरागढ़ में दो अलग-अलग दुर्घटना में एक छात्र और नेपाली की मौत

पिथौरागढ़ । रविवार की रात को दो अलग-अलग वाहन दुर्घटनाओं में एक छात्र और नेपाली की मौत हो गई। आठगांव शिलिंग मार्ग में ऐंचोली के निकट बाइक खाई में गिरी तो बिण में तेज रफ्तार से चल रही मोटर साइकिल सवार ने नेपाली बुजुर्ग को टक्कर मार दी। पहला मामला पिथौरागढ़ नगर के प्रवेश द्वार ऐंचोली के निकट का है। देर सायं एक मोटर साइकिल भैलोत से पिथौरागढ़ नगर की तरफ आ रही थी। मोटर साइकिल जब ऐंचोली राबाइंका के करीब पहुंची तो अनियंत्रित होकर गहरी खाई से होते हुए नीचे सड़क तक पहुंच गई। बाइक में सवार पवन मेहता 17 वर्ष पुत्र लाल सिंह निवासी बैड़ा पिथौरागढ़ और बाइक चला रहा उसका ममेरा भाई मुकेश 19 वर्ष पुत्र मोहन सिंह निवासी ऐंचोली गंभीर रूप से घायल हो गए। अंधेरा होने के कारण दुर्घटना का पता देर से चला और स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को निकाल कर जिला अस्पताल पहुंचाया।दोनों की हालत गंभीर बनी थी। जिला अस्पताल से दोनों को एसटीएच हल्द्वानी रेफर किया गया। एंबुलेंस के पहुंचते ही पवन मेहता ने दम तोड़ दिया। पवन अपने ननिहाल भैंतोत से अपने मामा के पुत्र के साथ बाइक से आ रहा था। वाहन मुकेश चला रहा था। मृतक पवन स्थानीय पीजी कालेज में बीए का छात्र है और घर का इकलौता चिराग था। उसकी एक बड़ी बहन है। इस घटना के बाद घर पर कोहराम मचा है। दुर्घटना में घायल मुकेश एसटीएच में भर्ती है। जहां उसे सोमवार को होश आया है। दूसरा मामला नगर के बिण क्षेत्र का है। जहां पर एक अज्ञात मोटर साइकिल ने मार्ग पर चल रहे नरेंद्र धामी उर्फ वीर बहादुर 55 वर्ष निवासी सैमवसेला सेती अंचल बजांग नेपाल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नेपाली को गंभीर चोट आ गई। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई ।

भाकियू भानु गुट के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने किसानों के भारत बंद को बताया आतंकी हरकत

लखनऊ । भारतीय किसान यूनियन के भारत बंद का उत्तर प्रदेश पर कोई खास असर नहीं दिख रहा है। गाजियाबाद को छोड़कर अन्य सभी शहरों में गतिविधियां सामान्य हैं। इसी बीच में इस बंद के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के भानु गुट ने राकेश टिकैत तथा भारत बंद कर रहे किसान नेताओं पर जमकर हमला बोला है। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि किसान नेताओं के इस भारत बंद से अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि क्या भारत बंद करके यह(राकेश टिकैत) अपनी आतंकवादी गतिविधियों को और बढ़ाना चाहते हैं। भानु प्रताप ने कहा कि आतंकी संगठन तालिबान ने अफगानिस्तान में कब्जा किया। लगता है कि राकेश टिकैट भी भारत में उस तरह की गतिविधियों को बढ़ाना चाहते हैं। इनकी सोच तो ठीक नहीं लगती है।

किसान यूनियनों के आज के भारत बंद को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पर निशाना साधते हुए बंद को तालिबानी कदम बताया है। भानु प्रताप ने कहा कि राकेश टिकैत खुद को किसान नेता कहते हैं और फिर भारत बंद की घोषणा करते हैं, जो अर्थव्यवस्था और किसानों को प्रभावित करता है। इससे किसी का भला भी कैसे होता है। वह इसी तरह की गतिविधियों को जारी रखते हुए तालिबान के नक्शे कदम पर चलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक, जिला, मंडल और प्रदेश के सभी पदाधिकारियों का आह्वान करता हूं कि भारत बंद का कोई सहयोग ना करे और इसका विरोध करें। ऐसे संगठन जो आतंकी गतिविधियों में शामिल हैं उनको सरकार दबाने की कोशिश करें।

भारतीय किसान यूनियन भानु गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहे राकेश टिकैत पर लगातार हमला बोलते रहते हैं। इससे पहले भी उन्होंने हमला बोला था। भानु प्रताप सिंह ने राकेश टिकैत को ठग बताया। उन्होंने कहा है कि राकेश टिकैत बिना ठगे कोई काम नहीं करते हैं। भानु प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि किसान आंदोलन कांग्रेस सरकार की फंडिंग से चल रहा है।

यह कोई पहली बार नहीं है जब उन्होंने टिकैत पर हमला बोला है। वह इससे पूर्व भी कई बार इस तरह के बयान दे चुके हैं। मार्च महीने में कि भानू प्रताप ने कहा था कि सिंघु बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर, टीकरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे संगठन कांग्रेस के खरीदे हुए और कांग्रेस के भेजे हुए थे। कांग्रेस इनको फंडिंग कर रही थी। इस बात का पता हमें 26 जनवरी को ही चल गया था। जब हमें मालूम पड़ा कि इन्होंने 26 जनवरी को पुलिस पर हमला किया और लाल किले पर दूसरा झंडा फहराया है। उसी दिन हमने अपना समर्थन वापस ले लिया और यह संकल्प लिया कि हम इनके साथ नहीं रहेंगे और हम आंदोलन खत्म कर वापस चले आए।

भानु प्रताप सिंह और उनका संगठन 26 जनवरी से पहले किसान आंदोलन में शामिल था। गणतंत्र दिवस की हिंसा के बाद भानु प्रताप सिंह इस आंदोलन से अलग हो गए। इसके बाद भानु प्रताप सिंह तो राकेश टिकैत पर लगातार हमला बोलते रहते हैं। भानु प्रताप सिंह ने कहा कि उन्हें आंदोलन स्थगित कर देना चाहिए। भानु प्रताप सिंह ने कहा कि जहां पर किसान एकत्र हैं वहां पर तो काजू, बादाम, पिस्ता, किशमिश और शराब की बोतल मिल रही है। असली किसान आंदोलन में नहीं है, वहां केवल शराब पीने वाले और नोट लेने वाले लोग हैं।

देश में केन्द्र सरकार के तीन लाए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लंबे समय से आंदोलन चल रहा है। इसका नेतृत्व राकेश टिकैत समेत दूसरे किसान संगठन कर रहे हैं। यह लोग कृषि कानूनों को रद करने के अलावा किसी और भी फैसले पर राजी नहीं हैं। किसानों के इस आंदोलन का 26 नवंबर 2021 को एक वर्ष पूरा होने वाला है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार 17 सितंबर 2020 को अध्यादेश पारित कर नए कृषि कानून लाई थी।

भाजपा ने संजय के तीर से निषादों पर साधा निशाना, पूर्वांचल की चार दर्जन से अधिक सीटों पर है नजर

गोरखपुर । विधानसभा चुनाव से पहले जातिगत समीकरण को अपने पक्ष में करने में जुटी भाजपा ने अपना वो दांव चल दिया, जिसको लेकर लंबे समय से कयासबाजी जारी थी। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा संजय निषाद को विधान परिषद भेजकर भाजपा ने उन विपक्षी दलों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है, जो निषादों के सहारे सत्ता में वापसी का सपना देख रहे थे। पूर्वांचल की चार दर्जन से अधिक सीटों पर प्रभाव रखने वाले निषाद फैक्टर को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा पहले ही रुद्रपुर विधायक जय प्रकाश निषाद को मंत्रिमंडल में जगह देने के साथ गोरखपुर के जय प्रकाश निषाद को राज्यसभा भेज चुकी है। अब निषादों में अपनी मजबूत पकड़ का दावा करने वाले डा. संजय को भी उच्च सदन में भेजकर भाजपा ने अपने पाले में कर लिया है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा जैसे सभी राजनीतिक दलों की खिलाफत करके निषादों के बीच अलग पहचान बनाने वाले डा संजय ने 2018 के लोकसभा उपचुनाव में भाजपा के खिलाफ सपा से हाथ मिला लिया। डा. संजय के बेटे प्रवीण ने सपा के टिकट पर भाजपा को उसके गढ़ गोरखपुर में ही मात देकर यह साबित कर दिया कि न केवल निषाद उनके साथ हैं बल्कि उनके नाम पर बाकी जातियों का समीकरण भी सेट हो सकता है।

इस जीत का श्रेय सपा खुद लेती इसके पहले ही संजय ने 2019 के आम चुनाव में पाला बदल लिया। सपा में टिकट बंटवारे को लेकर हुई खींचतान का फायदा उठाते हुए भाजपा ने लोकसभा चुनाव में उनके बेटे प्रवीण निषाद को करके संतकबीरनगर से प्रत्याशी बना दिया। प्रवीण ने एक बार फिर जीत हासिल की।

लगातार दो बार अपने बेटे को लोकसभा पहुंचाने वाले संजय ने इसके बाद से ही अपने लिए बड़े ओहदे की मांग तेज कर दी। भाजपा ने उनकी मांग पर निर्णय नहीं लिया तो सहयोगी होते हुए भी डा. संजय ने मंच और सड़क पर भाजपा के खिलाफ माहौल बनाना शुरू कर दिया। अपनी बात रखने के लिए उन्होंने दिल्ली जाकर शीर्ष नेतृत्व से भी मुलाकात की, जहां से आश्वासन मिलने के बाद ही वह शांत हुए।

सीएम योगी आदित्यनाथ का किसानों को बड़ा तोहफा, यूपी में गन्ना समर्थन मूल्य में 25 रुपये की बढ़ोतरी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश के किसानों को दो बड़े तोहफे दिए हैं। लखनऊ के डिफेन्स एक्सपो ग्राउंड वृंदावन क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भाजपा के किसान सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र के साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार सदैव से ही किसान व गरीब की हितैषी रही है। सभी योजनाएं किसानों के हित को ध्यान में रखकर तैयार भी की जाती हैं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि आज से हमने गन्ना का मूल्य भी बढ़ाने का फैसला किया है। अब जो गन्ना 325 रुपया प्रति क्विंटल खरीदा जाता है, वह 350 रुपया में खरीदा जाएगा। इसी तरह 315 वाले की कीमत 340 और 305 वाले की 330 रुपया मिलेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसानों के बिजली के बकाए बिल पर ब्याज भी माफ करने की घोषणा की।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब गन्ना किसानों को 325 की जगह 350 रुपये प्रति कुंतल के हिसाब से भुगतान किया जाएगा। अगेती गन्ने का मूल्य 325 से 350 प्रति क्विंटल किया गया है। सामान्य का 315 से 340 तथा अस्वीकृत प्रजाति के गन्ने का मूल्य 305 से 330 किया गया है। इससे गन्ना किसानों को तकरीबन आठ फीसद का फायदा होगा। गन्ना मूल्य में वृद्धि से गन्ना किसानों की आय

में आठ फीसदी की बढ़ोत्तरी होगी। इससे प्रदेश के 45 लाख किसानों की आय में बढ़ोत्तरी होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने अपनी सरकार के कार्यकाल में किसी भी मिल को बेचने का काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि बसपा और समाजवादी सरकार पार्टी की सरकार के कार्यकाल में 21 चीनी मिलें बंद हुई थीं। इन लोगों ने सरकारी चीनी मिलों को औने-पौने दामों पर बेच दिया था। 250-300 करोड़ रुपए की चीनी मिलों को 25-30 करोड़ रुपए में बेचने का काम हुआ था। हम तो सब को संभालने के प्रयास में लगे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2004 से लेकर 2014 तक का शासन आपने देखा होगा। देश और प्रदेश के लिए अंधकार युग था। यूपी का विकास एकदम रुक गया था। अराजकता व गुंडागर्दी का बोलबाला था। कोई सुरक्षित नहीं था। प्रदेश का किसान आत्महत्या व गरीब भूख से मर रहा था। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बेहद गंभीर भारतीय जनता पार्टी विपक्ष के हर हमले का माकूल जवाब देने की तैयारी में है। किसानों के मुद्दे पर विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं, भाजपा भी जिला तथा मंडल के बाद अब प्रदेश स्तर का किसान सम्मेलन कर रही है।

प्रदेश में कृषि कानून विरोधी आंदोलन को समर्थन देकर विपक्ष ने सत्ताधारी दल के खिलाफ माहौल बनाने का पूरा प्रयास किया है। इसके जवाब में भाजपा सरकार लगातार दावा कर रही है कि सरकार की नीतियों से किसानों की स्थिति सुधरी है और वह सरकार के साथ हैं। यही संदेश देने के लिए रविवार को राजधानी में बड़ा मंच सजाया गया है। भाजपा किसान मोर्चा ने इस समागम में हर विधानसभा क्षेत्र से किसान बुलाए हैं। उनके प्रतिनिधि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सम्मान भी करेंगे। इस आयोजन में प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों से किसानों को बुलाया गया है। भाजपा उत्तर प्रदेश का लक्ष्य कुल करीब बीस हजार किसानों को आमंत्रित करने का है। सरकार की नीतियों से संतुष्ट किसानों के प्रतिनिधि मुख्यमंत्री का सम्मान भी करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को बैठक भी हुई।

सीबीआइ को मिली आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी तथा संदीप तिवारी की सात दिन की कस्टडी

प्रयागराज । अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध परिस्थिति में मृत्यु के मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने केस टेकओवर करने के तीसरे ही दिन आरोपितों पर शिकंजा कस दिया है। प्रयागराज पुलिस की दर्ज की गई एफआइआर पर जांच को आगे बढ़ा रही सीबीआइ को सोमवार को इस केस के तीन आरोपितों की सात दिन की रिमांड मिल गई है।

रिमांड अवधि मंगलवार सुबह नौ बजे से चार अक्टूबर शाम छह बजे तक है। सीबीआइ ने 10 दिन की रिमांड मांगी थी। पहले पांच दिन की रिमांड मंजूर हुई। सीबीआइ की तरफ से अवधि बढ़ाने की याचना कोर्ट से की गई, जिसे मान लिया गया। सीबीआइ मंगलवार को तीनों को कोर्ट से अपनी कस्टडी में लेगी। आनंद गिरि को हरिद्वार ले जाने की तैयारी है। प्रयागराज में महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मृत्यु प्रकरण की जांच कर रही सीबीआइ ने सीजेएम कोर्ट से तीनों आरोपितों की रिमांड मांगी थी। तीनों आरोपित यहां सेंट्रल जेल नैनी में बंद हैं। सीबीआइ की मांग पर सोमवार को इस प्रकरण पर सुनवाई वीडियो कांफ्रेसिंग से हुई। इस सुनवाई के बाद सीबीआइ ने महंत नरेन्द्र गिरि के परम शिष्य रहे आनंद गिरि, बड़े हनुमान मंदिर के पुजारी आद्या प्रसाद तिवारी और आद्या प्रसाद के बेटे संदीप तिवारी को सात दिन की रिमांड पर लेने की

अनुमति मिल गई है।

सीबीआइ इस प्रकरण की हर तह तक जाना चाहती है। अब कोर्ट का आदेश मिलने के बाद सीबीआइ आज रात तक अथवा मंगलवार सुबह आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी व उसके बेटे संदीप को हिरासत में ले सकती है। सीबीआइ ने कोर्ट ने दस दिन के लिए रिमांड मांगी थी। अब उसको पांच दिन में ही इन तीनों से पूछताछ पूरी करनी होगी।

महंत नरेन्द्र गिरि ने अपने कथित सुसाइड नोट में इन तीनों पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाने के साथ ही अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया था। आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी व उसके बेटे संदीप तिवारी के खिलाफ महंत नरेन्द्र गिरि को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज है। अब सीबीआई आनंद गिरि को हरिद्वार भी ले जाकर पूछताछ करेगी।

सीबीआइ की तरफ से अभियोजन अधिकारी अंकित तोमर ने रविवार को रिमांड मजिस्ट्रेट नरेन्द्र कुमार की कोर्ट में तीनों आरोपितों की दस दिन की रिमांड के लिए अर्जी दी थी। जिसमें कहा गया कि महंत नरेन्द्र गिरि की संदिग्ध मृत्यु मामले में जेल में बंद आरोपित उनके शिष्य आनंद गिरि, मंदिर के पुजारी आद्या तिवारी व उसका बेटा संदीप से पूछताछ और साक्ष्य संकलन करना जरूरी है। पांच दिन की रिमांड मिलने के बाद अब सीबीआइ पूछताछ तथा साक्ष्य एकत्र करने के काम को गति देगी। प्रयागराज से एक टीम आरोपितों को हरिद्वार ले जाएगी।

सुसाइड नोट के हस्ताक्षर का मिलान कर रहे एक्सपर्ट- सीबीआइ ने उस सुसाइड नोट को भी अपने कब्जे में लिया है, जो महंत नरेन्द्र गिरि का बताया जा रहा है। मठ के लेटर पैड पर लिखे गए सुसाइड नोट को लेकर भी कई तरह के सवाल उठ रहे थे।

अब सीबीआइ टीम राइटिंग एक्सपर्ट के जरिए महंत के हस्ताक्षर का मिलान करवा रही है। अगर हस्ताक्षर में कोई फर्क मिलता तो उसके आधार पर आगे कदम बढ़ाएगी। इसके साथ ही उन शब्दों का भी मिलान करवाया जा रहा है, जिनका उल्लेख एक से अधिक बार हुआ है। सुसाइड नोट की असलियत का पता लगाने के लिए राइटिंग एक्सपर्ट के साथ ही तकनीक की भी मदद ली जा रही है।

अपने बूते जातिगत जनगणना करा सकता है बिहार, सर्वदलीय बैठक में सीएम नीतीश लेंगे बड़ा फैसला

पटना। जाति आधारित जनगणना को लेकर जिस तरह की बातें सामने आ रहीं हैं, उससे यह लग रहा है कि बिहार अब अपने बूते इस दिशा में आगे बढ़ने की तैयारी में है। यह संभव है कि कर्नाटक की तर्ज पर बिहार सरकार भी अपने स्तर पर जाति आधारित जनगणना कराने का निर्णय ले। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा न्यायालय में हलफनामा देकर जाति आधारित जनगणना से इनकार की बात पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ कह दिया है कि वे इसे कतई सही नहीं मानते। आगे इस बारे में निर्णय को ले बिहार में राजनीतिक दलों के साथ फिर बैठक कर फैसला करेंगे। बिहार की स्थिति यह है कि 10 राजनीतिक दलों में नौ इसके समर्थन में हैं। केवल भारतीय जनता पार्टी को जाति आधारित जनगणना से इनकार है। बिहार से सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की थी, तब उन्होंने एक स्वर में कहा था कि प्रधानमंत्री से इस संबंध में बातचीत काफी सकारात्मक रही। उम्मीद थी कि केंद्र जाति आधारित जनगणना पर सहमत हो जाएगा। पर हाल ही में जब केंद्र सरकार की ओर से न्यायालय में हलफनामा देकर यह कह दिया गया कि वह जाति आधारित जनगणना के पक्ष में नहीं है, तब बात नए सिरे से आगे बढ़ गयी है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा था कि केंद्र अगर तैयार नहीं होती है तो राज्य सरकार को अपने बूते जाति आधारित जनगणना करानी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी लगातार यह कहते रहे हैं कि केंद्र के इनकार के बाद ही इस बारे में आगे कुछ सोचा जा सकता है। अब केंद्र का इनकार भी साफ तरीके से सामने आ गया है। इसलिए मुख्यमंत्री ने सर्वदलीय बैठक कर आगे के निर्णय लेने की बात कह दी है। जाति आधारित जनगणना पर बिहार में जनता दल यूनाइटेड , राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस , वाम दल , हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा व विकासशील इनसान पार्टी के एक स्वर की वजह से बिहार में राजनीतिक रूप से अलग परिदृश्य नजर आएगा। सभी एक तरफ और बीजेपी एक तरफ।

कैमूर के किसान ने किया कमाल, 45 दिन में इंडिया गेट प्रजाति का धान तैयार कर बन गए चर्चा का विषय

रामगढ़ (भभुआ)। रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र के बगाढ़ी गांव के किसान संजय सिंह को अच्छी प्रजाति के धान की खेती करने का महारथ इनको मिल चुका है। इसके लिए इन्हें उन्नत किसान के सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। बगाढ़ी गांव के सिवाना में बड़ी बड़ी बालियां लिए हुए सुगंध से भरपूर इस धान की प्रजाति को देखने के लिए बाहर के लोग भी पहुंच रहे है। सड़क से लेकर गांव तक इस धान के पौधे की महक जाते देख लोग बरबस ही इस धान को निहारने खेत में पहुंच जाते हैं। तकरीबन 42 बीघा के विस्तार में इंडिया गेट नामक प्रजाति के धान के लगे पौधे कटनी के लिए तैयार हैं। बारिश से खेत गिला होने के कारण कुछ विलंब होना बताया जा रहा है। अन्यथा अभी तक यह फसल खेत से निकल गई होती।

इंडिया गेट नामक धान की इस प्रजाति को कैमूर में ले आने का कार्य इस किसान ने प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने इस नए धान की प्रजाति के लिए प्रेरित किया था। तब खेत की मिट्टी जांच व सुक्ष्म तत्व की जानकारी के बाद ही इस प्रजाति के पौधे लगाने की बात कही गई थी। उपज व दर मन भी किसी धान से कम नहीं जाता। खास बात यह है की यह प्रजाति बिचड़ा के 45 दिन में ही खेत में पककर बाहर निकल जाता है। जिससे रबी की फसल को भी आच्छादित होने का फायदा मिलता है।

किसान संजय सिंह ने बताया कि इस प्रजाति की खेती पिछले वर्ष दो हेक्टेयर में की गई थी। लेकिन इसके पैदावार में बढ़ोतरी के बाद इसको विस्तार दिया गया है। कम खाद व निरोग रहने वाला यह धान का इस तरीके से लोग खेती करें तो धन धान्य से लोगों का घर भरना तय है। उन्होंने बताया कि इतना पहले यह प्रजाति खेत से बाहर निकल जाती है कि कटनी का भी कोई झंझट नहीं और न ही दंवरी का। इसके पौधे से किसानों को चौतरफा लाभ है।

प्रियंका गांधी का लखनऊ में पांच दिन का प्रवास, कांग्रेस की चुनाव की तैयारियों को देंगी धार

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को पुराना मुकाम दिलाने की खातिर बड़े अभियान में लगीं पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा करीब दो हफ्ते के अंतराल पर सोमवार को फिर लखनऊ आ रही हैं। लखनऊ में इस बार प्रियंका गांधी का प्रवास पांच दिन का होगा। प्रियंका गांधी सोमवार को शाम चार बजे लखनऊ पहुंचेंगी। वह एयरपोर्ट से सीधे कौल हाउस जाएंगी। कौल हाउस के बाद से फिर पार्टी कार्यालय आएंगी। वह सोमवार को ही काम शुरू कर देंगी। पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक के काम का जायजा लेंगी। इसके साथ ही 2022 के चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगी।

लखनऊ में अपने पांच दिन के प्रवास पर वह कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्रा और प्रदेश के विभिन्न शहरों में अपनी जनसभाओं को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के साथ विस्तृत चर्चा करेंगी। इसके साथ ही साथ उनका प्रयास संगठन के भीतर उपजे असंतोष को थामने का भी है। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले कांग्रेस को लगातार लग रहे झटकों के बीच में भी प्रियंका की कोशिश है कि वह पार्टी की

चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाएं।

प्रियंका का एक महीने में तकरीबन दो हफ्ते के अंतराल पर दोबारा लखनऊ आना अकारण नहीं है। वह लखनऊ और रायबरेली प्रवास के बाद वह बीती 13 सितंबर को दिल्ली वापस गई थीं। पिछली बार जब वह लखनऊ से गई थीं तो कांग्रेस प्रदेश में 20-21 सितंबर से प्रतिज्ञा यात्रा निकालने की तैयारी में जुटी थी। इसी दौरान प्रियंका की 29 सितंबर को मेरठ और अक्टूबर के पहले हफ्ते में वाराणसी व आगरा में चुनावी जनसभाएं कराने की योजना थी। कांग्रेस के प्रदेश संगठन में असंतोष और उथल-पुथल थमने का नाम नहीं ले रही है। जितिन प्रसाद के कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामने के बाद मीरजापुर की मड़िहान सीट के पर्व विधायक व प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष रहे ललितेशपति त्रिपाठी ने भी बीते दिनों पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। लिहाजा पार्टी अब प्रतिज्ञा यात्रा और प्रियंका की जनसभाओं का सिलसिला पितृपक्ष के बाद नवरात्र में शुरू करने की तैयारी कर रही है।

माना जा रहा है कि लखनऊ प्रवास के दौरान प्रियंका कांग्रेस संगठन के अंतर्कलह से भी पार पाने की कोशिश करेंगी। लखनऊ प्रवास के दौरान वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कुछ पुराने पदाधिकारियों से भी बातचीत कर सकती हैं। कांग्रेस के चनाव अभियान की तैयारियों को अंतिम रूप देना भी उनके लखनऊ प्रवास का मकसद होगा। न सिर्फ वह कांग्रेस की प्रतिज्ञा यात्र के प्लान को फाइनल टच देने की कोशिश करेंगी बल्कि इसी के साथ प्रदेश के विभिन्न शहरों में अपनी जनसभाओं की श्रृंखला का स्वरूप तय करेंगी।

प्रियंका गांधी लखनऊ प्रवास के दौरान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के उम्मीदवारों की प्रारंभिक लिस्ट पर भी संगठन और सलाहकारों के साथ मंथन करेंगी। वह पार्टी के प्रशिक्षण और संगठन सृजन कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा करेंगी।

विकास के लिए जो भी आवश्यक होगा, उसको पूर्ण कराया जाएगा

खरगोन जिले में झिरन्या से भिकनगांव तक जनदर्शन में सीएम ने किया आश्वस्त

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को खरगोन जिले में झिरन्या से भीकनगांव तक जनदर्शन यात्रा में ग्रामीणों से संवाद किया और उनके साथ नृत्य भी किया।

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगोन जिले के झिरन्या से भीकनगांव तक जनदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जनता की मांग पर कई विकास कार्यों की घोषणा मौके पर ही की। साथ ही आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के लिएजो भी आवश्यक होगा, उसको पूर्ण कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जनदर्शन यात्रा में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि 2011 के सर्वे से जो लोग छूट गए थे, उनके लिए फिर से सर्वे करवाकर उन्हें आवास प्लस योजना से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सके। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि जो लोग पात्रता पर्ची नहीं होने के कारण राशन से वंचित हैं, उनका सर्वे कर उन्हें पात्रता पर्ची दी जाए, जिससे सभी गरीबों को प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्न योजना का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने ग्रामवासियों का आह्वान किया कि कोरोना के मददेनजर वैक्सीनेशन अनिवार्य रूप से करवाएं, इस कार्य में कोई लापरवाही न दिखाएं। सीएम ने ग्राम चैनपुरा में 14 ग्रामों को जोड़ने वाली सड़क का सर्वे कराने के निर्देश एनवीडीए को दिए। ग्राम में खरंजा निर्माण के लिए 25 लाख, पंचायत भवन के लिए 20 लाख, स्व-सहायता समूह के भवन के लिए 10 लाख की राशि देने की घोषणा की। ग्राम आभापुर पहुंचने पर सीएम ने ग्रामीणों की मांग पर आंगनबाड़ी भवन के लिए 20 लाख, पंचायत भवन के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। साथ ही 1400 करोड़ रुपए की झिरन्या उद्वहन सिंचाई योजना की स्वीकृति के बारे में बताया।

ग्राम मोहनखेड़ी में दिए जांच के आदेश

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने ग्राम मोहनखेड़ी में जनदर्शन यात्रा के दौरान जहां पुलिया एवं सड़क बनवाने की घोषणा की, वहीं ग्राम पंचायत सचिव की शिकायत प्राप्त होने पर जिला प्रशासन को शिकायतों की जांच करवाकर उचित कार्रवाई करवाने के भी निर्देश दिए।

गाड़ी रुकवाकर मनाया बालिकाओं का जन्म-दिवस: जनदर्शन के दौरान ग्राम शिवना पहुंचने पर सड़क के किनारे दो बालिकाओं को केक के साथ खड़ा देखकर मुख्यमंत्री चौहान ने अपना वाहन रोका। उन्होंने बालिका कुमारी कृतिका गिरनारे और कुमारी कनक गिरनारे का जन्म-दिवस होने पर आशीर्वाद प्रदान किया और केक काटकर बालिकाओं का मुंह मीठा करवाया।

भीकनगांव में नागरिकों ने किया पुष्पवर्षा से जनदर्शन यात्रा का स्वागत: मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जनदर्शन यात्रा में भीकनगांव पहुंचने पर नगरवासियों ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर और भवनों के ऊपर से पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया। किसान प्रतिनिधियों द्वारा भावांतर योजना में प्याज की शेष राशि दिलाने की मांग पर परीक्षण कराने और भुगतान का आश्वासन दिया। नायब तहसीलदार और तहसीलदार की शिकायत प्राप्त होने पर कलेक्टर एवं कमिश्नर को स्वयं जांच कर उचित कार्यवाही करने के आदेश दिए।

संक्षिप्त समाचार

विधानसभा अध्यक्ष गौतम से मिले डॉ. मुरुगन

भोपाल । सोमवार को भोपाल में मध्यप्रदेश से राज्यसभा की रिक्त एक सीट के उपचुनाव में निर्वाचित घोषित भाजपा के उम्मीदवार एवं केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम से विधानसभा में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश कार्यालय मंत्री राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर और भोपाल के पूर्व सांसद आलोक संजर मौजूद थे।

प्रदेश में इसी सत्र से एक साथ खुलेंगे 11 नए शासकीय महाविद्यालय : डॉ. यादव

भोपाल । उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में इसी सत्र से एक साथ 11 नए शासकीय महाविद्यालयों की स्थापना की जाएगी। दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को भी उच्च शिक्षा सुलभ हो और उनकी संख्या को दृष्टिगत रखते हुए यह कॉलेज खोले जाने का निर्णय लिया गया है। मंत्री डॉ. यादव ने बताया कि नए शासकीय महाविद्यालय उदय नगर जिला देवास ,रैगांव सतना, घुवारा छतरपुर, जैसीनगर सागर, दिमनी मुरैना, पिछोर ग्वालियर, गोरमी भिंड, राजोधा मुरैना, दिनारा शिवपुरी, शासकीय कन्या महाविद्यालय अनूपपुर और रिठौराकला जिला मुरैना में खोले जाएंगे। इसके अलावा आगर मालवा जिले के नलखेड़ा और बड़ौद शासकीय महाविद्यालय, मुरैना के पोरसा, अशोकनगर के पिपराई तथा सीहोर जिले के लाडकुई शासकीय महाविद्यालय में नवीन संकाय प्रारंभ होंगे । मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाई है। नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों को अपनी रूचि और सुविधा अनुसार विषयों को चुनने की स्वतंत्रता मिल रही है। मध्यप्रदेश में 2017 के बाद पहली बार बड़ी संख्या में शासकीय महाविद्यालय खोले जा रहे हैं। इन महाविद्यालयों से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी उच्च शिक्षा से जुड़ेंगे। नए महाविद्यालयों के लिए 233 शैक्षणिक पद भी स्वीकृत किए गए हैं।

स्मार्ट सिटी की योजनाओं को हर-हालत में समय-सीमा में पूर्ण करें : डॉ. शाह

भोपाल । वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा है कि स्मार्ट सिटी की विकास योजनाओं और जन-सुविधाओं के कार्यों को पूरा करने के लिए गति लाने के साथ-साथ इसकी निगरानी की जाना सुनिश्चित होना चाहिए। वन मंत्री एवं सतना जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शाह सतना में स्मार्ट सिटी, निर्माण कार्य एवं मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने नगर-निगम द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा योजना एवं संबल योजना की भी समीक्षा की। मंत्री डॉ. शाह ने कहा कि वे स्वयं स्मार्ट सिटी और नगर निगम के कार्यों की प्रत्येक माह अलग-अलग कार्य स्थल के स्पॉट पर जाकर समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों में टेंडर और वर्क ऑडर जारी हो चुके हैं, उन एजेंसियों को ताकीद किया जाए कि हर हाल में नियत की गई समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना होगा। इसके साथ ही निर्माण और विकास कार्यों के लिए स्मार्ट सिटी के प्रभारी अधिकारी को मौके पर जाकर हर सप्ताह की कार्य प्रगति का वीडियो क्लिप बनाकर प्रस्तुत करना होगा। बैठक में बताया गया कि स्मार्ट सिटी सतना परियोजना में अब-तक 127 करोड़ 98 लाख रुपए की लागत के विकास और सौंदर्यीकरण के प्रोजेक्ट वर्क कम्प्लीट किए जा चुके हैं। इस मौके पर सांसद गणेश सिंह, विधायक नागेंद्र सिंह सहित अन्य जन-प्रतिनिधि एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

किसानों पर थोपे गए तीन काले कानून हमारे कृषि क्षेत्र को बर्बाद कर देंगे: कमलनाथ

भोपाल । किसान आंदोलन के तहत सोमवार को भारत बंद के आह्वान को लेकर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने इन तीनों कानूनों को कृषि क्षेत्र को बर्बाद करने वाला बताया है। कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए कहा है कि आज से एक वर्ष पूर्व मंजूरी दिए गए तीन कृषि कानूनो को लेकर हमारे किसान भाइयों के आंदोलन को 300 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन ये निष्ठुर किसान विरोधी सरकार आज तक गूंगी-बहरी बनी हुई है। किसानों पर थोपे गए यह तीन काले काानून हमारे कृषि क्षेत्र को बर्बाद कर देंगे, बड़े औद्योगिक घरानो के आगे कृषि क्षेत्र को गिरवी कर देंगे। इन काले कानूनों से एमएसपी खत्म होगी, मंडी व्यवस्था खत्म होगी, जमाखोरी, कालाबाजारी को बढ़ावा मिलेगा, अनुबंध की खेती से किसानों को मजदूर बनाने का प्रयास है, किसानों को अपने हक की सुनवाई के लिए दर-दर भटकना होगा। कमलनाथ ने लिखा है कि जो कानून किसानों के लिए लाए गए हैं, उसका देश भर के किसान ही सड़कों पर खुला विरोध कर रहे हैं। अभी तक 600 से अधिक किसानों की मौत हो चुकी है,उसके बावजूद भी यह सरकार तानाशाही रवैया अपनाते हुए किसानों का दमन कर रही है और इन कानूनों को वापस नहीं ले रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अन्नदाताओं के साथ है, उनके हर संघर्ष में उनके साथ खड़ी है।

सीएम आज करेंगे स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने 264 करोड़ के निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमि-पूजन

मिंटो हॉल में शाम 6.30 बजे से होगा कार्यक्रम

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश की स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए जन-कल्याण और सुराज के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 264 करोड़ के निर्माण कार्यों का ऑनलाइन लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री चौहान मंगलवार, 28 सितंबर को शाम 6.30 बजे मिंटो हॉल भोपाल में स्कूल शिक्षा विभाग के 45 और जनजातीय कार्य विभाग के 71 नव-निर्मित भवनों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे।

कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग के लगभग 51 करोड़ 40 लाख रुपए की राशि से निर्मित नवनिर्मित हाई स्कूल भवनों, हायर सेकेंडरी स्कूल भवनों, छात्रावासों और बहुउद्देश्यीय भवनों के लोकार्पण के साथ जनजातीय कार्य विभाग के 213 करोड़ 80 लाख रुपए की लागत से बनने वाले 71 शैक्षणिक भवनों का भूमि-पूजन किया जाएगा। इन भवनों के निर्माण से शालेय विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आलीराजपुर, उमरिया, खरगोन, झाबुआ, धार, बड़वानी, मंडला, रतलाम, शहडोल, सिवनी और होशंगाबाद जिले में स्कूलों और छात्रावासों का निर्माण किया जाएगा।

देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का स्तर उठाएगा प्रधानमंत्री डिजिटल हेल्थ मिशन : शर्मा

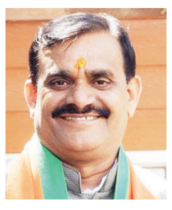

भोपाल । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुत्त शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार देश के हर व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करने, देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा बढ़ाने, उनका स्तर उठाने और इन सुविधाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है। शर्मा ने पीएम मोदी द्वारा प्रधानमंत्री डिजिटल हेल्थ मिशन को पूरे देश में लांच करने पर हर्ष व्यक्त करते हुए यह बात कही। उन्होंने डिजिटल हेल्थ मिशन के शुभारंभ पर पीएम मोदी एवं स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के प्रति आभार जताते हुए कहा कि स्वच्छता और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे श्री मोदी की प्राथमिकता सूची में रहे हैं और उनकी सरकार ने सत्ता संभालते ही इस दिशा में काम शुरू कर दिया था। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार ने आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जो सारी दुनिया में लोगों को इलाज उपलब्ध कराने का अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान है। अभी तक देश में दो करोड़ लोग इस योजना का लाभ ले चुके हैं। श्री शर्मा ने कहा प्रधानमंत्री डिजिटल हेल्थ मिशन इसी श्रृंखला की अगली कड़ी है। इसके लागू होने से हर व्यक्ति की एक यूनिक हेल्थ आईडी होगी, जिसमें उसके स्वास्थ्य से संबंधित सारा रिकॉर्ड दर्ज होगा।

मुख्यमंत्री ने भोपाल में किया टीकाकरण महाभियान-4 का शुभारंभ

वैक्सीनेशन जिंदगी बचाने का अभियान है, अब कोई न छूटे

पहले डोज के टीकाकरण में मप्र देश में पहले स्थान पर

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा है कि वैक्सीनेशन जिंदगी बचाने का अभियान है। अभियान में सभी सहयोग दें और हमारा यह शत-प्रतिशत प्रयास हो कि अब कोई न छूटे। मुख्यमंत्री श्री चौहान चौथे टीकाकरण महाअभियान-4 के लिए गुफा मंदिर स्थित मानस उद्यान के टीकाकरण केंद्र का अवलोकन कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वहां उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया। गुना सांसद केपी यादव तथा पूर्व महापौर आलोक शर्मा व अधिकारीगण उपस्थित थे।

दिसंबर अंत तक सभी प्रदेशवासियों को लगाना है दूसरी डोज : मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब तक प्रदेश की 86 प्रतिशत पात्र जनसंख्या को वैक्सीन का प्रथम डोज लग चुका है। मध्यप्रदेश पहला डोज लगाने में देश में पहले नंबर पर है। यह जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अमले, जनता के सहयोग के परिणाम-स्वरूप संभव हुआ है। प्रदेश में 26 सितंबर तक 6 करोड़ 11 लाख 23 हजार 864 कोरोना वैक्सीन के टीके लग चुके है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि दिसंबर अंत तक प्रदेश के सभी पात्र व्यक्तियों को वैक्सीन की दूसरी डोज लगाकर उनका जीवन सुरक्षित करना है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वैक्सीनेशन के इस अभियान में दिव्यांग, वरिष्ठ-जन, महिलाओं का ध्यान रखा जा रहा है। प्रदेश में अब तक 02 लाख 57 हजार 506 गर्भवती महिलाओं को वैक्सीन लगाई गई है। इसी प्रकार तीसरे जेंडर को भी 12,509 डोज वैक्सीन लगाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार मानते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश में वैक्सीनेशन महाअभियान के लिए वैक्सीन की कमी नहीं होने दी। इसके लिए प्रदेश उनका आभारी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा उपलब्ध कराई गई मुफ्त वैक्सीन के परिणामस्वरुप ही सभी गरीबों का वैक्सीनेशन सुनिश्चित हो सका और उनकी जिंदगी बचाने की प्रतिबद्धता को पूरा किया जा सका।

भोपाल में सबको लग चुका है वैक्सीन का पहला डोज

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि भोपाल में सबको वैक्सीन का पहला डोज लगाया जा चुका है। भोपाल में जो भी पात्र व्यक्ति उपलब्ध रहे उन सबका टीकाकरण हो चुका है। जो वक्ति किन्ही कारणों से भोपाल से बाहर थे, उनका टीकाकरण छूटा है। ऐसे शेष रहे पात्र व्यक्तियों का भी टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों से कुशलक्षेम पूछा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने टीकाकारण केन्द्र में टीकाकरण के लिए आए दिव्यांग कृष्णकुमार विश्वकर्मा, रूचि शर्मा और विनोद कुमार से कुशलक्षेम पूछी। टीकाकरण के लिए आईं श्रीमती सुनीता व श्रीमती निशा तथा 99 वर्षीय श्रीमती मोतिया बाई से भी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बातचीत की। केन्द्र पर दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक तथा महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं : डॉ. मुरुगन

केंद्रीय राज्य मंत्री ने पीआईबी के काम-काज का लिया जायजा

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, पशुपालन, मत्स्य और डेयरी राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने सोमवार को भोपाल में पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की और विभाग द्वारा प्रचार- प्रसार के क्षेत्र में किए जा रहे कामकाज का जायजा लिया। उन्होंने पत्र सूचना कार्यालय और लोक संपर्क ब्यूरो को केंद्र सरकार की नीतियों और जन कल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के लिए और तीव्र गति से कार्य करने को कहा।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां और कार्यक्रम समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास होने चाहिए। श्री मुरुगन ने कहा कि पीआईबी, मध्यप्रदेश सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और फॉलोवर्स बढ़ाने के लिए और प्रभावी प्रयास करें। इससे पहले पीआईबी, भोपाल के अपर महानिदेशक प्रशांत पाठराबे ने पीआईबी, भोपाल द्वारा विगत वर्ष में किए गए कार्यों का विवरण मंत्री महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव और कोरोना की रोकथाम और टीकाकरण के प्रचार प्रसार के लिए पीआईबी द्वारा किए गए कार्यों के बारे में मंत्री महोदय को विस्तार से बताया। पीआईबी द्वारा जारी की गई सफलता की कहानियों का विवरण भी श्री पाठराबे ने दिया।

बुल मदर फार्म कृत्रिम गर्भाधान केंद्र का किया निरीक्षण

इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. मुरुगन ने भोपाल में बुल मदर फार्म कृत्रिम गर्भाधान केंद्र का दौरा किया और इस केंद्र और यहां संचालित विभिन्न प्रयोगशालाओं की गतिविधियों का जायजा लिया। बुल मदर फार्म कृत्रिम गर्भाधान केंद्र भारत में दूसरी अत्यधिक उन्नत वीर्य प्रयोगशाला है। डॉ. मुरुगन ने पशुपालन विभाग की अन्य गतिविधियों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत संचालित मैत्री परियोजना के प्रशिक्षुओं से भी बातचीत की। इससे पहले सोमवार को भोपाल पहुंचने पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और पशुपालन, मत्स्य और डेयरी विभाग के अधिकारियों ने राजा भोज एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया।

दिग्विजय के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए बाल आयोग ने लिखा डीजीपी को पत्र

पूर्व मुख्यमंत्री के बिगड़े बोल, सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चे फैलाते हैं नफरत

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने मप्र के डीजीपी को पत्र लिखा है।

आयोग द्वारा लिखे गए पत्र में पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों को लेकर की गई विवादास्पद टिप्पणी सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ने वाले बच्चे नफरत का पाठ सीख कर दंगा करते हैं से बच्चों को आघात पंहुचा है पर कार्रवाई करने की बात कही गई है। आयोग ने डीजीपी को लिखे पत्र में बताया है कि बच्चों के द्वारा शिकायत की गई है जिसमें उल्लेख किया गया है कि हम बच्चे सरस्वती शिशु मंदिर के छात्र हैं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक कार्यक्रम में उपरोक्त ठिप्पणी की है जिससे हमको बेहद आघात लगा है, हमारी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है, हमारे आस पड़ोस के बच्चे हमारे साथ खेलने, मेल जोल करने में हिचकिचा रहे हैं एवं हमको दंगाई कह कर चिढ़ा रहे हैं। हम लोग दंगा नहीं करते, हम लोग पढ़ाई करते हैं, हम किसी से झगड़ा नहीं करते ना ही हम नफरत फैलाते हैं, हम अच्छे बच्चे हैं। बच्चों ने आयोग से इस संबंध में पुलिस कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। आयोग ने डीजीपी को लिखे पत्र में कहा है कि दिग्विजय सिंह द्वारा की गई टिप्पणी सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ने वाले सभी बच्चों के मान सम्मान और चरित्र को आघात पहुचाने की कोशिश प्रतीत होती है। अतः इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मामले में प्रकरण दर्ज कर विधिसम्मत जांच कर आयोग को जांच आख्या आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपलब्ध कराएं।

प्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण : उषा ठाकुर

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर मिंटो हॉल में कार्यक्रम आयोजित

सोमवार को भोपाल में यूनेस्को की संस्कृति प्रमुख सुश्री जुन्ही हान और प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला ने पर्यटन की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया।

भोपाल । प्रदेश की संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने विश्व पर्यटन दिवस पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि मध्यप्रदेश में देश-विदेश के पर्यटक निर्भीक होकर आएं। प्रदेश में सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण निर्मित है। मध्यप्रदेश का शांतिपूर्ण वातावरण सभी को आकर्षित करेगा। श्रेष्ठ पर्यटन ग्राम के रूप में निवाड़ी के लाटपुरा-खास ने मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

सुश्री ठाकुर ने यह संदेश मिंटो हॉल में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली दिया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। नवाचारों के माध्यम से पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश ने अपना श्रेष्ठतम स्थान बनाया है। ग्रामीण और होम-स्टे जैसे नवाचार से पर्यटन को निरंतर बढ़ावा देने की कोशिश की जा रही है। प्रदेश में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है और स्वच्छता के लिए अपशिष्टों को नष्ट करने की निरंतर व्यवस्था की गई है।

प्रदेश में 20 हजार महिलाओं को दी जाएगी सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग : प्रमुख सचिव शुक्ला

प्रमुख सचिव पर्यटन शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि यूएनडब्ल्यूटीओ ने ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में निवाड़ी के ग्राम लाटपुरा-खास को चयनित किया है। देश के केवल तीन ग्रामों में लाटपुरा-खास शामिल है। अगले पांच साल में ऐसे 100 ग्राम बनाने का लक्ष्य रखा गया है। महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन की दृष्टि से 50 से अधिक स्थल को विभिन्न आयामों से जोड़ा जा रहा है। सर्विस प्रोवाइडर और हॉस्पिटेलिटि में महिलाओं की सहभागिता से लोगों का विश्वास बढ़ेगा और रोजगार सहित आर्थिक गतिविधियों में इजाफा होगा। श्री शुक्ला ने बताया कि महिलाओं का आत्मबल बढ़ाने वाला पहला राज्य भी मध्यप्रदेश होगा। प्रदेश में 20 हजार महिलाओं को सेल्फ डिफेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कृषि एवं उद्यानिकी पर्यटन सहित जनजातीय समुदाय की संस्कृति को प्रमोट कर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। श्री शुक्ला ने कहा कि यूएन ने समावेशी विकास के लिए पर्यटन थीम का चयन किया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विस्तार की योजना को बढ़ावा दिया जाना जरूरी है। आज के समय में व्यक्ति ऐसे स्थानों पर भ्रमण करना चाहता है, जहां प्रकृति की गोद में बैठकर वह सुकून से आत्मावलोकन कर सके। श्री शुक्ला ने बताया कि प्रदेश में 11 राष्ट्रीय पार्क, 25 सेंचुरी हैं। साथ ही ऐतिहासिक और हैरिटेज सहित धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भी प्रदेश जाना जाता है। यूनेस्को की साइट पर सांची, भीमबेठिका और खजुराहो वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल हैं। भेड़ाघाट, सतपुड़ा नेशनल पार्क (पचमढ़ी), ओरछा और मांडू को भी इसमें शामिल करने के प्रयास जारी हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर ग्वालियर और ओरछा शहर की ऐतिहासिक विरासत प्रदर्शित हो, इसके लिए भी प्रयास जारी हैं। पूरे देश में मप्र पर्यटन की दृष्टि से प्रथम तीन राज्यों में अपना स्थान बनाए हुए हैं।

ग्लोबल जीडीपी में 10.4 प्रतिशत योगदान केवल पर्यटन का : जुन्ही हॉन

यूनेस्को की संस्कृति प्रमुख सुश्री जुन्ही हॉन ने कहा कि पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक कैसे ले जाया जा सकता है, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। कुछ दशकों में टूरिज्म के क्षेत्र में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि ग्लोबल जीडीपी में 10.4 प्रतिशत योगदान केवल पर्यटन क्षेत्र का है। यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक स्थानों को सुरक्षा और पर्यटन की दृष्टि से अग्रणी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानों की विशेषता पहचान कर उसे ब?ाया जाना चाहिए। क्षेत्र की सांस्कृतिक विशेषता एवं ऐतिहासिक धरोहर को बरकरार रखने में और पर्यटन को बढ़ाने में सभी का सहयोग जरूरी है।

टूरिज्म बढ़ाने गुणवत्ता का ध्यान : विश्वनाथन

पर्यटन निगम के प्रबंध संचालक एस. विश्वनाथन ने कहा कि 2500 कर्मचारी टूरिज्म को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। टूरिज्म बढ़ाने के लिए गुणवत्ता का ध्यान रखा जा रहा है। साथ ही पर्यटन की अलग-अलग विधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्राइव इन सिनेमा में ड्राइव इन वैक्सीनेशन जैसी पहल कर देश में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाया गया है। वेलनेस टूरिज्म की भी पॉलिसी तैयार की गई है। कार्यक्रम में अतिथियों ने पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों, कर्मचारियों और अधिकारियों का सम्मान किया। टूरिज्म बोर्ड की एडीशनल एम.डी. श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने अंत में आभार माना।

आश्विन कृष्णपक्ष की प्रतिपदा से अमावस्या तक पितरों का श्राद्ध करने की परंपरा है। पितृपक्ष अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने, उनका स्मरण करने और उनके प्रति श्रद्धा अभिव्यक्ति करने का महापर्व है। इस अवधि में पितृगण अपने परिजनों के समीप विविध रूपों में मंडराते हैं और अपने मोक्ष की कामना करते हैं। परिजनों से संतुष्ट होने पर पूर्वज आशीर्वाद देकर हमें अनिष्ट घटनाओं से बचाते हैं। जिस तिथि में माता-पिता का देहांत हुआ है, उस तिथि में श्राद्ध करना चाहिए। श्राद्ध से पितृगण प्रसन्न होते हैं और श्राद्ध करने वालों को सुख-समृद्धि, सफलता, आरोग्य और संतानरूपी फल देते हैं।

दिवंगतों की अच्छाइयों का स्मृति पर्व

पाश्चात्य संस्कृति का हिस्सा बन चुके हम आए दिन कोई न कोई 'डे' मनाते रहते है ।साल के दिनों की संख्या से ज्यादा तो तथाकथित 'डे' मनाए जाते हैं ,ना इसमें कोई बुराई है वे लोगों को जीते जी याद करते हैं तो हम परिजनों के गुजर जाने के बाद भी उन्हें याद करते हैं ।उनकी याद में दिवस मनाते हैं भारतीय संस्कृति सबको साथ ले कर चलने वाली है । हम अगर श्राद्ध की बात करें तो इसमें न सिर्फ अपने पिता अपितु पितरों (हमारे दादा–परदादा) के प्रति भी धार्मिक क्रियाओं के माध्यम से सम्मान प्रकट किया जाता है,बल्कि उन्हें याद किया जाता है,उनका आभार माना जाता है ।इन दिनों में सात्विकता, पशु–आहार ,दान का विशेष मह्त्व है ।यहां मूलत : 'आत्मा अमर है' का विश्वास काम करता है कि वे जहां कहीं भी हैं हमें देख रहें होगें । भारतीय संस्कृति की एक विशेषता उल्लेखनीय है कि वह अपने संस्कार से व्यक्ति को विनयवान बनाती है । जहां इसमें 'धर्म–भीरुता' एक कमजोर पक्ष बनकर उभरा है जिससे कई कुरीतियों ने भी जन्म लिया ।वहीं शिक्षा के प्रसार से कुछ नवीनता भी आई है ।दान का स्वरुप बदल कर ब्राह्मण भोज के स्थान पर लोगों ने जरूरतमंदों और अनाथालयों में अन्न सेवा प्रारंभ कर दिया है । कुछ समर्थ लोग दोनों ही तरह के दान के हामी होते हैं तो आधुनिक विधि–विधान को मह्त्व न देकर श्राद्ध में छिपे मूल भाव को महत्व देते हुए अपने पूर्वजों को याद करने के विभिन्न तरीके अपनाते हैं ।पितरों का आशीर्वाद बना रहे,पूर्वजों के प्रति आभार जताने का भाव मन में आ जाना, पूर्वजों के साथ घर में रह्ने वाले बुजुर्गों का भी आदर बना रहे यही सही मायने में श्राद्ध है जो कि आज के समय की मांग है । श्राद्ध पर्व की मूल अवधारणा श्रद्धा पर आधारित है । श्राद्ध पर्व के 16 दिनों के दौरान यदि हम अपने विलग हो चुके बुजुर्गों को याद कर उनकी अच्छाइयों को अपने और अपनी अगली पीढ़ी के जीवन में कार्यान्वित कर सकें तो इस भाव–प्रसंग की सार्थकता कुछ और बढ़ जाएगी।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार, जानिए क्या है पंचबलि कर्म

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना । श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है ।यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है ।यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं । श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश : पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं ।इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है ।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है ।पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है ।वे हैं–

प्रथम गौ बलि– घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम :' कहकर प्रणाम किया जाता है ।गौ देशी होना चाहिए ।

द्वितीय श्वान बलि– पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है ।

तृतीय काक बलि– कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें ।

चतुर्थ देवादि बलि– पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है ।बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है ।

पंचम पिपलिकादि बलि– चींटी, कीड़े–मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है ।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है ।इसका बड़ा महत्व है ।

दीपावली से भी ज्यादा बड़ी है श्राद्ध पर्व की 8वीं तिथि

महालक्ष्मी पर्व यानी गजलक्ष्मी व्रत है ।इस दिन को दीपावली से भी अधिक शुभ माना जाता है ।पितृ पक्ष में आने वाले गजलक्ष्मी व्रत में अगर अपनी राशि अनुसार विधि–विधान से पूजन किया जाए तो महालक्ष्मी विशेष प्रसन्न होती हैं और जीवन में धन–समृद्धि आती है ।आइए, जानें किस–किस राशि वाले जातक को किस प्रकार से पूजन करने से इष्टतम लाभ हो सकता है ।

मेष राशि : इस राशि के जातक अगर ऋण से त्रस्त हैं तो मिट्टी के हाथी के समक्ष 'ऋणहर्ता मंगल स्तोत्र' का पाठ करना चाहिए इससे ऋण उतरने लगता है ।

वृषभ राशि :इस राशि के जातकों के लिए गजलक्ष्मी व्रत से हर शुक्रवार को श्री विष्णु–लक्ष्मी का पूजन करने से धन व नाम मिलता है ।इस प्रयोग को कम से कम एक साल तक करें यानी अगले गजलक्ष्मी व्रत तक करें चमत्कार स्वयं देखें ।

मिथुन राशि :चांदी का हाथी बनवाकर श्री लक्ष्मी के मंत्रों से पूरित कर गल्ले में रखें निश्चित ही धनलाभ होता है ।धन का भंडार भरा रहता है तथा परिवार में व्यक्ति प्रसन्न और सुखी रहता है ।

कर्क राशि :रात को केले के पत्ते पर दूध–भात रख कर चंदमा और मिट्टी के हाथी को दिखाएं और मंदिर में पंडितजी को दान दें ।इससे धन प्राप्ति के प्रबल योग बनते हैं ।

सिंह राशि :मिट्टी का हाथी बनवाकर उस पर चांदी या सोने का गहना चढ़ाएं और 'ॐ नमो नारायणाय'मंत्र का श्री विष्णु जी के सम्मुख जाप करें, विशेष धनलाभ होगा ।

कन्या राशि :लाजावर्त नग को चांदी में जड़वाकर लक्ष्मी के मंत्रों से अभिमंत्रित कर मिट्टी के हाथी को चढ़ाने से जातक धनवान बनता है ।

तुला राशि : चांदी या सोने के हाथी पर कमल का फूल चढ़ाएं ।मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है व यश मिलता है ।

वृश्चिक राशि :मिट्टी के हाथी के समक्ष घी व सरसो तेल के दो बड़े दीपक जलाएं ।किसी भी लक्ष्मी मंत्र की 21 माला जाप करें तो अक्षय धन की प्राप्ति होती है ।

धनु राशि :सुंदर पीले वस्त्र धारण कर मिट्टी के हाथी पर विविध अलंकार अर्पित करें ।मां लक्ष्मी की कृपा चारों तरफ से बरसने लगेगी ।

मकर राशि :किसी भी सजीव हाथी को सवा दर्जन केले खिलाएं और मिट्टी के हाथी को वस्त्रालंकार अर्पित करें ।आश्चर्यजनक रूप से हर बाधा दूर होगी और धन की समृद्धि बढ़ेगी ।

कुंभ राशि :चांदी का हाथी बनवाकर उसी की पूजा करें ।साथ में मिट्टी का हाथी दीये जलाकर सजाएं और पूजन करें ।चांदी के सिक्के चढ़ाएं । यश, सुख, समृद्धि, वैभव, ऐश्वर्य और सौभाग्य से जीवन चमक उठेगा ।

मीन राशि :11 हल्दी की गांठों को पीले कपड़े में रख कर लक्ष्मी मंत्र की 11 माला जाप कर तिजोरी में रख दें ।रोजाना वहां दीया जलाए तो व्यापार की प्रबल उन्नति होने लगती है ।

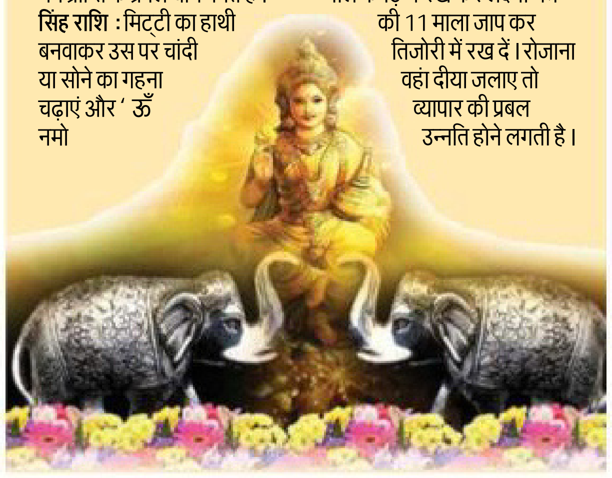

पितरों के समान हैं ये 3 वृक्ष, 3 पक्षी, 3 पशु और 3 जलचर

धर्मशास्त्रों अनुसार पितरों का पितृलोक चंद्रमा के उर्ध्वभाग में माना गया है ।दूसरी ओर अग्निहोत्र कर्म से आकाश मंडल के समस्त पक्षी भी तृप्त होते हैं ।पक्षियों के लोक को भी पितृलोक कहा जाता है ।तीसरी ओर कुछ पितर हमारे वरुणदेव का आश्रय लेते हैं और वरुणदेव जल के देवता हैं ।अत : पितरों की स्थिति जल में भी बताई गई है ।

तीन वृक्ष

- **पीपल का वृक्ष** :पीपल का वृक्ष बहुत पवित्र है ।एक ओर इसमें जहां विष्णु का निवास है वहीं यह वृक्ष रूप में पितृदेव है ।पितृ पक्ष में इसकी उपासना करना या इसे लगाना विशेष शुभ होता है ।
- **बरगद का वृक्ष** :बरगद के वृक्ष में साक्षात शिव निवास करते हैं ।अगर ऐसा लगता है कि पितरों की मुक्ति नहीं हुई है तो बरगद के नीचे बैठकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए ।
- **बेल का वृक्ष** :यदि पितृ पक्ष में शिवजी को अत्यंत प्रिय बेल का वृक्ष लगाया जाय तो अतृप्त आत्मा को शान्ति मिलती है । अमावस्या के दिन शिव जी को बेल पत्र और गंगाजल अर्पित करने से सभी पितरों को मुक्ति मिलती है ।इसके अलावा अशोक, तुलसी, शमी और केल के वृक्ष की भी पूजा करना चाहिए ।

तीन पक्षी

- **कौआ** :कौए को अतिथि–आगमन का सूचक और पितरों का आश्रम स्थल माना जाता है ।श्राद्ध पक्ष में कौओं का बहुत महत्व माना गया है ।इस पक्ष में कौओं को भोजन कराना अर्थात अपने पितरों को भोजन कराना माना गया है ।शास्त्रों के अनुसार कोई भी क्षमतावान आत्मा कौए के शरीर में स्थित होकर विचरण कर सकती है ।
- **हंस** :पक्षियों में हंस एक ऐसा पक्षी है जहां देव आत्माएं आश्रय लेती हैं ।यह उन आत्माओं का ढिकाना हैं जिन्होंने अपने जीवन में पुण्यकर्म किए हैं और जिन्होंने यम–नियम का पालन किया है ।कुछ काल तक हंस योनि में रहकर आत्मा अच्छे समय का इंतजार कर पुन : मनुष्य योनि में लौट आती है या फिर वह देवलोक चली जाती है । हो सकता है कि आपके पितरों ने भी पुण्य कर्म किए हों ।
- **गरुड़** :भगवान गरुड़ विष्णु के वाहन हैं । भगवान गरुड़ के नाम पर ही गुरुढ़ पुराण है जिसमें श्राद्ध कर्म, स्वर्ग नरक, पितृलोक आदि का उल्लेख मिलता है ।पक्षियों में गरुढ़ को बहुत ही पवित्र माना गया है । भगवान राम को मेघनाथ के नागपाश से मुक्ति दिलाने वाले गरूड़ का आश्रय लेते हैं पितर ।.इसके अलावा क्रोंच या सारस का नाम भी लिया जाता है ।

तीन पशु

- **कुत्ता** :कुत्ते को यम का दूत माना जाता है । कहते हैं कि इसे ईधर माध्यम की वस्तुएं भी नजर आती है ।दरअसल कुत्ता एक ऐसा प्राणी है, जो भविष्य में होने वाली घटनाओं और ईथर माध्यम (सूक्ष्म जगत) की आत्माओं को देखने की क्षमता रखता है । कुत्ते को हिन्दू देवता भैरव महाराज का सेवक माना जाता है ।कुत्ते को भोजन देने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं ।कुत्ते को रोटी देते रहने से पितरों की कृपा बनी रहती है ।
- **गाय** :जिस तरह गया में सभी देवी और देवताओं का निवास है उसी तरह गाय में सभी देवी और देवताओं का निवास बताया गया है ।दरअसल मान्यता के अनुसार 84 लाख योनियों का सफर करके आत्मा अंतिम योनि के रूप में गाय बनती है ।गाय लाखों योनियों का वह पड़ाव है, जहां आत्मा विश्राम करके आगे की यात्रा शुरू करती है ।
- **हाथी** : हाथी को हिन्दू धर्म में भगवान गणेश का साक्षात रूप माना गया है ।यह इंद्र का वाहन भी है ।हाथी को पूर्वजों का प्रतीक भी माना गया है ।जिस दिन किसी हाथी की मृत्यु हो जाती है उस दिन उसका कोई साथी भोजन नहीं करता है ।हाथियों को अपने पूर्वजों की स्मृतियां रहती हैं ।अश्विन मास की पूर्णिमा के दिन गजपूजा विधि व्रत रखा जाता है ।सुख–समृद्धि की इच्छा रखने वाले उस दिन हाथी की पूजा करते हैं ।.इसके अलावा वराह, बैल और चींटियों का यहां उल्लेख किया जा सकता है ।जो चींटी को आटा देते हैं और छोटी–छोटी चिड़ियों को चावल देते हैं, वे वैकुंठ जाते हैं ।

तीन जलचर जंतु

- **मछली** :भगवान विष्णु ने एक बार मत्स्य का अवतार लेकर मनुष्य जाती के अस्त्वि को जल प्रलय से बचाया था ।जब श्राद्ध पक्ष में चावल के लड्डू बनाए जाते हैं तो उन्हें जल में विसर्जित कर दिया जाता है ।
- **कछुआ** :भगवान विष्णु ने कच्छप का अवतार लेकर ही देव और असुरों के लिए मदरांचल पर्वत को अपनी पीठ पर स्थापित किया था ।हिन्दू धर्म में कछुआ बहुत ही पवित्र उभयचर जंतु है जो जल की सभी गतिविधियों को जानता है ।
- **नाग** :भारतीय संस्कृति में नाग की पूजा इसलिए की जाती है, क्योंकि यह एक रहस्यमय जंतु है ।यह भी पितरों का प्रतीक माना गया है ।.इसके अलावा मगरमच्छ भी माना जाता है ।

पितृ पक्ष की सर्वपितृ अमावस्या पर करें श्राद्ध

आश्विन माह की कृष्ण अमावस्या को सर्वपितृ मोक्ष श्राद्ध अमावस्या कहते हैं।यह दिन पितृपक्ष का आखिरी दिन होता है।अगर आप पितृपक्ष में श्राद्ध कर चुके हैं तो भी सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों का तर्पण करना जरूरी होता।आओ जानते हैं इस संबंध में 10 खास बातें।

- सर्वपितृ अमावस्या पितरों को विदा करने की अंतिम तिथि होती है ।15 दिन तक पितृ घर में विराजते हैं और हम उनकी सेवा करते हैं फिर उनकी विदाई का समय आता है ।इसीलिए इसे 'पितृविसर्जनी अमावस्या', 'महालय समापन' या 'महालय विसर्जन' भी कहते हैं ।
- कहते हैं कि जो नहीं आ पाते हैं या जिन्हें हम नहीं जानते हैं उन भूले–बिसरे पितरों का भी इसी दिन श्राद्ध करते हैं । अत : इस दिन श्राद्ध जरूर करना चाहिए ।
- कहते हैं कि जो व्यक्ति अपने पितरों का उनकी तिथि के अनुसार या उनकी मृत स्थिति के अनुसार श्राद्ध नहीं करता है तो माना जाता है कि पितर उसके लिए सर्वपितृ अमावस्य पर पुन : नदी तट या उसके द्वार पर आते हैं और वे देखते हैं कि सभी के पितरों के वंशज आएं हैं परंतु हमारे नहीं तब वह निशार और रुष्ठ होकर चले जाते हैं जिसके चलते व्यक्ति के जीवन में बुरा होने लगता है ।
- अगर कोई श्राद्ध तिथि में किसी कारण से श्राद्ध न कर पाया हो या फिर श्राद्ध की तिथि मालूम न हो तो सर्वपितृ श्राद्ध अमावस्या पर श्राद्ध किया जा सकता है ।मान्यता है कि इस दिन सभी पितर आपके द्वार पर उपस्थित हो जाते हैं ।
- इस श्राद्ध में गोबलि, श्वानबलि, काकबलि और देवादिबलि कर्म करें । अर्थात इन सभी के लिए विशेष मंत्र बोलते हुए भोजन सामग्री निकालकर उन्हें ग्रहण कराई जाती है ।अंत में चींटियों के लिए भोजन सामग्री पत्ते पर निकालने के बाद ही भोजन के लिए थाली अथवा पत्ते पर ब्राह्मण हेतु भोजन परोसा जाता है ।इस दिन सभी को अच्छे से पेटभर भोजन खिलाकर दक्षिणा दी जाती है ।
- सर्वपितृ अमावस्या के दिन पितरों की शांति के लिए और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गीता के सातवें अध्याय का पाठ करने का विधान भी है ।
- सर्वपितृ अमावस्या पर पीपल की सेवा और पूजा करने से पितृ प्रसन्न होते हैं । स्टील के लोटे में, दूध, पानी, काले तिल, शहद और जौ मिला लें और पीपल की जड़ में अर्पित कर दें ।
- शास्त्र कहते हैं कि ''पुन्नामनरकात त्रायते इति पुत्र :'' जो नरक से त्राण (रक्षा) करता है वही पुत्र है ।इस दिन किया गया श्राद्ध पुत्र को पितृदोषों से मुक्ति दिलाता है ।अत : पूर्वजों के निमित्त शास्त्रोक्त कर्म करें जिससे उन मृत प्राणियों को परलोक अथवा अन्य लोक में भी सुख प्राप्त हो सके ।
- इस दिन शास्त्रों में मृत्यु के बाद और्ध्वदैहिक संस्कार, पिण्डदान, तर्पण, श्राद्ध, एकादशाह, सपिण्डीकरण, अशौचादि निर्णय, कर्म विपाक आदि के द्वारा पापों के विधान का प्रायश्चित कहा गया है ।
- मान्यता है कि जो व्यक्ति पितृपक्ष में श्राद्ध नहीं करता है और सर्वपितृ अमावस्य को भी श्राद्ध नहीं करता है उसे वर्षभर के लिए अपने पितारों का श्राप झेलने पड़ता है ।ऐसे में पितृदोष दो प्रकार से प्रभावित होता है ।पहला यह कि जो पितर अधोगति में गए हैं वे ज्यादा अपेक्षा रखकर ज्याता सताते हैं और जो उर्ध्वगति में गए हैं वे श्राप नहीं देते हैं तो आशीर्वाद भी नहीं देते हैं । उनका आशीर्वाद नहीं देना ही नुकसान दायक सिद्ध होता है ।

16 दिनों में न भूलें ये बातें

पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध महालय पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए ।यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है । यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :–

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें ।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें ।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें ।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें ।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें ।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें । इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें ।पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें ।

इंग्लैंड के क्रिकेटर मोइन अली ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के ऑलरउंडर मोइन अली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की।

मोइन हालांकि, देश के लिए सीमित ओवरों के मैच में खेलना जारी रखेंगे। 34 वर्षीय मोइन ने 2014 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट डेब्यू किया था। उनका इस प्रारूप में सर्वाधिक स्कोर नाबाद 155 रन है।

मोइन ने कहा, मैं 34 वर्ष का हो गया हूं और जितना हो सके खेलना और अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहता हूं। टेस्ट क्रिकेट शानदार है। आपको यहां ज्यादा रिवॉर्ड मिलता है और आपको खुद लगेगा कि मुझे यह मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, मैं इसे मिस करूंगा। विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलना मिस करूंगा। मैंने टेस्ट क्रिकेट का आनंद लिया है लेकिन मुझे लगता है कि मैं काफी कुछ कर चुका हूं और इससे खुश हूं।

मोइन ने अपने सभी कोच, कप्तान और उनके परिवार का उनके टेस्ट करियर के दौरान साथ देने के लिए धन्यवाद दिया। मोइन ने कहा, मैं पीटर मूरेस और क्रिस सिल्वरवुड को धन्यवाद देता हूं जो मेरे कोच हैं। एलिएस्टर कूक और जोए रूट कप्तान रहे जिनके नेतृत्व में मैंने खेल का आनंद लिया और मुझे लगता है कि मैं जिस तरह से खेला उससे वे खुश होंगे।

उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता पहले हैं जिनके समर्थन के बिना कोई रास्ता नहीं था। सभी मैच मैंने उनके लिए खेले हैं और मुझे पता है कि उन्हें मुझ पर गर्व है। यह मेरे लिए शानदार सफर रहा और सब कुछ मैंने अपने परिवार के लिए किया। मोइन ने इंग्लैंड के लिए 64 टेस्ट मैचों में 2914 रन बनाए हैं और 195 विकेट लिए हैं। उन्होंने टेस्ट में पांच शतक जड़े हैं।

पाकिस्तान, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड का दौरा रद्द होने पर भारत को कोसना बंद करे पाकिस्तान: अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने अपने पाकिस्तान दौरे को रद्द कर दिया जिसके चलते पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बड़ा झटका लगा था।

न्यूजीलैंड ने सुरक्षा का हवाला देते हुए दौरा रद्द किया जबकि इंग्लैंड की टीम ने खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक तौर पर स्थिरता को बनाए रहने को लेकर दौरा रद्द करने का फैसला किया था। यह दौरा रद्द हो जाने के चलते पाकिस्तान को आर्थिक और नैतिक रुप से प्रभाव पड़ा है जिसके बाद पीसीबी के नए अध्यक्ष रमीज राजा ने दोनो देशों को खूब खरी-खोटी सुनाई है।

इन सब घटनाओं के बीच पाकिस्तान के कुछ मंत्री और पूर्व खिलाड़ियों ने दौरा रद्द होने के पीछे भारत का हाथ बताया है। वे इसमें भरतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को भी जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस से कहा कि भारत को किसी भी बड़े या छोटे मुद्दे में शामिल करने की उनकी पुरानी आदत है वह भी बिना किसी सबूत के। उन्होंने कहा, हम रमीज राजा को शुभकामनाएं देते हैं, पाकिस्तान उनके कार्यकाल में नई उचाइयों को छुए। हम एक बात साफ कर देना चाहते हैं कि न्यूजीलैंड और इंग्लैंड का दौरा रद्द होने के पीछे बीसीसीआई का कोई हाथ नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे पास इन सब चीजों के लिए कोई समय नहीं है। मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान के कुछ पूर्व खिलाड़ी आईपीएल को क्यों दोष दे रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि मैंने कहीं पढ़ा था कि रमीज ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने पैसे के लिए अपने डीएनए को बदल लिया है, रमीज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों पर यह आरोप लगाया है कि वह अपनी आक्रमक रवैया को छोड़ कर आईपीएल के चलते साधारण तरीके से भारत के खिलाफ खेलते हैं। उन्होंने कहा, अब इसमें आईपीएल कहां से आ गया? अब यह किस तरह का आरोप है? हमें पता है उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है पर भारत को हर मुद्दे में शामिल करना सही बात नहीं है।

केकेआर की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए हम एक अच्छे मुकाबले की उम्मीद कर रहे हैं: होप्स

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स का कहना है कि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें एक अच्छे मुकाबले की उम्मीद है।

दिल्ली की टीम में कैगिसो रबादा और एनरिच नॉर्त्जे जैसे गेंदबाज हैं जो काफी आक्रामक दिख रहे हैं। होप्स ने कहा, रबादा और नॉर्त्जे के होने से जो 150 से ज्यादा की स्पीड से गेंदबाजी कर सकते हैं हमारा गेंदबाजी आक्रमण और भी ज्यादा आक्रामक हो गया है। तेज गेंदबाज अच्छे से तैयार है और उन्होंने अच्छी रणनीति बनाई है। वे वातावरण को बखूबी समझते हैं। फॉर्म में चल रही दिल्ली का मुकाबला मंगलवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में केकेआर के साथ होगा। होप्स को उम्मीद है कि केकेआर के खिलाफ मुकाबला अच्छा होगा क्योंकि दोनों टीमें फिलहाल अच्छी फॉर्म में हैं। होप्स ने कहा, केकेआर के कोच ब्रेंडन मैकुलम चाहते हैं कि उनकी टीम दूसरे चरण में और भी आक्रामक बने और वे वैसा ही खेल रहे हैं। वे काफी आक्रामक स्टाइल से खेल रहे हैं और उनके पास मैच विनर्स लाइन अप है। हमने अपनी रणनीति शारजाह के वातावरण के अनुसार बनाई है। केकेआर और हमारी टीम अच्छी फॉर्म में है, इसलिए मुझे अच्छे मुकाबले का भरोसा है।

बल्लेबाज लगातार निराश कर रहे हैं : रोहित शर्मा

दुबई। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस संस्करण में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाखुश हैं और वह अपना धैर्य खोते दिख रहे हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के हाथों रविवार को 54 रनों की हार के बाद अपनी निराशा व्यक्त की।

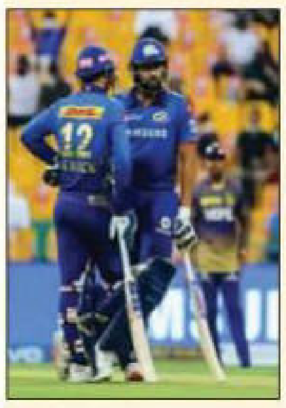

रोहित ने कहा, मुझे लगा कि यह हमारी ओर से एक शानदार गेंदबाजी प्रयास था। एक समय ऐसा लग रहा था कि आरसीबी 180 से अधिक रन बनाएगें। बल्लेबाजों ने हमें निराश किया और यह कुछ ऐसा है जो लगातार हो रहा है। मैंने बल्लेबाजों के साथ बातचीत की है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम आगे बढ़ें। मैं खराब शॉट खेलकर आउट हो गया। मुझे लगा कि यह खेल बदलने वाला क्षण था। एक-दो विकेट गिरने के बाद उन्होंने हम पर दबाव बनाए रखा। मुंबई लगातार तीन मैच गंवाने के बाद 10 में से आठ अंकों के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है। उन्होंने कहा, हम जिस भी स्थिति में हैं, हमें उससे वापसी करने की जरूरत है। हमने अतीत में ऐसा किया है। इस सीजन में ऐसा नहीं हो रहा है। ईशान किशन एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। पिछले साल उनका आईपीएल शानदार रहा था। हम उनका समर्थन करना चाहते हैं। मुंबई का अगला मुकाबला 28 सितंबर को अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पंजाब किंग्स से होगा।

आईपीएल 2021: केकेआर को हराकर प्लेआफ में जगह पक्की करना चाहेगी दिल्ली कैपिटल्स

शारजाह। (एजेंसी)।

शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में मंगलवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर प्लेआफ में जगह पक्की करना चाहेगी। दिल्ली के लिये अच्छी बात यह भी है कि केकेआर के आक्रामक हरफनमौला खिलाड़ी आंद्रे रसेल का चोट के कारण इस मैच में खेलना अनिश्चितहै। पहला आईपीएल खिताब जीतने की कोशिश में जुटी दिल्ली ने इस सत्र में आक्रामक खेल दिखाया है और उसकी नजरें सिर्फ प्लेआफ में जगह बनाने पर नहीं बल्कि पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन करने पर है। पिछले सत्र में फाइनल में उसे मुंबई इंडियंस ने हराया था। दिल्ली दस मैचों में आठ जीत के साथ 16 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है जबकि केकेआर छह हार और चार जीत के बाद चौथे स्थान पर है। दिल्ली ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को हराया जबकि केकेआर को चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा।

हैमस्ट्रिंग चोट के कारण तीन ओवर फेंकने के बाद रसेल मैदान से बाहर चले गए जिनकी कमी केकेआर को खली। उनकी गैर मौजूदगी में प्रसिद्ध कृष्णा को 19वां ओवर फेंकने की जिम्मेदारी दी गई लेकिन वह रविंद्र जडेजा को रोक नहीं सके। इयोन मोर्गन और उनकी टीम को बखूबी पता है कि दिल्ली जैसी फॉर्म में चल रही टीम के खिलाफ वे कोई गलती नहीं कर सकते। प्लेआफ में जगह बनाने के लिये यह मैच उनके लिये काफी अहम होगा। उन्हें ऋषभ पंत की अगुवाई वाली दिल्ली जैसी मजबूत टीम के खिलाफ हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मोर्गन, दिनेश कार्तिक, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर और शुभमन गिल सभी को मिलकर रन बनाने होंगे। चेन्नई के खिलाफ 45 रन बनाने वाले राहुल त्रिपाठी उस फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। दूसरी ओर दिल्ली की स्थिति मजबूत है जिसने रॉयल्स के खिलाफ उम्दा खेल दिखाया।

सीनियर खिलाड़ी ने बीसीसीआई से की थी विराट कोहली की शिकायत, हुआ बड़ा खुलासा !

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी थी कि वह टी20 वर्ल्ड कप के बाद भारत की टी20 टीम की कप्तानी छोड़ देंगे. विराट ने अचानक से ऐसा फैसला लेकर सबको हैरत में डाल दिया था. ऐसी खबर आ रही है कि इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली के व्यवहार को लेकर भारत के सीनियर खिलाड़ी ने बीसीसीआई से उनकी शिकायत की थी.

क्रिकेट नेक्स्ट की खबर की मानें तो एक खिलाड़ी ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे के दौरान कप्तान के बारे में शिकायत की थी. विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ने का फैसला करते हुए इसके पीछे का कारण वर्कलोड बताया. लेकिन एक सूत्र ने बताया कि बीसीसीआई विराट कोहली को कप्तानी से हटाने की योजना बना रहा था, क्योंकि वह उनके कार्यकाल के दौरान एक भी आईसीसी ट्रॉफी भारत को न दिला पाने से नाखुश था.

सूत्रों के हवाले से मिली खबर की मानें तो भारतीय टीम में विराट कोहली के खिलाफ कुछ महीने पहले बगावत शुरू हो गई थी. कई सीनियर खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में उनके रवैए से खुश नहीं थे. खबर के मुताबिक, सीनियर खिलाड़ी के रूप में रविचंद्रन अश्विन का नाम आ रहा है. लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है.

ऐसी खबर है कि एक सीनियर खिलाड़ी ने कोहली के खिलाफ उन्हें सुरक्षित महसूस कराने के लिए बीसीसीआई सचिव से शिकायत की थी. इंग्लैंड दौरे पर अश्विन को मौका नहीं दिया गया था. जबकि चौथे टेस्ट से पहले मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अश्विन के खेलने के बारे में बात की थी. लेकिन कोहली ने फिर भी उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया था.

डेनर्बी ने दोस्ताना मुकाबले के लिए 23 सदस्यीय भारतीय महिला फुटबॉल टीम घोषित की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनर्बी ने यूएई और बहरीन में होने वाले दोस्ताना मुकाबलों के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की। टीम अभी जमशेदपुर में शिविर में है और वे 29 सितंबर को नई दिल्ली जाएगी जहां से वे संयुक्त अरब अमीरात की राष्ट्रीय टीम के साथ दो अक्टूबर और ट्यूनिशिया की राष्ट्रीय टीम के साथ चार अक्टूबर को दोस्ताना मुकाबले के लिए यूएई जाएगी। टीम इसके बाद बहरीन जाएगी जहां उसे बहरीन की राष्ट्रीय टीम के खिलाफ 10 अक्टूबर और चीनी ताइपे के खिलाफ 13 अक्टूबर को दोस्ताना मैच खेलने है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः अदिति चौहान, माएबाम लिंथोएनगाम्बी देवी और श्रेया हुडा

डिफेंडरः दालिमा चिबेर, स्वीटी देवी, ऋतु रानी, आशालता देवी, रंजना चानू, मिशेल कासतान्हा, मनीषा पना और अस्ताम ओराऑन

मिडफील्डरः संगीता बासफोर, इंदुमति काथिरेसान, संजू, मार्टिना थोकचोम

फॉरवर्ड : डांगमेई ग्रैस, अंजू तमांग, संधिया रंगनाथन, सौम्या गुगुलोथ, मनीषा कल्याण, सुमति कुमारी, प्यारी जाजा और रेणु।

मुंबई सिटी ने गोलकीपर मोहम्मद नवाज के साथ करार किया

मुंबई। मुंबई सिटी एफसी ने गोलकीपर मोहम्मद नवाज के साथ तीन साल तक का करार किया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। 21 वर्षीय गोलकीपर एफसी गोवा से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की गत विजेता टीम के साथ जुड़ेगा। नवाज 2018 में एफसी गोवा के साथ जुड़े थे जहां वह क्लब की रिजर्व टीम के लिए आई लीग में खेले फिर उन्होंने 2018-19 में फर्स्ट टीम के लिए डेब्यू किया। नवाज ने 2018-19 के सफल अभियान और 2019-20 सुपर कप जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

मणिपुर में जन्में नवाज ने 2016 ब्रिक्स अंडर-17 टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। नवाज ने एफसी गोवा के लिए 2020-21 के सीजन में 10 मुकाबले खेले थे। मोहम्मद नवाज ने कहा, मुंबई सिटी एफसी को मुझ पर विश्वास दिखाने और मुझे एक ऐसे क्लब में खेलने का मौका देने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं जो खेल जीतना और ट्राफियां जीतना चाहता है। मुझे अपने कई दोस्तों से बात करने का मौका मिला। मैं अपने नए परिवार के साथ इस रोमांचक यात्रा की शुरूआत करने और सफर में महान चीजें हासिल करने के लिए उत्सुक हूं।

क्लब में रोनाल्डो की वापसी के बावजूद मैनचेस्टर युनाइटेड पर जीत की राह पर लौटने का दबाव

लंदन। अपनी टीम पर भारी निवेश और क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे सितारे की वापसी के बावजूद पिछले दौर में पराजय झेलने वाली मैनचेस्टर युनाइटेड पर मंगलवार से शुरू हो रहे चैम्पियंस लीग फुटबॉल के दूसरे चरण में बेहतर प्रदर्शन का भारी दबाव होगा। पिछले दो मैचों में मैनचेस्टर युनाइटेड को एक गोल से पराजय झेलनी पड़ी। क्लब में वापसी करने वाले रोनाल्डो ने हालांकि शनिवार को एस्टोन विला के खिलाफ एक ही मैच खेला लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। अब ग्रुप एफ के मैच में उनका सामना विलारीयाल से है जिसने यूरोपा लीग के पिछले सत्र के फाइनल में उसे हराया था।

दूसरी ओर रीयाल मैड्रिड का सामना शेरिफ से होगा। इस सप्ताह स्पेनिश लीग में मैड्रिड ने विलारीयाल से गोलरहित ड्रॉ खेला। पहले सात मैचों में आठ के मुकाबले 22 गोल करने वाली मैड्रिड पहली बार इस सत्र में किसी मैच में गोल नहीं कर सकी। वहीं शेरिफ ने ग्रुप डी के पिछले मैच में शखतार दोनेस्क को मात दी है। ग्रुप ए में पेरिस सेंट जर्मेन का सामना मैनचेस्टर सिटी से होगा। घुटने की मामूली चोट के कारण पिछले दो मैचों से बाहर रहे लियोनेल मेस्सी यह मैच खेल सकते हैं। मेस्सी ने चैम्पियंस लीग में आखिरी गोल बार्सीलोना के लिये पीएसजी के खिलाफ ही किया था। बोरूसिया डॉर्टमंड की टक्कर ग्रुप सी में स्पोर्टिंग लिस्बन से होगी। पिछले मैच में डॉर्टमंड को बोरूसिया मोंशेंग्लाबाख ने 1 . 0 से हराया था। खराब फॉर्म से जूझ रही बार्सीलोना का सामना ग्रुप ई में बेनफिका से होगा। स्पेनिश लीग के पिछले मैच में लेवांटे पर 3 . 0 से मिली जीत ने हालांकि उसके लिये टॉनिक का काम किया होगा। युवेंटस की दिक्कतें बढी हुई है जिसे बुधवार को चेलसी से खेलना है लेकिन उसके स्टार स्ट्राइकर पाउलो डायबाला चोट के कारण बाहर है। सैम्पडोरिया के खिलाफ स्पेनिश लीग के मैच में गोल करने के बाद वह चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे। युवेंटस ने यह मैच 3 . 2 से जीता।

भारत ही रोकता है ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ, महिला टीम से पहले पुरुष टीम 3 बार कर चुकी है कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मकाय में रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे महिला वनडे में भारत ने मेज़बान टीम को रोमांचक मुक़ाबले में दो विकेट से हराया और इस जीत के साथ ही भारत ने ऑस्ट्रेलिया के चले आ रहे लगातार 26 वनडे मैचों में जीत के वर्ल्ड रिकॉर्ड सिलसिले पर विराम लगा दिया।

एक समय आसान जीत की तरफ़ बढ़ रही भारतीय टीम ने इस मैच में भी मेज़बान टीम को कई मौक़े दे दिए थे, लेकिन आख़िरी लम्हों में दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा और फिर विनिंग शॉट लगाने वाली झूलन गोस्वामी ने धैर्य के साथ टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। भारतीय महिला वनडे टीम के इतिहास का ये सबसे बड़ा रन-चेज़ है, साथ ही किसी भी टीम का ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ ये दूसरा सर्वश्रेष्ठ चेज़ है।

हालांकि सिर्फ महिला टीम ही नहीं पुरुष टीम भी ऑस्ट्रेलिया का विजय रथ दो बार रोक चुकी है। अब तो यह लगने लग गया है कि जब जब ऑस्ट्रेलिया लगातार बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाएगी तो उस रथ को सिर्फ भारत ही रोक पाएगा और कोई दूसरी टीम नहीं।

महिला टीम से पहले भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम दो बार यह कारनामा कर पायी है। यह काम भारतीय क्रिकेट टीम ने 2 बार टेस्ट क्रिकेट में और एक बार वनडे क्रिकेट में कर दिखाया था।

साल 2001, कोलकाता

कौन भूल सकता है साल 2001 का वह टेस्ट जब भारत को फोलोऑन मिला था। कोलकाता का यह टेस्ट राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण की पारियों ने बदल कर रख दिया था। भारत ने न केवल सीरीज बराबर की बल्कि 171 रनों से हराकर ऑस्ट्रेलिया के लगातार चल रहे 17 टेस्ट मैच के विजय रथ को भी रोका। इस मैच में हरभजन सिंह ने हैट्रिक ली थी।

साल 2008 पर्थ

सात साल बाद यह कारनामा भारत ने ऑस्ट्रेलिया में ही कर डाला। सिडनी टेस्ट हारने के बाद टीम अंपायरों के फैसले से बहुत गुस्सा थी। यह गुस्सा निकला पर्थ टेस्ट में जहां टीम इंडिया के तेज गेंदबाजों के कहर के सामने कंगारु कहीं नहीं टिके। भारत यह टेस्ट 72 रनों से जीत गया और 17 टेस्ट मैचों से अविजित चली आ रही ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया।

साल 2016, सिडनी

साल 2015 में ऑस्ट्रेलिया विश्वविजेता बनी और साल 2016 में वह लगातार 16 वनडे घरेलू मैदान पर जीत चुकी थी। सिडनी में भारत ने 331 रनों के लक्ष्य का पीछा करके ऑस्ट्रेलिया को यह मैच 6 विकेट से हराया। इस मैच में मनीष पांडे ने शतक जड़ा था।

तीसरा अंपायर नहीं देता नो बॉल तो सीरीज भी होती कब्जे में

महिला टीम ऑस्ट्रेलिया से यह वनडे सीरीज भी अपने कब्जे में कर लेती। हालांकि दूसरे वनडे में तीसरे अंपायर का एक फैसला भारत के खिलाफ गया। अंतिम गेंद पर ऑस्ट्रेलिया को 3 रनों की जरुरत थी और झूलन गोस्वामी की एक गेंद कैरी ने लेग साइड में खेल दी जिसे मंधाना ने कैच कर लिया। लेकिन इसे मैदानी अंपायर ने तीसरे अंपायर के लिए रिफर किया क्योंकि गेंद की उंचाई ज्यादा थी।

रीप्ले में साफ दिख रहा था कि कैरी झुकी हुई हैं और गेंद नीचे की ओर जा रही है लेकिन तीसरे अंपायर ने इसे नॉ बॉल करार दिया और भारत का जश्न मायूसी में बदल गया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम गेंद पर 2 रन बनाकर यह मैच जीत लिया।